कि.शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़
बी.ए./बी.एस–सी.: चतुर्थ सेमेस्टर – 2015–16 एवं 2016–17
अनिवार्य प्रश्नपत्र–सामान्य हिंदी Code UGFHIN 9004

अंक योजना पूर्णांक : 100
मुख्य परीक्षा : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20

पाठ्य विषय :

इकाई– 1 पल्लवन, पारिभाषिक शब्दावली
इकाई– 2 पत्र लेखन(निजी पत्र, व्यावहारिक पत्र, शासकीय पत्र, अर्द्धशासकीय पत्र, आवेदन पत्र)
इकाई– 3 पर्यायवाची, युग्म–शब्द, शब्द–शुद्धि, उपसर्ग, प्रत्यय, तत्सम,तद्भव शब्द, मुहावरे–लोकोक्ति।
इकाई– 4 देवनागरी लिपि एवं वर्तनी का मानक रूप, कम्प्यूटर में हिंदी का अनुप्रयोग।
इकाई– 5 हिंदी अपठित, संक्षेपण।

सहायक पुस्तकें :

1. भारतीयता के अमर स्वर –डॉ. धनंजय वर्मा
2. प्रयोजन मूलक हिंदी –विनोद गोदरे
3. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग –विजय कुमार मल्होत्रा
4. हिंदी संक्षिप्त लेखन –रामप्रसाद किचलू
5. हिंदी शब्द सामर्थ्य – शिवनारायण चतुर्वेदी
6. हिंदी व्याकरण एवं रचना –डॉ. प्रभा ब्यौहार

––0––

अनुमोदित.

अध्ययन मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान – प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले – सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य – Usha 29.09.14
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू – अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे – अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. शील प्रभा मिश्र,
   प्राचार्य,
   शासकीय नवीन महाविद्यालय, पाली, जिला – कोरबा
2. डॉ. डी.एस.ठाकुर,
   प्राध्यापक हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. राम नारायण पटेल, रीडर, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2013–14)

1. श्री मुरली चौहान 27/09/14

अंक विभाजन – 04 दीर्घ उत्तरीय/निबंधात्मक प्रश्न 4×10 = 40 अंक
05 लघु उत्तरीय/टिप्पणी – 5×6 = 30 अंक
10 वस्तुनिष्ठ/अतिलघु उत्तरीय – 10×10 = 10 अंक
कुल 80 अंक

कि.शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़, छत्तीसगढ़

बी.ए./बी.एस–सी.: पंचम सेमेस्टर –2016–17 एवं 2017–18

अनिवार्य प्रश्नपत्र : सामान्य हिंदी Code UGFHIN 9005

अंक योजना पूर्णांक : 100
मुख्य परीक्षा : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20

पाठ्य विषय :

इकाई– 1 (निबंध) 1. महात्मा गांधी –सत्य और अहिंसा
2. विनोबा भावे –ग्रामसेवा
3. आचार्य नरेन्द्रदेव – युवकों का समाज में स्थान

इकाई– 2 (निबंध) 1. वासुदेवशरण अग्रवाल –मातृभूमि
2. भगवतशरण उपाध्याय –हिमालय की व्युत्पत्ति
3. हरिठाकुर –डॉ. खूबचंद बघेल

इकाई– 3 हिंदी भाषा और उस के विविध रूप – ~~सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृ भाषा,~~ कार्यालयीन भाषा, मीडिया की भाषा, वित्त एवं वाणिज्य की भाषा, तकनीकी भाषा (मशीनी भाषा)

इकाई– 4 अनुवाद– अनुवाद का स्वरूप, परिभाषा, क्षेत्र, प्रक्रिया। ~~हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका। व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास।~~

इकाई– 5 समाचार– ~~लेखन (रिपोर्टिंग)~~ हिन्दी की व्यावहारिक कोटियाँ – ~~समाचार के प्रकार, समाचार–लेखन के महत्वपूर्ण अंग, समाचारों के उदाहरणों के अभ्यास।~~ संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण, संधि समास एवं संक्षिप्तियाँ।

सहायक पुस्तकें :

1. हिंदी भाषा और संस्कृति –संपा. डॉ. राजेन्द्र मिश्र
2. प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिंदी –डॉ. दिनेश गुप्ता
3. अनुवाद कला –डॉ. एन.ई.विश्वनाथ अय्यर
4. हिंदी भाषा –महावीर प्रसाद द्विवेदी
5. बोलचाल की हिंदी और संचार – मधु धवन

—0—

अध्ययन मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर : अनुमोदित

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान – प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले – सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू – अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे – अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. शील प्रभा मिश्र,
प्राचार्य,
शासकीय नवीन महाविद्यालय, पाली, जिला – कोरबा

2. डॉ. डी.एस.ठाकुर,
प्राध्यापक हिंदी,
शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. राम नारायण पटेल, रीडर, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

औद्योगिक/निगम क्षेत्र : 1. श्री नवनीत जगतरामका, प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2013–14) 1. श्री मुरली चौहान 27/09/14

अंक विभाजन – 04 दीर्घ उत्तरी/निबंधात्मक प्रश्न 4X10=40
05 लघु उत्तरी/टिप्पणी 5X6=30
10 वस्तुनिष्ठ/अतिलघु उत्तरीय 10X04=10
कुल 80 अंक

कि.शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र् 2016–2017 एवं 2017–2018

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य) Code - 9001

अंक योजना पूर्णांक : 100
मुख्य परीक्षा : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20

प्रस्तावना : प्राचीन से तात्पर्य है–आधुनिक काल से पूर्व का काल। सही अर्थ में हिंदी भाषा और साहित्य का विकास आदिकाल से होता है। इसमें लौकिक और अलौकिक दो प्रकार का साहित्य मिलता है। मध्यकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि के रूप में इसे परिभाषित किया जाता है। मध्यकालीन काव्य में भक्तिकाव्य, जहाँ लोक जागरण को स्वर देने वाला है, वहीं रीतिकाल, अपने लौकिक–श्रृंगारिक परिदृश्य में तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक स्थितियों को स्पष्टतः अभिव्यंजित करता है। अतः भाषा, संस्कृति, मानवता, काव्य–वस्तु, काव्यरूपता, लौकिकता, पारलौकिक आदि दृष्टियों से इसका अध्ययन अत्यावश्यक है।

पाठ्य विषय :

इकाई– 1 कबीर– (प्रारम्भिक 50 साखियाँ)–सम्पादक– कांति कुमार जैन

इकाई– 2 जायसी–संक्षिप्त पद्मावत, (नागमती वियोग खण्ड)
सम्पादक–आचार्य रामचंद्र शुक्ल

इकाई– 3 सूरदास–भ्रमरगीतसार, (प्रारम्भिक 25 पद)–सम्पादक–आचार्य रामचंद्र शुक्ल

इकाई– 4 तुलसीदास–रामचरितमानस–(अयोध्या कांड के 25 दोहे चौपाई छंद सहित)

इकाई– 5 घनानंद (प्रारम्भिक 25 छंद)–सम्पादक–विश्वनाथ प्रसाद मिश्र,

1. द्रुतपठन :1. चंदबरदाई 2. रसखान 3. भूषण

——00——

अंक विभाजन :

2 व्याख्यात्मक प्रश्न – 2 × 10 = 20 अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित)

2 आलोचनात्मक प्रश्न– 2 × 15 = 30 अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित)

2 लघूत्तरी प्रश्न – 2 × 5 = 10 अंक (द्रुत पाठ से विकल्प सहित)

10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न 10 × 2 = 20 अंक (समस्त पाठ्य विषय से विकल्प सहित)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3 डॉ. विहारी लाल साहू –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले – Usha
6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7 श्री रामकुमार बंजारे –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

टिप्पणी– अध्ययन मण्डल यह अनुशंसा करता है कि पाठ्य–विषय में उल्लेखित कवियों के काल का संक्षिप्त परिचय तथा कवि परिचय सहित दिये गये अंशों को एक समिति द्वारा संकलित कर शीघ्र प्रकाशित किया जाए, ताकि छात्र/छात्राओं को विषय–सामग्री एक साथ उपलब्ध हो सके।

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवानिवृत्त प्राचार्य ग्राम चांटीपाली, पो. बरमकेला, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष–
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य–
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य–
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य–

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

1. श्री राजीव गुप्ता : सदस्य –
   धनुहारडेरा रायगढ़

कि.शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर

(हिन्दी कथा साहित्य) Code 9002

अंक योजना पूर्णांक : 100
मुख्य परीक्षा : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20

प्रस्तावना : गद्य की प्रमुख विधाओं का इतना द्रुत विकास इनकी लोकप्रियता का प्रमाण प्रस्तुत करताहै। इनमें आधुनिक जीवन अपनी विविध छवियों के साथ यथार्थ रूप में अभिव्यंजित हुआ है। जीवन की अनुभूतियों, संवेदनाओं तथा विविध परिस्थितियों के साक्षात्कार के लिए इनका अध्ययन अपेक्षित है।

पाठ्य विषय :

उपन्यास– 1. अमृतलाल नागर –मानस का हंस (विद्यार्थी संस्करण)

कहानी–
1. प्रेमचंद –कफन
2. फणीश्वरनाथ रेणु –ठेस
3. जयशंकर प्रसाद –पुरस्कार

द्रुतपठन– द्रुतपाठ के लिए निम्नांकित तीन कथाकारों का अध्ययन अपेक्षित है, जिन पर लघूत्तरी प्रश्न किये जाएंगे–
1.भगवतीचरण वर्मा 2. भीष्म साहनी 3. मोहन राकेश

––00––

अंकविभाजन :

2 व्याख्यात्मक प्रश्न – 2 × 10 = 20 अंक
(उपन्यास से 01 एवं कहानियों से 01 व्याख्या आंतरिक विकल्प सहित)

2 आलोचनात्मक प्रश्न– 2 × 15 = 30 अंक
(उपन्यास से 01 एवं कहानियों से 01 आलोचनात्मक आंतरिक विकल्प सहित)

2 लघूत्तरी प्रश्न – 2 × 5 = 10 अंक (द्रुत पाठ से विकल्प सहित)

10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न 10 × 1 = 10 अंक (समस्त पाठ्य विषय से विकल्प सहित)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत
3 डॉ. बिहारी लाल साहू –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7 श्री रामकुमार बंजारे –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

टिप्पणी– अध्ययन मण्डल यह अनुशंसा करता है कि पाठ्य–विषय में उल्लेखित कहानीकारों की कहानियों का कथा–संकलन शीघ्र प्रकाशित किया जाए, ताकि छात्र/छात्राओं को विषय–सामग्री एक साथ उपलब्ध हो सके।

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

2. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवानिवृत्त प्राचार्य ग्राम चांटीपाली, पो. बरमकेला, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष–
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य–
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य–
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य–

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

2. श्री राजीव गुप्ता : सदस्य –
   धनुहारडेरा रायगढ़

कि.शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र् 2017–2018 एवं 2018–2019

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

बी.ए. तृतीय सेमेस्टर

(आधुनिक हिन्दी काव्य) code 9003

अंक योजना पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

प्रस्तावना : आधुनिक काव्य आधुनिकता की सभी विशेषताओं को समेटे हुए है। इसमें खड़ी बोली हिंदी की काव्यवस्तु एवं भाषा–शिल्प के नवीन आयामों के विकास के साथ–साथ समसामयिक प्रवृत्तियों का प्रतिबिम्ब भी दिखाई देता है। स्वतंत्रतापूर्व एवं स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य की काव्यधाराओं का क्रमिक अध्ययन प्रतिनिधि कवियों की रचनाओं के माध्यम से किया जाना अपेक्षित है।

पाठ्य विषय :

इकाई– 1. मैथिलीशरण गुप्त –काव्य–शिक्षा एवं शुभकामना

इकाई– 2. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' –सखि बसंत आया, वर दे, वीणा वादिनी, वर दे!, हिंदी के सुमनों के प्रति पत्र, तोड़ती पत्थर,

इकाई– 3. सुमित्रानंदन पंत –बादल, परिवर्तन, ताज, झंझा में नीम, भारत माता

इकाई– 4. माखनलाल चतुर्वेदी –निःशस्त्र सेनानी ,एक विरल प्रश्नोत्तर सृष्टि बलि पंथी से, उलाहना)

इकाई– 5. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' –दूर्वाचल, साम्राज्ञी का नैवेद्य–दान, घर,

द्रुत पाठ : निम्नांकित कवियों के साहित्यिक परिचय का अध्ययन अपेक्षित है, जिन पर लघु उत्तरीय प्रश्न किये जाएंगे –

1.अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' 2.सुभद्राकुमारी चौहान 3.श्रीकांत वर्मा

––00––

अंक विभाजन : 2 व्याख्याएँ– 2 ×10 = 20 अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित)

2 आलोचनात्मक प्रश्न– 2 ×15 = 30 अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित)

2 लघूत्तरीय प्रश्न – 2 ×5 = 10 अंक (द्रुत पाठ से विकल्प सहित)

10अतिलघूत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न–10×1 = 10 अंक (समस्त पाठ्य विषय से विकल्प सहित)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –

2. डॉ. फूलदास महंत –

3 डॉ. बिहारी लाल साहू –

4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –

5 डॉ. उषा वैरागकर आठले –

6 डॉ. वेठियार सिंह साहू –

7 श्री रामकुमार बंजारे –

8 श्री नवनीत जगतरामका –

9 श्री राजीव गुप्ता –

पाठ्य/सहायक पुस्तकें –

1 छायावाद – नामवर सिंह,

2 निराला की काव्य दृष्टि -- डॉ. राधाकृष्ण कौशिक,

3 निराला – रामविलास शर्मा,

4 मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन -- डॉ. नगेंद्र,

5 अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन– चंद्रकान्त बांदिवडेकर,

6 प्रगतिवादी काव्य के राजनीक एवं सामाजिक चेतना – डॉ विद्या प्रधान,

टिप्पणी– अध्ययन मंडल यह अनुशंसा करता है कि पाठ्य–विषय में उल्लिखित कवियों के काल का संक्षिप्त परिचय, कवि–परिचय तथा कविताओं को एक समिति द्वारा संकलित करवाकर शीघ्र प्रकाशित कर छात्र–छात्राओं के लिए उपलब्ध किया जावे।

अनुमोदित
हस्ताक्षर

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

3. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवानिवृत्त प्राचार्य, चांटीपाली, पो. बरमकेला, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य–
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य–
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य–

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

3. श्री राजीव गुप्ता : सदस्य –
   धनुहारडेरा रायगढ़

कि.शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2017–2018 एवं 2018–2019

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

विषय–हिन्दी नाटक,एकांकी एवं निबंध (वैकल्पिक प्रश्न पत्र) Code 9004

अंक योजना

पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

प्रस्तावना : आधुनिक काल में गद्य की प्रमुख विधाओं का इतना द्रुत विकास इनकी लोकप्रियता का प्रमाण प्रस्तुत करता है। इनमें आधुनिक जीवन अपनी विविध छवियों के साथ यथार्थ रूप में अभिव्यंजित हुआ है। जीवन की अनुभूतियों, संवेदनाओं तथा विविध परिस्थितियों के साक्षात्कार के लिए पाठ्यक्रम में निर्धारित सभी विधाओं के उद्भव–विकास का सामान्य अध्ययन अपेक्षित है।

पाठ्य विषय :

इकाई– 1 **नाटक :**

ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद अथवा लहरों के राजहंस – मोहन राकेश

इकाई– 2 **एकांकी :**

1. डॉ. रामकुमार वर्मा – औरंगजेब की आखिरी रात
2. लक्ष्मीनारायण मिश्र – एक दिन

इकाई– 3 **निबंध :**

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल – क्रोध
2. डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी – बसंत आ गया है
3. हरिशंकर परसाई – बेईमानी की परत

द्रुत पठन – निम्नांकित रचनाकारों के साहित्यिक परिचय का अध्ययन अपेक्षित है –

1.बाबू गुलाबराय 2.महादेवी वर्मा 4. हबीब तनवीर

––00––

अंक विभाजन :

2 व्याख्याएँ (तीनों इकाइयों से एक–एक आंतरिक विकल्प सहित) – 2 ×10=20 अंक

2 आलोचनात्मक प्रश्न (तीनों इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित) – 2 ×15 = 30 अंक

2 लघूत्तरी प्रश्न (द्रुत पाठ से विकल्प सहित) – 2 × 5 = 10 अंक

10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न (समग्र पाठ्य विषय से विकल्प सहित) – 10×1=10 अंक

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –

2. डॉ. फूलदास महंत –

3 डॉ. बिहारी लाल साहू –

4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –

5 डॉ. उषा वैरागकर आठले – Usha

6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –

7 श्री रामकुमार बंजारे –

8 श्री नवनीत जगतरामका –

9 श्री राजीव गुप्ता –

पाठ्य/सहायक ग्रन्थ :–

1 नाटककार जयशंकर प्रसाद – संपादक सत्येन्द्र कुमार तनेजा,
2 व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई – डॉ भरत पटेल,
3 निबंधालोक : विद्यानिवास मिश्र – डॉ दिलीप देशमुख,
4 हिन्दी निबन्धकार – जयनाथ नलिन
5 प्रसाद : भारतीयता के प्रतिमान – सत्यपाल चुंग

टिप्पणी– अध्ययन मंडल यह अनुशंसा करता है कि पाठ्य–विषय में उल्लिखित रचनाकारों के काल का संक्षिप्त परिचय, लेखक–परिचय तथा कविताओं को एक समिति द्वारा संकलित करवाकर शीघ्र प्रकाशित कर छात्र–छात्राओं के लिए उपलब्ध किया जावे।

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित
हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एरा. ठाकुर, ——
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

4. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवानिवृत्त प्राचार्य, चांटीपाली, पो. बरमकेला, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष–
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य–
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य–
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य–

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़ : सदस्य –

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

4. श्री राजीव गुप्ता
   धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2017–2018 एवं 2018–2019

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

(वैकल्पिक प्रश्नपत्र) Code 9004 (A)

अंक योजना

पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

प्रस्तावना : किसी भी देश के जनमानस की मनोवृत्ति, दशा एवं संवेदना के विविध स्वरूपों का संचित रूप वहाँ के साहित्य में परिलक्षित होता है। हिंदी क्षेत्र की परिस्थितियों से कमोबेश पूरा भारत प्रभावित होता रहा है, जिसकी गूँज हिंदी साहित्य में प्रतिध्वनित है। आठवीं–नवीं शताब्दी से लेकर आज तक के विकास परिदृश्य के साथ साहित्यिक सृजनशीलता के विविध रूपों, प्रवृत्तियों और भाषा–शैलियों का ज्ञान हिंदी साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही किया जा सकता है। अतः इसका अध्ययन सर्वथा सार्थक और समीचीन है।

पाठ्य विषय :

इकाई एक :

1. हिंदी साहित्येतिहास–लेखन की परम्परा
2. हिंदी साहित्येतिहास : काल–विभाजन
3. हिंदी साहित्येतिहास : नामकरण

इकाई दो :

4. आदिकाल : परिस्थितियाँ एवं विशेषताएँ
5. आदिकालीन साहित्य : सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य

इकाई तीन :

6. भक्तिकाल : परिस्थितियाँ एवं विशेषताएँ
7. भक्तिकालीन साहित्य : निर्गुण काव्यधारा – ज्ञानाश्रयी एवं प्रेमाश्रयी
   सगुण काव्यधारा – रामभक्ति शाखा एवं कृष्णभक्ति शाखा

इकाई चार :

8. रीतिकाल : परिस्थितियाँ एवं विशेषताएँ
9. रीतिकालीन काव्यधाराएँ -- रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त

अंक विभाजन :

2 आलोचनात्मक प्रश्न	– 2× 15 = 30 अंक
5 लघूत्तरीय प्रश्न	– 5× 06 = 30 अंक
10 अतिलघूत्तरीय / वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 10× 1 = 10 अंक

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3. डॉ. बिहारी लाल साहू –
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5. डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6. डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7. श्री रामकुमार बंजारे –
8. श्री नवनीत जगतरामका –
9. श्री राजीव गुप्ता –

पाठ्य/ सहायक ग्रंथः–

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल,
2 हिन्दी साहित्य का आदिकाल एवं बीसलदेव रास – डॉ. मीनकेतन प्रधान,
3 भक्ति काव्य–यात्रा – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी,
4 हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास – डॉ. सुमन राजे
5 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
6 हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

5. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवानिवृत्त प्राचार्य, चांटीपाली, पो. वरमकेला, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष–
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य–
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य–
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य–

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़ : सदस्य –

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

5. श्री राजीव गुप्ता
   धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

कि.शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र् 2018–2019 एवं 2019–2020

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

बी.ए. पंचम सेमेस्टर

छत्तीसगढ़ी भाषा–साहित्य (वैकल्पिक प्रश्नपत्र) Code 9005

अंक योजना

पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

प्रस्तावना : हिंदी जगत में अनेक बोलियाँ विद्यमान हैं, जिनमें लिखित साहित्य भी विपुल मात्रा में उपलब्ध है। जनपदीय भाषा छत्तीसगढ़ी निरंतर विकास की ओर अग्रसर हो रही है। अतः इस भाषा का और इसमें रचित साहित्य का इतिहास एवं उसके विकास का अध्ययन आवश्यक है।

पाठ्य विषय :

इकाई एक : छत्तीसगढ़ी भाषा का परिचय

इकाई दो : छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास

इकाई तीन : छत्तीसगढ़ी काव्य : संत धर्मदास के पद (गुरु पइयाँ, नैनन आगे ख्याल घनेरा, भजन करौ भाई रे)विनय कुमार पाठक की कविताएँ (तँय उठथस सुरुज उथे, एक किसिम के नियाव) मुकुन्द कौशल की छत्तीसगढ़ी गजलें

इकाई चार : छत्तीसगढ़ी गद्य : सोनपान (लेख)– लखनलाल गुप्त, सीख सीख के गोठ – सत्यभामा आड़िल

द्रुत पाठ : सुंदरलाल शर्मा, रामचंद्र देशमुख, कपिलनाथ कश्यप

––00––

अंक विभाजन : 2 व्याख्याएँ – 2× 10 = 20 अंक

(इकाई तीन एवं इकाई चार से आंतरिक विकल्प सहित)

2 आलोचनात्मक प्रश्न – 2× 15 = 30 अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित)

2 लघूत्तरीय प्रश्न –2× 5 = 10 अंक (द्रुत पाठ से)

10 अतिलघुत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10×2 = 20 अंक (समग्र पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –

2. डॉ. फूलदास महंत –

3 डॉ. बिहारी लाल साहू –

4.डॉ. मीनकेतन प्रधान –

5 डॉ. उषा वैरागकर आठले – Usha

6. डॉ. बेठियार सिंह साहू –

7 श्री रामकुमार वंजारे –

8 श्री नवनीत जगतरामका –

9 श्री राजीव गुप्ता

सहायक ग्रंथ :

1. जनपदीय भाषा –साहित्य (छत्तीसगढ़ी), सम्पादक – डॉ. सत्यभामा आड़िल प्रकाशक – छत्तीसगढ़ राज्य हिंदी ग्रंथ अकादमी, संस्करण प्रथम 2010
2. छत्तीसगढ़ी साहित्य : दशा एवं दिशा – नंदकिशोर तिवारी
1. मानक छत्तीसगढ़ी व्याकरण –चन्दूलाल चन्द्राकर
2. बोलचाल की छत्तीसगढ़ी – डॉ. चित्तरंजन कर
3. छत्तीसगढ़ी अभिव्यक्ति के परिप्रेक्ष्य – डॉ. बिहारी लाल साहू
4. छत्तीसगढ़ी का इतिहास एवं परम्परा – डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा

टिप्पणी– अध्ययन मण्डल यह अनुशंसा करता है कि पाठ्य–विषय में सम्मिलित विषयों, रचनाकारों के काल का संक्षिप्त परिचय तथा रचनाकार के परिचय सहित दिये गये अंशों को एक समिति द्वारा संकलित कर शीघ्र प्रकाशित किया जाए, ताकि छात्र/छात्राओं को विषय–सामग्री एक साथ उपलब्ध हो सके।

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.निलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

6. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवानिवृत्त प्राचार्य, चांटीपाली, पो. चरमकेला, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष–
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य–
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य–
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य–

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

6. श्री राजीव गुप्ता : सदस्य –
   धनुहारडेरा रायगढ़

कि.शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2018–2019 एवं 2019–2020

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

बी.ए. पंचम सेमेस्टर

हिंदी साहित्य : छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य (वैकल्पिक प्रश्नपत्र) Code-9005(A)

अंक योजना

पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

प्रस्तावना :हिंदी जगत की बोलियों या विभाषाओं में अमूल्य लोकसाहित्य–संपदा विद्यमान है। इसके संकलन, संपादन, सर्वेक्षण, प्रकाशन द्वारा ही अपनी मूल राष्ट्रीय संस्कृति को संरक्षित किया जा सकता है और हिंदी का जनाधार बढ़ाया जा सकता है। हमारे प्रदेश की राजभाषा छत्तीसगढ़ी में भी विपुल मात्रा में लोकसाहित्य विद्यमान है। अस्तु, इसके अध्ययन की उपयोगिता निर्विवाद है।

पाठ्य विषय :

इकाई एक : लोकसाहित्य : अर्थ, स्वरूप और विशेषताएँ

इकाई दो : छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य की विविध विधाएँ : सामान्य परिचय

इकाई तीन : छत्तीसगढ़ी लोकगीत एवं लोकगाथा : प्रकार एवं उदाहरण

इकाई चार : छत्तीसगढ़ी लोककथा एवं लोकनाट्य : प्रकार एवं उदाहरण

––00––

अंक विभाजन : 4 आलोचनात्मक प्रश्न – 2× 15 = 30 अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित)

5 लघूत्तरीय प्रश्न – 5× 6 = 30 अंक (समग्र पाठ्य विषय से विकल्प सहित)

10 अतिलघूत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10× 1 = 10 अंक (समग्र पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर––

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –

2. डॉ. फूलदास महंत –

3 डॉ. विहारी लाल साहू –

4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –

5 डॉ. उषा वैरागकर आठले –

6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –

7 श्री रामकुमार बंजारे –

8 श्री नवनीत जगतरामका –

9 श्री राजीव गुप्ता –

कि.शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र् 2018–2019 एवं 2019–2020

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

बी.ए. पंचम सेमेस्टर

हिंदी साहित्य : छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य (वैकल्पिक प्रश्नपत्र) code-9005(A)

अंक योजना

पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

प्रस्तावना :हिंदी जगत की बोलियों या विभाषाओं में अमूल्य लोकसाहित्य–संपदा विद्यमान है। इसके संकलन, संपादन, सर्वेक्षण, प्रकाशन द्वारा ही अपनी मूल राष्ट्रीय संस्कृति को संरक्षित किया जा सकता है और हिंदी का जनाधार बढ़ाया जा सकता है। हमारे प्रदेश की राजभाषा छत्तीसगढ़ी में भी विपुल मात्रा में लोकसाहित्य विद्यमान है। अस्तु, इसके अध्ययन की उपयोगिता निर्विवाद है।

पाठ्य विषय :

इकाई एक : लोकसाहित्य : अर्थ, स्वरूप और विशेषताएँ

इकाई दो : छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य की विविध विधाएँ : सामान्य परिचय

इकाई तीन : छत्तीसगढ़ी लोकगीत एवं लोकगाथा : प्रकार एवं उदाहरण

इकाई चार : छत्तीसगढ़ी लोककथा एवं लोकनाट्य : प्रकार एवं उदाहरण

––00––

अंक विभाजन : 4 आलोचनात्मक प्रश्न – 2× 15 = 30 अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प रहित)

5 लघूत्तरीय प्रश्न – 5× 6 = 30 अंक (समग्र पाठ्य विषय से विकल्प सहित)

10 अतिलघूत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10× 1 = 10 अंक (समग्र पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर–

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –

2. डॉ. फूलदास महंत –

3 डॉ. विहारी लाल साहू –

4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –

5 डॉ. उषा वैरागकर आठले –

6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –

7 श्री रामकुमार बंजारे –

8 श्री नवनीत जगतरामका –

9 श्री राजीव गुप्ता –

ाद्य/सहायक पुस्तकें :–

1. डॉ. बिहारीलाल साहू – छत्तीसगढ़ी भाषा एवं लोकसाहित्य
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले – छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य और रंगकर्म
3. लोकसाहित्य की भूमिका – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
4. लोकसाहित्य अर्थ और व्याप्ति – डॉ. सुरेश गौतम,
5. भारत में लोकसाहित्य – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय,

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर : अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

7. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवानिवृत्त प्राचार्य, चांटीपाली, पो. बरमकेला, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014–15) :

7. श्री राजीव गुप्ता : सदस्य –
   धनुहारडेरा रायगढ़

कि.शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र् 2016–2017 एवं 2017–2018

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

बी.ए.–षष्ठ सेमेस्टर

हिंदी साहित्य :

हिंदी भाषा–साहित्य का इतिहास एवं काव्यांग विवेचन Code 9006

अंक योजना

पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

पाठ्य विषय :

इकाई एक : 1. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास। आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल।

2. भारतीय आर्य भाषाएँ–

1. प्राचीन आर्य भाषाएँ, 2. मध्यकालीन आर्य भाषाएँ, 3. आधुनिक आर्य भाषाएँ

इकाई दो : 1. हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ

2. हिन्दी का शब्द भण्डार – तत्सम, तद्भव, देशज, आगत शब्दावली।

इकाई तीन : हिन्दी साहित्य का इतिहास –

आदिकाल, पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल), उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल), आधुनिक काल।

इकाई चार : काव्यांग विवेचन –

1. रस – परिभाषा, रस के अंग, रस के प्रकार (उदाहरण सहित) ।
2. छंद – दोहा, सोरठा, चौपाई, सवैया (उदाहरण सहित)।
3. अलंकार –

शब्दालंकार– अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति।

अर्थालंकार– उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, विभावना।

––00––

अंक विभाजन :

2 आलोचनात्मक प्रश्न–2× 15 = 30 अंक

(समस्त पाठ्य विषय से आंतरिक विकल्प सहित)

5 लघूत्तरीय प्रश्न – 5× 06 = 30 अंक

(प्रश्न पत्र के समस्त पाठ्य विषय से विकल्प सहित)

10 अतिलघूत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10× 1 = 10 अंक

(प्रश्न पत्र के समस्त पाठ्य विषय से विकल्प सहित)

––0––

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –

2. डॉ. फूलदास महंत –

3 डॉ. बिहारी लाल साहू –

4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –

5 डॉ. उषा वैरागकर आठले –

6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –

7 श्री रामकुमार बंजारे –

8 श्री नवनीत जगतरामका –

9 श्री राजीव गुप्ता –

पाठ्य/सहायक पुस्तकें :-

1. हिंदी भाषा–साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन – सम्पादक – डॉ. सत्यभामा आड़िल
2. हिंदी भाषा का इतिहास – भोलानाथ तिवारी
3. हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास – डॉ. उदय नारायण,
4. हिन्दी भाषा:इतिहास और स्वरूप – डॉ. राजमणि शर्मा
5. हिन्दी व्याकरण मीमांसा – काशीराम शर्मा,
6. हिन्दी की मानक वर्तनी – कैलाशचंद्र भाटिया

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ : अनुमोदित हस्ताक्षर

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर, –
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत, –
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजैपुर, जिला–जांजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

9. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवानिवृत्त प्राचार्य, चांटीडीह, पो. बरमकेला, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014–15) :

9. श्री राजीव गुप्ता : सदस्य –
   धनुहारडेरा रायगढ़

कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2017–2018 एवं 2018–2019

बी.ए./बी.एस.सी. : चतुर्थ सेमेस्टर Code - UGF Hin - 9004

सामान्य हिंदी

अनिवार्य प्रश्नपत्र

अंक योजना पूर्णांक : 100
मुख्य परीक्षा : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20

पाठ्य विषय :

इकाई– 1 पल्लवन, पारिभाषिक शब्दावली

इकाई– 2 पत्र लेखन (निजीपत्र, व्यावहारिकपत्र, शासकीय पत्र, अर्द्धशासकीय पत्र, आवेदनपत्र)

इकाई– 3 पर्यायवाची, युग्म–शब्द,शब्द–शुद्धि, उपसर्ग, प्रत्यय, तत्सम, तद्भव शब्द, मुहावरे–लोकोक्ति।

इकाई– 4 देवनागरी लिपि एवं वर्तनी का मानक रूप, कम्प्यूटर में हिंदी का अनुप्रयोग।

इकाई– 5 हिंदी अपठित, संक्षेपण।

---00---

सहायक पुस्तकें :

1. भारतीयता के अमर स्वर –डॉ. धनंजय वर्मा
2. प्रयोजन मूलक हिंदी –विनोद गोदरे
3. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग –विजय कुमार मल्होत्रा
4. हिंदी संक्षिप्त लेखन –रामप्रसाद किचलू
5. हिंदी शब्द सामर्थ्य – शिवनारायण चतुर्वेदी
6. हिंदी व्याकरण एवं रचना –डॉ. प्रभा व्यौहार

2 आलोचनात्मक प्रश्न – 2 × 15 = 30 अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित)

5 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन – 5 × 6 = 30 अंक (——,, ——,, ——)

10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न –10 × 2 = 30 अंक (समस्त पाठ्य विषय से विकल्प सहित)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3 डॉ. बिहारी लाल साहू –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7 श्री रामकुमार बंजारे –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत, –
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू, –
   सेवानिवृत्त प्राचार्य ग्राम चांटीपाली, पो. बरमकेला, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य – 30/11/
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

1. श्री राजीव गुप्ता : सदस्य –
   धनुहारडेरा रायगढ़

कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2018--2019 एवं 2019--2020

बी.ए./बी. एस--सी. : पंचम सेमेस्टर Code UGF Hin 9005

सामान्य हिंदी

अनिवार्य प्रश्नपत्र

अंक योजना पूर्णांक : 100
मुख्य परीक्षा : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20

पाठ्य विषय :

इकाई-- 1 (निबंध)
1. महात्मा गांधी --सत्य और अहिंसा
2. विनोवा भावे --ग्रामसेवा
3. आचार्य नरेन्द्रदेव --युवकों का समाज में स्थान

इकाई-- 2 (निबंध)
1. वासुदेवशरण अग्रवाल --मातृभूमि
2. भगवतशरण उपाध्याय --हिमालय की व्युत्पत्ति
3. हरि ठाकुर --डॉ. खूबचंद बघेल

इकाई-- 3 हिंदी भाषा और उसके विविध रूप-- कार्यालयीन भाषा, मीडिया की भाषा, वित्त एवं वाणिज्य की भाषा, तकनीकी भाषा (मशीनी भाषा)

इकाई-- 4 अनुवाद--अनुवाद का स्वरूप, परिभाषा, क्षेत्र, प्रक्रिया।

इकाई-- 5 हिन्दी की व्यावहारिक कोटियाँ-- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण, सन्धि, समास एवं संक्षिप्तियाँ।

--------00--------

अंक विभाजन :

2 दीर्घउत्तरीय/निबंधात्मक प्रश्न -- 2 × 15 = 30 अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित)
5 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन -- 5 × 6 = 30 अंक (------ " ------ " ------)
10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न --10 × 2 = 20 अंक (समस्त पाठ्य विषय से विकल्प सहित)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर --

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर --
2. डॉ. फूलदास महंत
3 डॉ. बिहारी लाल साहू --
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान --
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले --
6 डॉ. बेठियार सिंह साहू
7 श्री रामकुमार बंजारे --
8 श्री नवनीत जगतरामका --
9 श्री राजीव गुप्ता --

कि.शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़
बी.ए./बी.एस–सी.: चतुर्थ सेमेस्टर – 2015–16 एवं 2016–17
अनिवार्य प्रश्नपत्र–सामान्य हिंदी Code UGFHIN 9004

अंक योजना पूर्णांक : 100
मुख्य परीक्षा : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20

पाठ्य विषय :

इकाई– 1 पल्लवन, पारिभाषिक शब्दावली
इकाई– 2 पत्र लेखन(निजी पत्र, व्यावहारिक पत्र, शासकीय पत्र, अर्द्धशासकीय पत्र, आवेदन पत्र)
इकाई– 3 पर्यायवाची, युग्म–शब्द, शब्द–शुद्धि, उपसर्ग, प्रत्यय, तत्सम,तद्भव शब्द, मुहावरे–लोकोक्ति।
इकाई– 4 देवनागरी लिपि एवं वर्तनी का मानक रूप, कम्प्यूटर में हिंदी का अनुप्रयोग।
इकाई– 5 हिंदी अपठित, संक्षेपण।

सहायक पुस्तकें :

1. भारतीयता के अमर स्वर –डॉ. धनंजय वर्मा
2. प्रयोजन मूलक हिंदी –विनोद गोदरे
3. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग –विजय कुमार मल्होत्रा
4. हिंदी संक्षिप्त लेखन –रामप्रसाद किचलू
5. हिंदी शब्द सामर्थ्य – शिवनारायण चतुर्वेदी
6. हिंदी व्याकरण एवं रचना –डॉ. प्रभा ब्यौहार

––0––

अनुमोदित.

अध्ययन मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान – प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले – सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य – Usha 29.09.14
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू – अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे – अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. शील प्रभा मिश्र,
   प्राचार्य,
   शासकीय नवीन महाविद्यालय, पाली, जिला – कोरबा
2. डॉ. डी.एस.ठाकुर,
   प्राध्यापक हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. राम नारायण पटेल, रीडर, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2013–14)

1. श्री मुरली चौहान 27/09/14

अंक विभाजन – 04 दीर्घ उत्तरीय/निबंधात्मक प्रश्न 4×10 = 40 अंक
05 लघु उत्तरीय/टिप्पणी – 5×6 = 30 अंक
10 वस्तुनिष्ठ/अतिलघु उत्तरीय – 10×10 = 10 अंक
कुल 80 अंक

कि.शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़, छत्तीसगढ़

बी.ए./बी.एस–सी.: पंचम सेमेस्टर –2016–17 एवं 2017–18

अनिवार्य प्रश्नपत्र : सामान्य हिंदी Code UGFHIN 9005

अंक योजना पूर्णांक : 100
मुख्य परीक्षा : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20

पाठ्य विषय :

इकाई– 1 (निबंध) 1. महात्मा गांधी –सत्य और अहिंसा
2. विनोबा भावे –ग्रामसेवा
3. आचार्य नरेन्द्रदेव – युवकों का समाज में स्थान

इकाई– 2 (निबंध) 1. वासुदेवशरण अग्रवाल –मातृभूमि
2. भगवतशरण उपाध्याय –हिमालय की व्युत्पत्ति
3. हरिठाकुर –डॉ. खूबचंद बघेल

इकाई– 3 हिंदी भाषा और उस के विविध रूप – ~~सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृ भाषा,~~ कार्यालयीन भाषा, मीडिया की भाषा, वित्त एवं वाणिज्य की भाषा, तकनीकी भाषा (मशीनी भाषा)

इकाई– 4 अनुवाद– अनुवाद का स्वरूप, परिभाषा, क्षेत्र, प्रक्रिया। ~~हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका। व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास।~~

इकाई– 5 समाचार– ~~लेखन (रिपोर्टिंग)~~ हिन्दी की व्यावहारिक कोटियाँ – ~~समाचार के प्रकार, समाचार–लेखन के महत्वपूर्ण अंग, समाचारों के उदाहरणों के अभ्यास।~~ संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण, संधि समास एवं संक्षिप्तियाँ।

सहायक पुस्तकें :

1. हिंदी भाषा और संस्कृति –संपा. डॉ. राजेन्द्र मिश्र
2. प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिंदी –डॉ. दिनेश गुप्ता
3. अनुवाद कला –डॉ. एन.ई.विश्वनाथ अय्यर
4. हिंदी भाषा –महावीर प्रसाद द्विवेदी
5. बोलचाल की हिंदी और संचार – मधु धवन

—0—

अध्ययन मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर : अनुमोदित

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान – प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले – सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू – अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे – अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. शील प्रभा मिश्र,
प्राचार्य,
शासकीय नवीन महाविद्यालय, पाली, जिला – कोरबा

2. डॉ. डी.एस.ठाकुर,
प्राध्यापक हिंदी,
शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. राम नारायण पटेल, रीडर, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

औद्योगिक/निगम क्षेत्र : 1. श्री नवनीत जगतरामका, प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2013–14) 1. श्री मुरली चौहान 27/09/14

अंक विभाजन – 04 दीर्घ उत्तरी/निबंधात्मक प्रश्न 4X10=40
05 लघु उत्तरी/टिप्पणी 5X6=30
10 वस्तुनिष्ठ/अतिलघु उत्तरीय 10X04=10
कुल 80 अंक

प्रस्तावित सत्र 2019–2020 एवं 2020–2021
एम. ए. हिंदी:सेमेस्टर–चतुर्थ
अनिवार्य प्रश्नपत्र–प्रथम : छायावादोत्तर काव्य code 913

प्रस्तावना :

छायावादी कृतिव में यथार्थ और स्वप्न दोनों की समान संस्थिति थी। राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक जागरण की प्रवृत्ति अपनी समस्त शक्ति–सामर्थ्य तथा कतिपय नवीन प्रयोगवादिता के साथ छायावादोत्तर काव्य में विकसित होती रही। यहाँ प्रयोग और प्रगतिशीलता के स्वर जोर पकड़ते गए, जिसके बीज–बिंदु छायावाद में पड़ चुके थे। औद्योगीकरण के साथ–साथ शोषण की वृत्ति तथा अन्य सामाजिक विद्रूपताओं ने प्रगति ील साहित्यिक आंदोलन को बढ़ावा दिया। नए मार्ग की अन्वेषी विचारधारा ने प्रयोगवादी काव्यधारा के रूप में अपने को विकसित किया। स्वतंत्रता के बाद मोहभंग की स्थिति ने जन्म लिया। स्वप्न अधूरे रहे, संकल्प टूटे। आक्रोश और विद्रोह की प्रवृत्तिव्यापक पैमाने पर परिलक्षित हुई। विज्ञान ने बौद्धिकता का विकास किया। फलस्वरूप नए–नए बिम्ब, प्रतीक एवं अभिव्यंजना–रूप ब्रिकसित हुए। अंतर्विरोधी स्थितियों ने मूल्य–विघटन, तनाव–संक्रमण, मोहभंग की स्थिति पैदा की, जिसकी अभिव्यंजना विविध रूपों में हुई। वर्तमान समस्याओं, संवेदनाओं की व्यापकता वि वजनीन हो गई। इस वैश्विक संदर्भ की जानकारी और समझदारी के लिए छायावादोत्तर तथा समकालीन साहित्य का विशेष अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

इस प्रश्न पत्र में समादृत कवियों से 03 व्याख्यात्मक ,03 आलोचनात्मक प्रश्न एवं द्रुत पाठ से लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जाएंगे,जिनमें आंतरिक विकल्प होगा। संपूर्ण पाठ्य–विषय से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय': नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, बावरा अहेरी, साँप।
2. नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, यह तुम थी, वह तो था बीमार, नईपौध,कालिदास, मैं तुम्हें अपना चुम्बन दूँगा, पैने दाँतों वाली, तो फिर क्या हुआ ?शासन की बंदूक, अकाल और उसके बाद।
3. गजानन माधव मुक्तिबोध : अंधेरे में।

द्रुत पठन :

रामेश्वर शुक्ल 'अंचल', रघुवीर सहाय, धूमिल, दुष्यंत कुमार, अरूणकमल

——0——

कुल अंक 80

अंक विभाजन :

03–व्याख्या	–3 × 10 = 30	(समादृत पाठ्य विषय की रचनाओं से)
03–आलोचनात्मक प्रश्न	–3 × 10 = 30	(समादृत पाठ्य विषय की रचनाओं से)
03–लघूत्तरी प्रश्न	–3 × 05 = 15	(द्रुत पाठ से)
05–वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	–5 × 01 = 05	(समादृत पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1. डॉ. राजेश दुबे –
2. डॉ. चित्तरंजन कर –
3. डॉ. विनय कुमार पाठक –
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान – 31/8/18
5. डॉ.(श्रीमती)रवीन्द्र चौबे –
6. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे –
7. डॉ. बेठियार सिंह साहू –
8. श्री नवनीत जगतरामका –
9. श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य : रामविलास शर्मा
2. आधुनिक हिंदी कविता में दुरुहता : डॉ.एस.वसंता
3. आधुनिक हिंदी कविता ओर विचार : डॉ. राजेन्द्रमोहन भटनागर
4. नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : गजानन माधव मुक्तिबोध
5. अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन : चंद्रकांत बांदिवडेकर
6. असाध्य वीणा और अज्ञेय : रमेशचंद्र शाह
7. बाबा नागार्जुन : नरेन्द्र कोहली
8. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह
9. छायावादोत्तर काव्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : डॉ. कमलाप्रसाद
10. प्रगतिवादी काव्य में राजनीतिक एवं सामाजिक चेतना : डॉ. विद्या प्रधान
11. अज्ञेय : प्रकृति काव्य : काव्य में प्रकृति : संजय कुमार
12. दुष्यंत कुमार की गज़लों का समीक्षात्मक अध्ययन : डॉ. सरदार मुजावर
13. कवि कहानीकार अज्ञेय और मुक्तिबोध : संवेदना और दृष्टि : डॉ. भरत सिंह
14. नागार्जुन की कविता : अजय तिवारी
15. अंतस्तल का पूरा विप्लव : अंधेरे में : संपादक – निर्मला जैन
16. नई कविता : निराला, अज्ञेय और मुक्तिबोध : विद्या सिन्हा
17. रघुवीर सहाय का कविकर्म : सुरेश शर्मा
18. समकालीन हिंदी कविता : अज्ञेय और मुक्तिबोध के संदर्भ में : शशि शर्मा
19. धूमिल और उसका काव्य–संघर्ष : डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र
20. आधुनिक साहित्य और प्रयोगवाद : डॉ. भास्कर मैया
21. अज्ञेय–काव्य में प्राग्बिम्ब और मिथक : डॉ. सी.एम.राजन
22. धुमकेतु धूमिल और साठोत्तरी कविता : मीनाक्षी जोशी
23. निराला और मुक्तिबोध : नंदकिशोर नवल
24. रघुवीर सहाय और श्रीकांत वर्मा की कविता : अमिय कुमार साहू
25. गज़लकार दुष्यंतकुमार : डॉ. अविनाश कासांडे
26. नागार्जुन के काव्य में जनवादी चेतना : डॉ. रमाकांत आपरे

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित
हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. राजेश दुबे,**
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. **डॉ. चित्तरंजन कर,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. विनय कुमार पाठक,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. बैठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,**
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

प्रस्तावित सत्र 2019–2020 एवं 2020–2021

एम.ए.हिंदी : सेमेस्टर–चतुर्थ

अनिवार्य प्रश्नपत्र–द्वितीय

पाश्चात्य काव्यशास्त्र code 914

प्रस्तावना :

रचना के वैशिष्ट्य और मूल्यबोध के उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। इससे साहित्यिक समझ विकसित होती है तथा वह दृष्टि मिलती है जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख की जा सके। पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का भी हमारी काव्य–दृष्टि पर प्रभाव पड़ा है अतः आधुनिक रचना को उसकी समग्रता में समझने और विश्लेषण के लिए पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांत और साहित्यालोचन की विविध शैलियों का अध्ययन आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में खण्ड (क) से 02,, खण्ड (ख)से 01 आलोचनात्मक प्रश्न तथा, समस्त पाठ्य–विषय से लघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे, जिनमें आंतरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय :

(क) 1. प्लेटो :काव्य–सिद्धांत।
2. अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी विवेचन।
3. लॉंजाइनस : उदात्त की अवधारणा।
4. वर्ड्सवर्थ : काव्य–भाषा का सिद्धांत।
5. कॉलरिज : कल्पना–सिद्धांत और ललित कल्पना।
6. मैथ्यू ऑर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य।
7. टी. एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।
8. आई.ए.रिचर्ड्स : रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

(ख) (1)सिद्धांत और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद तथा अस्तित्ववाद।

(2) आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ : संरचनावाद, विखंडनवाद, शैलीविज्ञान, उत्तरआधुनिकतावाद।

——0——

अंक विभाजन : **कुल अंक 80**

3 आलोचनात्मक प्रश्न	–3 × 20	= 60 (खण्ड क से 02 एवं खण्ड ख से 01)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी	–3 × 05	= 15 (प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	–5 × 01	= 05 (प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. राजेश दुबे –
2.डॉ. चित्तरंजन कर –
3डॉ. विनय कुमार पाठक –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान 21/8/18
5 डॉ.(श्रीमती)रवीन्द्र चौबे –
6 सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे –
7 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत : डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
2. साहित्य समीक्षा के पाश्चात्य मानदंड : डॉ. राजेन्द्र वर्मा
3. पाश्चात्य साहित्य चिंतन : संपादक – निर्मला जैन
4. पाश्चात्य साहित्यालोचन के सिद्धांत : डॉ. लीलाधर गुप्त
5. उत्तरआधुनिक साहित्यिक विमर्श : सुधीश पचौरी
6. देरिदाँ विखंडन की सैद्धांतिकी : सुधीश पचौरी
7. शैलीविज्ञान और संरचनावाद : डॉ. नरेन्द्र सैनी
8. शैलीविज्ञान : डॉ. सुरेश कुमार
9. पाश्चात्य काव्य चिंतन : डॉ. करूणाशंकर उपाध्याय
10. साहित्य सिद्धांत : रेने वेलेक, ऑस्टेन वारेन
11. स्वातंत्र्योत्तरहिंदी समीक्षा सिद्धांत : डॉ. ब्रम्हदेव मिश्र
12. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ : डॉ. सत्यदेव मिश्र
13. भाषा और समीक्षा के बिन्दु : डॉ. सत्यदेव मिश्र
14. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धांत और वाद : डॉ. भगीरथ मिश्र
15. सौंदर्यबोधशास्त्र : डॉ. जगदीश सिंह मन्हास
16. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : नई प्रवृत्तियाँ : राजनाथ
17. पाश्चात्य काव्य चिंतन : करूणाशंकर उपाध्याय
18. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. उमेशकुमार सिंह

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. राजेश दुबे,**
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय धरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. **डॉ. चित्तरंजन कर,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. विनय कुमार पाठक,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य – 21/8/18
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,**
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़ : सदस्य –

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2019–2020 एवं 2020–2021

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–चतुर्थ

अनिवार्य प्रश्नपत्र तृतीय : प्रयोजन मूलक हिंदी code 915

प्रस्तावना :

सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। हिंदी भाषा और साहित्य का इन माध्यमों में अधिकाधिक स्तरीय प्रयोग तभी हो सकता है, जब इन दृश्य–श्रव्य माध्यमों से संबंधित विधाओं का व्यवस्थित प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया जाए। यह पाठ्यक्रम अत्यंत रोजगारपरक है।

इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य–विषय से 03 आलोचनात्मक प्रश्न, 03 लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्नों में आंतरिक विकल्प निर्धारित है। समस्त पाठ्य–विषय से 05 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य विषय :

(अ) मीडिया लेखन :1 . जनसंचार : प्रौद्योगिकी और चुनौतियाँ।

2 . विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप : मुद्रण, श्रव्य, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट।

3 . श्रव्य माध्यम (रेडियो) : मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार–लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा–लेखन, विज्ञापन–लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज

4 . दृश्य–श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलिविजन एवं वीडियो) : दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वॉयस ओवर), पटकथा लेखन, टेली ड्रामा, संवाद–लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपान्तर, विज्ञापन की भाषा।

(ब) हिंदी कम्प्यूटिंग : 1. कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग–क्षेत्र

2 . इंटरनेट एवं वेब वर्ल्ड वाइड का परिचय।

3 . इंटरनेट एक्सप्लोरर अथवा नेटस्केप।

4 लिंक, ई–मेल भेजना, प्राप्त करना, डाउनलोडिंग, अपलोडिंग।

5 . हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, हिंदी की प्रमुख वेबसाइट्स, हिंदी के ब्लॉग्स, हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेजेस।

6 .एम.एस.वर्ड, फोटोशॉप, कवर डिज़ाइनिंग, ग्राफिक्स, डी.टी.पी., मल्टीमीडिया, ई–कॉमर्स का सामान्य परिचय।

7 इंटरनेट : सामग्री–सृजन।

(स) अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार : 1. अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि ।

2. हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।

3. मशीनी अनुवाद।

——0——

कुल अंक 80

अंक विभाजन :

3 आलोचनात्मक प्रश्न	–3 × 20	= 60 (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी	–3 × 05	= 15 (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	–5 × 01	= 05 (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. राजेश दुबे –
2. डॉ. चित्तरंजन कर
3डॉ. विनय कुमार पाठक –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान
5 डॉ.(श्रीमती)रवीन्द्र चौबे –
6 सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे –
7 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. पत्रकारिता और जनसंचार : डॉ. ठाकुरदत्त शर्मा 'आलोक'

2. जनसंचार : सिद्धांत और अनुप्रयोग : विष्णु राजगढ़िया
3. हिंदी पत्रकारिता एवं जनसम्पर्क : डॉ. टी.डी.एस.आलोक
4. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग : दंगल झाल्टे
5. इंटरनेट और ई मेल : हेमंत कुमार गोयल
6. कम्प्लीट कम्प्यूटर कोर्स : कपिलदेव सपड़ा
7. मीडिया लेखन : सुमीत मोहन
8. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. विनोद गोदरे
9. मीडियाकालीन हिंदी : स्वरूप और संभावनाएँ : डॉ. अर्जुन चव्हाण
10. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प : डॉ. मनोहर प्रभाकर
11. रेडियो नाटक की कला : सिद्धनाथ कुमार
12. कम्प्यूटर प्रयोग और हिंदी : डॉ. अमरसिंह वधान
13. कम्प्यूटर और हिंदी : डॉ. हरिमोहन
14. प्रयोजनमूलक हिंदी : एक : डॉ. रामनारायण पटेल
15. प्रयोजनमूलक हिंदी : दो : डॉ. रामनारायण पटेल
16. नए जनसंचार माध्यम और हिंदी' : डॉ. सुधीश पचौरी
17.इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सूचना प्रौद्योगिकी : डॉ. यू.सी.गुप्ता
18. दूरदर्शन का स्वरूप एवं हिंदी प्रस्तुतीकरण : डॉ. उन्मेष मिश्र
19. जनसम्पर्क : सिद्धांत और व्यवहार : डॉ. अर्जुन तिवारी
20. रेडियो का कलापक्ष : डॉ. नीरजा माधव
21. सम्प्रेषण और रेडियो शिल्प : विश्वनाथ पाण्डेय
22. 1000 कम्प्यूटर–इंटरनेट प्रश्नोत्तरी : विनयभूषण
23. अनुवाद के भाषिक पक्ष : विभा गुप्ता
24. अनुवाद क्या है? : डॉ. भ.ह.राजूरकर
25. अनुवाद क्या है? : राजमल व्होरा
26. अनुवाद : प्रक्रिया और परिदृश्य : रीतारानी पालीवाल
27. साहित्यानुवादः संवाद और संवेदना : डॉ. आरसु
28. लिप्यंतरण : सिद्धांत और प्रयोग : डॉ. रामप्रकाश सक्सेना
29. आज की हिंदी और अनुवाद की समस्याएँ : डॉ. रायवरपु

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. राजेश दुबे,**
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. **डॉ. चितरंजन कर,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. विनय कुमार पाठक,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य – 21/8/18
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2019–2020 एवं 2020–2021
एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–चतुर्थ
अनिवार्य प्रश्नपत्र–चतुर्थ
छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य code 916

प्रस्तावना :

हिंदी साहित्य मात्र खड़ी बोली तक सीमित नहीं है। उसकी अनेक विभाषाओं में आज भी पर्याप्त साहित्य–सृजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य की राजभाषा के रूप में छत्तीसगढ़ी प्रतिष्ठित हो चुकी है। अतः इसके पृथक् अध्ययन से इस विभाषा का उत्तरोत्तर विकास ही होगा।

इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य–विषय से 03 आलोचनात्मक प्रश्न, 03 लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्नों में आंतरिक विकल्प निर्धारित है। समस्त पाठ्य–विषय से 05 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य विषय :

खण्ड – अ. छत्तीसगढ़ी भाषा

1. छत्तीसगढ का नामकरण।
2. छत्तीसगढ़ी भाषा : उद्भव, विकास एवं परंपरा।
3. छत्तीसगढ़ी भाषा का भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक परिदृश्य।
4. छत्तीसगढ़ी की उपबोलियाँ एवं उनका वर्गीकरण।
5. छत्तीसगढ़ी का मानक व्याकरण एवं शब्दकोश।

खण्ड – ब. छत्तीसगढ़ी साहित्य

1. छत्तीसगढ़ी साहित्य : उद्भव, विकास एवं प्रवृत्तियाँ–
   पद्य साहित्य– मुक्तक काव्य/गीत, खण्ड काव्य, महाकाव्य, नई कविता।
   गद्य साहित्य– कहानी, उपन्यास, निबंध, नाटक, एकांकी, आलोचना, संस्मरण, यात्रासाहित्य।'
2. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य की विविध विधाएँ–
   लोकगीत, लोकनाट्य, लोककथा, लोकगाथा, लोकनृत्य, लोकसंगीत, लोक सुभाषित, हाना।

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

3 आलोचनात्मक प्रश्न	–3 × 20	= 60 (समादृत संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी	–3 × 05	= 15 (समादृत संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	–5 × 01	= 05 (समादृत संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. राजेश दुबे –
3डॉ. विनय कुमार पाठक –
5. डॉ.(श्रीमती)रवीन्द्र चौबे –
7.डॉ. बेठियार सिंह साहू –
9.श्री राजीव गुप्ता
2. डॉ. चित्तरंजन कर –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान 21/8/18
6 सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे –
8 श्री नवनीत जगतरामका –

संदर्भ ग्रंथ :

1. छत्तीसगढ़ी भाषा और लोकसाहित्य : डॉ. बिहारीलाल साहू
2. छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्विकास : डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा

3. छत्तीसगढ़ी, हल्बी, भतरी भाषाओं का वैज्ञानिक अध्ययन : भालचन्द्र राव तैलंग
4. छत्तीसगढ़ी : दशा एवं दिशा : नंदकिशोर तिवारी
5. छत्तीसगढ़ ज्ञानकोश : हीरालाल शुक्ल
6. छत्तीसगढ़ : इतिहास, संस्कृति एवं परम्परा : डॉ. तृषा शर्मा
7. छत्तीसगढ़ी शब्दकोश : डॉ. रमेशचंद्र महरोत्रा
8. राजभाषा छत्तीसगढ़ी : डॉ. सुधीर शर्मा
9. छत्तीसगढ़ का भूगोल : डॉ. किरण गजपाल
10. मानक छत्तीसगढ़ी व्याकरण : चंदूलाल चंद्राकर
11. छत्तीसगढ़ी साहित्य एवं रंगकर्म : डॉ. उषा वैरागकर आठले
12. बोलचाल की छत्तीसगढ़ी : डॉ. चित्तरंजन कर
13. छत्तीसगढ़ी : अभिव्यक्ति के परिप्रेक्ष्य : डॉ. बिहारीलाल साहू
14. छत्तीसगढ़ी बोली, व्याकरण और कोश : डॉ. कांतिकुमार
15. छत्तीसगढ़ी जनभाषा : डॉ. व्यासनारायण दुबे
16. प्राचीन छत्तीसगढ़ : प्यारेलाल गुप्त
17. छत्तीसगढ़ी पहेलियाँ : डॉ. बिहारीलाल साहू
18. छत्तीसगढ़ी मुहावरा कोश : संपा. –रमेशचंद्र महरोत्रा एवं चित्तरंजन कर
19. प्रहेलिकाएँ और छत्तीसगढ़ी संस्कृति : डॉ. बिहारीलाल साहू
20. छत्तीसगढ़ का इतिहास एवं परम्परा : डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा
21. छत्तीसगढ़ी का भाषा शास्त्रीय अध्ययन : डॉ. शंकर शेष
22. छत्तीसगढ़ी साहित्य का ऐतिहासिक अध्ययन : डॉ. विमल कुमार पाठक
23. छत्तीसगढ़ी की व्याकरणिक कोटियाँ : डॉ. चित्तरंजन कर
24. छत्तीसगढ़ी साहित्य के समर्पित हस्ताक्षर : डॉ. विनय कुमार पाठक
25. बीसवीं शताब्दी का छत्तीसगढ़ी साहित्य : डॉ. मंजू शर्मा

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे, –
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. डॉ. चित्तरंजन कर, –
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष – 21/8/18
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्यांख्याता हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :
श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2019–2020 एवं 2020–2021

एम. ए. हिंदी सेमेस्टर –चतुर्थ

वैकल्पिक प्रश्नपत्र चतुर्थ

लघु शोध–प्रबंध code 921

प्रस्तावना –

इस प्रश्न पत्र की लिखित परीक्षा के विकल्प में लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करने की पात्रता हेतु विद्यार्थी को द्वितीय सेमेस्टर में 60 प्रतिशत अंक अर्जित कर उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। तदनुसार विभाग की संस्तुति से किसी एक विषय पर शोधार्थी को शोध निर्देशक के मार्गदर्शन में मौलिक रुप से लगभग 100 पृष्ठों का लघु शोध–प्रबंध तैयार करना होगा, जिसकी 05 मुद्रित/टंकित प्रतियाँ चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा के चतुर्थ प्रश्नपत्र के दिनाँक तक परीक्षणार्थ विभाग में प्रस्तुत करना अनिवार्य है। आंतरिक एवं बाह्य परीक्षक द्वारा लघु शोध–प्रबंध के मूल्यांकन के प्रदत्त अंको को पृथक्–पृथक् जोड़ा जाना प्रस्तावित है।

लघु शोध प्रबंध के आंतरिक मूल्यांकन/सेमिनार/मौखिकी हेतु विभाग द्वारा निर्धारित तिथियों में परीक्षार्थी की उपस्थिति अनिवार्य है। लघु शोध–प्रबंध प्रस्तुति के लिए निम्नानुसार अंक निर्धारित है–

अंक विभाजन	कुल अंक–100
आंतरिक मूल्याँकन परीक्षा	10
सेमिनार	10
बाह्य परीक्षक	40
आंतरिक परीक्षक	40

अनुमोदित
हस्ताक्षर

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे,
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. डॉ. चित्तरंजन कर,
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य – 21/8/18
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2019–2020 एवं 2020–2021

एम.ए.हिंदी : सेमेस्टर–चतुर्थ

परियोजना–कार्य Code 920

प्रस्तावना :–

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को पाठ्यक्रमेतर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का शोध आलेख तैयार करना होगा। शोधार्थी को शोध–निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र–कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की स्वच्छ हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।शोधार्थी का मौलिक दृष्टिकोण अपेक्षित है।

निर्धारित विषय

1. रायगढ़ जिले के साहित्यकारों से साक्षात्कार।
2. जिले के छत्तीसगढ़ी साहित्यकारों की रचनाओं पर शोधपरक लेख।
3. इंटरनेट–माध्यम से किसी एक साहित्यिक ब्लॉग का विश्लेषण।
4. किसी फिल्म/रेडियो नाटक/टी वी धारावाहिक/वृत्तचित्र के लिए पटकथा लेखन।
5. अनुवाद : छत्तीसगढ़ी/हिंदी/उड़िया का पारस्परिक अनुवाद।
6. छत्तीसगढ़ के संदर्भ में लगभग 25 विज्ञापन तैयार करना।
7. पश्चात्य काव्यशास्त्र के पाठ्येतर किसी एक विचारक/सिद्धांत/वाद की समीक्षा/तुलनात्मक अध्ययन।
8. छायावादोत्तर/इक्कीसवीं सदी के किसी एक हिंदी/छत्तीसगढ़ी/उड़िया/अन्य भाषा के कवि/काव्य–कृति का साहित्यिक मूल्यांकन।
9. आकाशवाणी रायगढ़ से प्रसारित कार्यक्रमों की समीक्षा।
10. रायगढ़ जिले के छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास।
11. छत्तीसगढ़ी साहित्य के विशिष्ट रचनाकार।
12. संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक अन्य विषय (विभागीय संस्तुति से)

अंक विभाजन : कुल अंक – 50,शोध आलेख –30 अंक एवं मौखिकी : 20 अंक

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित

हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे,
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. डॉ. चित्तरंजन कर,
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :
श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ 19.9.18 सदस्य

कि. शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018

पाठ्क्रम : हिंदी साहित्य

एम. ए. द्वितीय सेमेस्टर

क्र.	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम	अंक विभाजन				
			सेमेस्टर परीक्षा		आंतरिक मूल्यांकन		योग
			अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम	
1.	प्रथम	हिंदी साहित्य का इतिहास(सन् 1857 ई. से आज तक)	80	29	20	07	100
2.	द्वितीय	प्रेमाख्यानक काव्य एवं रीतिकाव्य	80	29	20	07	100
3.	तृतीय	हिंदी भाषा	80	29	20	07	100
4.	चतुर्थ	आधुनिक गद्य साहित्य : हिंदी उपन्यास एवंकहानी	80	29	20	07	100
5.		परियोजना कार्य			50	18	50
					कुल		450

बैठक दिनांक : 30.11.2016

विभागाध्यक्ष – हिन्दी

विस्तृत पाठ्यक्रम एवं संदर्भ ग्रंथ सूची संलग्न

नोट : परीक्षार्थी को प्रत्येक प्रश्नपत्र में सेमेस्टर परीक्षा एवं आंतरिक मूल्याँकन परीक्षा में अलग–अलग 36 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

अध्ययन–मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. डॉ. फूलदास महंत,
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2013–14) :

1. श्री राजीव गुप्ता : सदस्य –
   धनुवारडेरा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018

एम. ए. हिंदी

सेमेस्टर द्वितीय

अनिवार्य प्रश्न पत्र प्रथम

हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 1857 से आज तक) code- 905

प्रस्तावना :

सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के साथ समूचे भारतीय समाज में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवर्तन होने लगे थे। इसका प्रभाव हिंदी भाषा और साहित्य पर भी दृष्टिगोचर होता है। एक ओर विभिन्न बोलियों का स्थान खड़ी बोली हिंदी ले रही थी, वहीं दूसरी ओर साहित्य के विषयों में भी स्वाधीनता आंदोलन एवं स्वतंत्रता के स्वर मिलने लगे। स्वतंत्रता के पहले और बाद अनेक प्रकार की विचारधाराएँ और शैलियाँ विकसित हुईं, जिनके विकास का क्रमबद्ध अध्ययन इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से प्रश्न किये जाएंगे ।

पाठ्य विषय :

1. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राजक्रांति और पुनर्जागरण।
2. भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
3. द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
4. छायावादी युग : हिंदी स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम विकास : छायावादी काव्य –प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
5. उत्तर छायावाद : विविध प्रवृत्तियाँ : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता, उत्तरआधुनिकतावादी कविता, नारी विमर्श, दलित विमर्श : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
6. हिंदी गद्य साहित्य की प्रमुख विधाओं का विकास – कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज़ आदि ।
7. हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास।
8. उर्दू साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।
9. उड़िया साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।
10. हिंदीतर क्षेत्रों तथा देशांतर में हिंदी भाषा और साहित्य।

——00——

अंक विभाजन : **कुल अंक 80**

3 आलोचनात्मक प्रश्न	3×20 = 60	(इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघूत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी लेखन	3 ×5 = 15	(इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	5 ×1 = 05	(इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3डॉ. बिहारी लाल साहू –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6 डॉ. बेठियार सिंह साहू
7 श्री रामकुमार बंजारे –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास	: बच्चन सिंह
2. दूसरी परम्परा की खोज	: नामवर सिंह
3. छायावाद एवं अन्य निबंध	: संपादक – सतीश चतुर्वेदी
4. आधुनिक हिंदी साहित्य की भूमिका	: लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
5. आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकाल	: श्रीनारायण चतुर्वेदी
6. आधुनिक हिंदी गद्य और गद्यकार	: डॉ. जेकब पी. जॉर्ज
7. छायावादोत्तर हिंदी काव्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि	: डॉ. कमलाप्रसाद
8. उत्तरआधुनिक साहित्यिक विमर्श	: सुधीश पचौरी
9. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	: प्रो. सैयद ऐहतेशाम हुसैन
10. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास	: डॉ. बापूराव देसाई
11. प्रगतिवादी काव्य में राजनीतिक एवं सामाजिक चेतना	: डॉ. विद्या प्रधान
12. देरिदां : विखंडन की सैद्धांतिकी	: सुधीश पचौरी
13. हिंदी आलोचना का विकास	: नंदकिशोर नवल
14. हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत	: योगेन्द्र प्रताप सिंह
15. ओडिया साहित्य का इतिहास	: डॉ. पूर्णिमा केडिया
16. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र	: ओमप्रकाश वाल्मीकि
17. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास	: डॉ. बच्चन सिंह
18. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ	: नामवर सिंह
19. हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी	: आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
20. आधुनिक साहित्य और प्रयोगवाद	: डॉ. भास्कर भैया
21. स्त्रीत्ववादी विमर्श : समाज और साहित्य	: क्षमा शर्मा
22. स्त्री विमर्श : साहित्यिक और व्यावहारिक संदर्भ	: डॉ. करूणा उमरे
23. दलित साहित्य : प्रकृति और संदर्भ	: डॉ. संजय नवले
24. दलित साहित्य : विविध आयाम	: डॉ. सुनीता साखरे
25. नारी विमर्श की नई दिशाएँ	: डॉ. रेणुका मोरे

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर : अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,** –
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. **डॉ. फूलदास महंत,** –
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2013–14) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–द्वितीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र द्वितीय

प्रेमाख्यानक काव्य और रीतिकाव्य code - 906

प्रस्तावना :

पूर्वमध्यकाल में सूफी काव्य की एक सशक्त धारा दिखाई देती है, जिसमें हिंदू और इस्लामी संस्कृति का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। उत्तरमध्यकालीन काव्य (रीतिकाव्य) अपनी कलात्मक अभिव्यंजना में बेजोड़ है। इनका अध्ययन समाज, संस्कृति और युग की धड़कनों को समग्रता में समझने के लिए अनिवार्य है।

इस प्रश्नपत्र में समादृत तीनों काव्य–कृतियों से आंतरिक विकल्प–युक्त व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प–युक्त लघूत्तरी /टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प–युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. जायसी : संक्षिप्त पद्मावत – (पद्मावती खण्ड एवं नागमती वियोग खण्ड)
   सम्पादक–श्यामसुंदर दास

2. घनानंद : घनानंद चयनिका
   सम्पादक – डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा (प्रारम्भिक 25 छंद)

3. बिहारी : बिहारी सार्द्धशती
   सम्पादक – ओमप्रकाश (प्रारम्भिक 100 दोहे)

द्रुत पाठ के कवि : केशव, देव, भूषण, सेनापति, पद्माकर

———00———

अंक विभाजन : **कुल अंक 80**

3 व्याख्यात्मक प्रश्न –3 × 10 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनो कृतियों से)
2 आलोचनात्मक प्रश्न –2× 15 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन–3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न–5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –
3डॉ. बिहारी लाल साहू –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले – Usha
7 श्री रामकुमार बंजारे –
9 श्री राजीव गुप्ता –

2. डॉ. फूलदास महंत –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
8 श्री नवनीत जगतरामका –

संदर्भ ग्रंथ :

1. घनानंद : काव्य और आलोचना : डॉ. किशोरीलाल
2. घनानंद का काव्य : डॉ. रामदेव शुक्ल
3. बिहारी भाष्य : डॉ. देशराजसिंह भाटी
4. बिहारी की काव्य–साधना : डॉ. देशराजसिंह भाटी
5. बिहारी : डॉ. राजकिशोर सिंह
6. बिहारी : आलोचनात्मक अध्ययन : डॉ. राजकिशोर सिंह
7. बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ. बच्चन सिंह
8. सूफी मत : डॉ. कन्हैया सिंह
9. पद्मावत का अनुशीलन : इंद्रचंद्र नारंग
10. जायसी : एक नई दृष्टि : डॉ. रघुवंश
11. रीतिकालीन कविता में भक्तितत्व : डॉ. उषा पुरी
12. हिंदी रीति साहित्य : डॉ. भगीरथ मिश्र
13. रीतिकालीन कवियों की प्रेम–व्यंजना : डॉ. बच्चन सिंह
14. रीतिकाव्य की इतिहास–दृष्टि : सुधीन्द्र कुमार
15. केशवदास : विजयपाल सिंह
16. केशव–काव्यसुधा : कृष्णदेव शर्मा
17. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी
18. हिंदी साहित्य का मध्यकाल : डॉ. ईश्वरदत्त शील
19. रीतिबद्ध काव्य में तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था का स्वरूप : डॉ. तारा श्रीवास्तव
20. बोधा के काव्य में जीवन–मूल्य : डॉ. वेदप्रकाश
21. रीतिमुक्त कवि ठाकुर और उनका काव्य : डॉ. जगदेवकुमार शर्मा
22. कवि आलम और उनकी आलमकेलि : डॉ. वेदप्रकाश
23. मध्ययुगीन रहस्यवादी प्रवृत्तियों के मूल स्रोत : डॉ. आनंदमोहन उपाध्याय
24. मध्यकालीन हिंदी काव्य : संपादक – डॉ. दिलीप मेहरा
25. भूषण का प्रशस्तिकाव्य : डॉ. रमा नवले

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,**
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास. बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. **डॉ. फूलदास महंत,**
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

1. **श्री राजीव गुप्ता,** धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018
एम. ए. हिंदी
सेमेस्टर–द्वितीय
अनिवार्य प्रश्नपत्र तृतीय : हिंदी भाषा code-907

प्रस्तावना :

भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकासक्रम, भौगोलिक विस्तार, भाषिक स्वरूप, विविधरूपता तथा हिंदी में कम्प्यूटर–सुविधाओं विषयक जानकारी एवं देवनागरी के वैशिष्ट्य, विकास और मानकीकरण का विवरण हिंदी के अध्येता के लिए अत्यंत उपयोगी है। हिंदी भाषा के विकास के आधुनिक चरण में कामकाजी हिंदी महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य–विषय से आलोचनात्मक/लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ प्रश्न/अति लघूत्तरी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. **हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :**
   प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ –
   वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत– उनकी विशेषताएँ।
   मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ –
   पालि, प्राकृत – शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश– उनकी विशेषताएँ।
   आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ –वर्गीकरण।
2. **हिंदी का भौगोलिक विस्तार :**
   हिंदी की उपभाषाएँ –
   पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ।
   खड़ी बोली, ब्रज, अवधी– उनकी विशेषताएँ।
3. **हिंदी का भाषिक स्वरूपः**
   हिंदी शब्द–रचना –
   उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास।
   हिंदी रूप–रचना –
   लिंग, वचन, कारक–व्यवस्था, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप ।
   हिंदी वाक्य–रचना –
   पदक्रम और अन्विति।
4. **हिंदी के विविध रूप–**
   सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यम भाषा, संचार भाषा ।
   हिंदी की सांविधानिक स्थिति।
   कार्यालयीन हिंदी (राजभाषा) :
   प्रमुख प्रकार – प्रारूपण, टिप्पण, पत्र–लेखन, संक्षेपण, पल्लवन।
5. **देवनागरी लिपि :**
   व्युत्पत्ति, विशेषताएँ और मानकीकरण ।

——00——

अंक विभाजन : **कुल अंक 80**

03 आलोचनात्मक प्रश्न	–	3 × 20 = 60 (संपूर्ण पाठ्य विषय से)
03 लघूत्तरी प्रश्न	–	3 × 5 = 15 (संपूर्ण पाठ्य विषय से)
05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	5 × 1 = 05 (संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3. डॉ. बिहारी लाल साहू –
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5. डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6. डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7. श्री रामकुमार बंजारे –
8. श्री नवनीत जगतरामका –
9. श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा की संधि–संरचना : डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. हिंदी संज्ञा–संरचना और रूपिम : डॉ. प्रीति सोहनी
3. भारतीय आर्यभाषा ओर हिंदी : सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या
4. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास : डॉ. उदयनारायण तिवारी
5. भाषा एवं भाषाविज्ञान : महावीरसरन जैन
6. हिंदी भाषा : इतिहास एवं स्वरूप : डॉ. राजमणि शर्मा
7. हिंदी भाषा–संरचना के विविध आयाम : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
8. हिंदी भाषा का इतिहास : डॉ. भोलानाथ तिवारी
9. भाषा : इतिहास की भाषावैज्ञानिक भूमिका : जो. वांद्रियेज
10. भारतीय भाषाओं का भाषावैज्ञानिक अध्ययन: डॉ. ब्रजेश्वर शर्मा
11. भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा : द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
12. हिंदी शब्दानुशासन : पं. किशोरीदास बाजपेयी
13. अपभ्रंश के योग : नामवर सिंह
14. भाषा और प्रौद्योगिकी : डॉ. विनोद प्रसाद
15. भाषा और व्यवहार : ब्रजमोहन
16. हिंदी : विविध व्यवहारों की भाषा : सुवास कुमार
17. हिंदी की मानक वर्तनी : कैलाशचंद्र भाटिया
18. हिंदी भाषा : विकास और स्वरूप : कैलाशचंद्र भाटिया
19. भाषा चिंतन के नए आयाम : डॉ. रामकिशोर शर्मा
20. हिंदी व्याकरण मीमांसा : काशीराम शर्मा
21. वाक्य–संरचना और विश्लेषण : नए प्रतिमान: बदरीनाथ कपूर
22. हिंदी का वैश्विक परिदृश्य : डॉ. पंडित बन्ने

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,**
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास. बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. **डॉ. फूलदास महंत,**
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014–15) :

1. **श्री राजीव गुप्ता,** : सदस्य –
   धनुहारडेरा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018
एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–द्वितीय
अनिवार्य प्रश्नपत्र – चतुर्थ
आधुनिक गद्य साहित्य : हिंदी उपन्यास एवं कहानी Code - 908

प्रस्तावना :

आज गद्य साहित्य उपन्यास एवं कथा साहित्य जैसी विधाओं के साथ वामन से विराट हो गया है। हिंदी गद्य की विधाओं में आज उपन्यास और कहानी सर्वाधिक विकसित एवं लोकप्रिय हैं क्योंकि इसमें किसी क्षेत्र के विस्तृत या सीमित फलक पर घटित होने वाली ऐतिहासिक, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक घटनाओं तथा उनके परिप्रेक्ष्य में अनेक व्यक्ति–समूहों को चित्रित किया जाता है अतः इन विधाओं का अध्ययन अपेक्षित है। इन विधाओं के क्रमिक विकास के साथ कुछ कृतियों का अध्ययन भी अपेक्षित है।

इस प्रश्न पत्र में समादृत उपन्यासों/कहानियों से आंतरिक विकल्प युक्त तीन व्याख्यात्मक प्रश्न किये जायेंगे। उपन्यासों/कहानियों से आंतरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प युक्त लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जाएंगे। समूचे पाठ्य–विषय से विकल्प युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जा सकेंगे।

पाठ्य विषय :

उपन्यास :

1. गोदान : प्रेमचंद
2. पुनर्नवा : हजारीप्रसाद द्विवेदी

कहानी :

1. उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
2. आकाशदीप : जयशंकर प्रसाद
3. कफन : प्रेमचंद
4. वापसी : उषा प्रियंवदा

द्रुत पाठ :

उपन्यासकार : जैनेन्द्रकुमार, फणीश्वरनाथ रेणु , मन्नू भंडारी ।

कहानीकार : कमलेश्वर, कृष्णा सोबती, अमरकांत ।

——00——

अंक विभाजन : **कुल अंक 80**

03	व्याख्या	–	3 × 10 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित उपन्यास/कहानियों से)
02	आलोचनात्मक प्रश्न	–	2× 15 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित उपन्यास/कहानियों से)
03	लघूत्तरी प्रश्न	–	3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
05	वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	–	5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3. डॉ. बिहारी लाल साहू –
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5. डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6. डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7. श्री रामकुमार बंजारे –
8. श्री नवनीत जगतरामका –
9. श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रेमचंद : एक विवेचन	: डॉ. इंद्रनाथ मदान
2. प्रेमचंद का पुनर्मूल्यांकन	: शंभूनाथ
3. प्रेमचंद और उनका युग	: रामविलास शर्मा
4. प्रेमचंद	: संपादक – सत्येन्द्र
5. प्रेमचंद के उपन्यासों में व्यंग्यबोध	: उर्मिला सिन्हा
6. आद्यबिम्ब और गोदान	: कृष्णमुरारी मिश्र
7. आलोचनात्मक यथार्थवाद और प्रेमचंद	: सत्यकाम
8. पुनर्नवा और लोकजीवन	: सुरेन्द्रप्रताप यादव
9. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की साहित्य सर्जना	: विंध्यवासिनीनंदन पाण्डेय
10. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यास : संस्कृति और इतिहास	: डॉ. अरूण कुलकर्णी
11. हिंदी उपन्यास का विकास	: मधुरेश
12. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास	: इंद्रनाथ मदान

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर : **अनुमोदित**

विषय विशेषज्ञ : **हस्ताक्षर**

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,** –
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास. बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. **डॉ. फूलदास महंत,** –
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014–15) :

1. **श्री राजीव गुप्ता,** : सदस्य –
   धनुहारडेरा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018
एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–द्वितीय
परियोजना–कार्य code - 918

प्रस्तावना :

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को विभाग द्वारा आबंटित पाठ्यक्रमेतर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का मौलिक रूप से शोध आलेख प्रस्तुत करना होगा। शोधार्थी को शोध–निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र–कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की स्वच्छ/स्व–हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निर्धारित विषय :

1. दलित गद्य साहित्य
2. हिंदी गद्य साहित्य में नारी–विमर्श
3. साठोत्तरी हिंदी कथा साहित्य
4. छत्तीसगढ़ का गद्य साहित्य
5. हिंदी कथा साहित्य में उत्तरआधुनिकता
6. हिंदीतर भाषा–साहित्य का अध्ययन
7. पाठ्यक्रमेतर आधुनिक हिंदी आलोचना/समीक्षा
8. हिंदीतर प्रदेशों में हिंदी का प्रयोग
9. हिंदी भाषा–शिक्षण का व्यावहारिक प्रयोग
10. विदेशों में हिंदी की लोकप्रियता
11. अन्य विषय : संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक (विभागीय संस्तुति से)

——0——

अंक विभाजन : कुल अंक – 50
शोध आलेख: 30 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 10)
मौखिकी : 20 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 08)

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,** –
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास. बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. **डॉ. फूलदास महंत,** –
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018
एम.ए.हिंदी सेमेस्टर–प्रथम
अनिवार्य प्रश्नपत्र प्रथम

हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 700 ई. से 1857 ई. तक) code 901

प्रस्तावना :

किसी भी देश के जनमानस की मनोवृत्ति, दशा एवं संवेदना के विविध स्वरूपों का संचित रूप वहाँ के साहित्य में परिलक्षित होता है। सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक आदि विभिन्न परिस्थितियों के कारण चित्तवृत्तियों में परिवर्तन होता है, हिंदी क्षेत्र की परिस्थितियों से कमोबेश पूरा भारत प्रभावित होता रहा है, जिसकी गूँज हिंदी साहित्य में प्रतिध्वनित है। आठवीं–नवीं शताब्दी से लेकर आज तक के विकास परिदृश्य के साथ साहित्यिक सृजनशीलता के विविध रूपों, प्रवृत्तियों और भाषा–शैलियों का ज्ञान हिंदी साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही किया जा सकता है। अतः इसका अध्ययन सर्वथा सार्थक और समीचीन है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से प्रश्न किये जाएंगे ।

पाठ्य विषय : इतिहास–दर्शन एवं साहित्येतिहास।

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप।
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
3. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब।
4. हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।
5. हिंदी साहित्य के इतिहास–लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।
6. हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा–निर्धारण और नामकरण।
7. हिंदी साहित्य : आदिकाल की पृष्ठभूमि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।
8. पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन, विभिन्न काव्यधाराएँ तथा प्रमुख रचनाकारों का वैशिष्ट्य, भक्तिकालीन गद्य साहित्य।
9. भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य–ग्रंथ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्व।
10. उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल–सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रंथों की परम्परा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त), प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ, रीतिकालीन गद्यसाहित्य।
11. आदिकाल एवं रीतिकाल की महिला साहित्यकारों का वैशिष्ट्य।

——— 00 ———

अंक विभाजन : कुल अंक 80

3 आलोचनात्मक प्रश्न – 10× 3 = 60 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघूत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी – 3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न – 5× 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3 डॉ. बिहारी लाल साहू –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले – Usha
6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7 श्री रामकुमार बंजारे –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास	: आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास	: संपादक – डॉ. नगेन्द्र
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास	: डॉ. बच्चन सिंह
4. हिंदी साहित्य की भूमिका	: डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	: डॉ. रामकुमार वर्मा
6. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास	: डॉ. सुमन राजे
7. हिंदी साहित्य का इतिहास	: डॉ. चातक
8. भारतीय साहित्य	: संपादक – डॉ. नगेन्द्र
9. भारतीय साहित्य	: संपादक – डॉ. मूलचंद गौतम
10. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ	: के. सच्चिदानंद
11. भारतीय साहित्य : आशा और आस्था	: डॉ. आरसु
12. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ	: रामविलास शर्मा
13. हिंदी रीति साहित्य	: डॉ. भगीरथ मिश्र
14. हिंदी साहित्य के विकास की रूपरेखा	: रामअवध द्विवेदी
15. हिंदी साहित्य का आदिकाल	: हजारीप्रसाद द्विवेदी
16. साहित्य और इतिहास–दृष्टि	: मैनेजर पाण्डेय
17. हिंदी साहित्य का आदिकाल एवं बीसलदेव रास	: डॉ. मीनकेतन प्रधान
18. हिंदी साहित्य का इतिहास : पुनर्लेखन की समस्याएँ	: संपादक – श्याम कश्यप
19. इतिहास दर्शन और हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ	: योगेन्द्र प्रताप सिंह
20. आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका	: डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
21. साहित्येतिहास दृष्टि	: डॉ. कंचन यादव
22. भारतीय साहित्य	: डॉ. ब्रजकिशोरप्रसाद सिंह
23. साहित्येतिहासकारों की दृष्टि–मीमांसा	: डॉ. वेदप्रकाश

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,**
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. **डॉ. फूलदास महंत,**
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला– जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवानिवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक– हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता– हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता– हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य –
   प्रधान संपादक – इस्पात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2013–14) :

1. श्री राजीव गुप्ता : सदस्य –
   धनुवारडेरा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–18

एम.ए.हिंदी : सेमेस्टर प्रथम

अनिवार्य प्रश्नपत्र – द्वितीय

भक्ति काव्य Code 902

प्रस्तावना :

हिंदी के पूर्वमध्यकालीन काव्य या भक्तिकालीन काव्य का साहित्येतिहास में विशेष महत्व रहा है। भक्तिकाव्य लोक–जागरण और लोकमंगल का नवीन स्वर लेकर आया। इसने भारत की भावनात्मक एकता और सांस्कृतिक परम्परा को सुरक्षित रखा है।

इस प्रश्नपत्र में समादृत तीन काव्य–कृतियों से आंतरिक विकल्प युक्त व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प युक्त लघूत्तरी /टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. कबीर : संपादक – डॉ. कांति कुमार जैन (सम्पूर्ण)
2. तुलसीदास : रामचरित मानस (सुंदर काण्ड के प्रारम्भिक 50 दोहे और चौपाइयाँ)
3. सूरदास : भ्रमरगीत सार – संपादक – आचार्य रामचंद्र शुक्ल (51 से 100 तक)

द्रुत पाठ के कवि : विद्यापति, मीराबाई, दादूदयाल, रैदास, रहीम

00

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

3 व्याख्यात्मक प्रश्न –3 × 10 = 30 (इस प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनो कृतियों से)

2 आलोचनात्मक प्रश्न –2× 15 = 30 (इस प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)

3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन –3 × 5 = 15 (इस प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)

5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न–5 × 1 = 05 (इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

संदर्भ ग्रंथ :

1. सूरदास – हरवंशलाल शर्मा
2. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय
3. सूर साहित्य – हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. महाकवि सूरदास – नंददुलारे वाजपेयी
5. कबीर – संपादक : विजयेन्द्र स्नातक
6. कबीर तेरे रूप अनेक – संपादक : महावीर अग्रवाल
7. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
8. कबीर की कविता – डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह
9. कबीर मीमांसा – डॉ. रामचंद्र तिवारी
10. रामभक्ति में रसिक सम्प्रदाय – डॉ. भगवतीप्रसाद सिंह
11. तुलसी – संपादक : उदयभानु सिंह
12. तुलसी मंजरी – संपादक : विद्यानिवास मिश्र

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1 डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3 डॉ. बिहारी लाल साहू –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7 श्री रामकुमार बंजारे –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

13. वैष्णव भक्ति आंदोलन का अध्ययन	–डॉ. मलिक मुहम्मद
14. रामचरित मानस	– सुधाकर पाण्डेय
15. रामचरित मानस का तुलनात्मक अध्ययन	– डॉ. शिवकुमार शुक्ल
16. कबीर, सूर, तुलसी	– डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिह
17. विद्यापति के गीत	– बैजनाथ सिंह
18. भक्ति काव्य–यात्रा	– डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
19. रहस्यवाद	– राममूर्ति त्रिपाठी
20. संत साहित्य और लोकमंगल	– ओमप्रकाश त्रिपाठी
21. रामचरितमानस : पाठ, लीला, चित्र	– रमण सिन्हा
22. तुलसीदास	– नंदकिशोर नवल
23. अकथ कहानी प्रेम की	– पुरुषोत्तम अग्रवाल
24. रामचरित मानस	– रमण सिन्हा
25. रामचरित मानस में चरित्र–सृष्टि	– डॉ. योगश दुबे

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,**
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. **डॉ. फूलदास महंत,**
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवानिवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बैठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,**
   प्रधान संपादक– इस्पात टाइम्स,रायगढ़ : सदस्य –

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2013–14) :

1. श्री राजीव गुप्ता
   धनुवारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018

एम. ए. हिंदी–सेमेस्टर प्रथम

अनिवार्य प्रश्नपत्र – तृतीय

भाषा विज्ञान code 903

प्रस्तावना :

साहित्य आद्यांत एक भाषिक निर्मिति है। साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था का सुस्पष्ट एवं सर्वांगीण ज्ञान अपरिहार्य है। भाषा विज्ञान भाषा की वस्तुनिष्ठ अध्ययन प्रणाली के रूप में भाषिक ईकाइयों तथा भाषा –संरचना के विविध स्तरों पर उनके अंतरसंबंधों के विन्यास को आलोकित कर न केवल अध्येता को भाषिक अंतर्दृष्टि देता है अपितु भाषा –विषयक विवेचन के लिए एक निरूपक भाषा भी प्रदान करता है। भाषा के साहित्येतर प्रयोजन मूलक रूपों के अध्ययन में भी भाषावैज्ञानिक चिंतन का लाभ दृष्टिगोचर होता है। इस प्रश्न पत्र में समादृत सम्पूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प युक्त आलोचनात्मक/लघूत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरीय प्रश्न किये जायेंगे।

पाठ्य विषय :

1. भाषा और भाषाविज्ञान :
   (अ) भाषा – परिभाषा, उत्पत्ति के सिद्धांत, विशेषताएँ एवं प्रवृत्तियाँ।
   (ब) भाषा विज्ञान – भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं व्याप्ति।
   अध्ययन की दिशाएँ – वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रयोगात्मक, संरचनात्मक।
   (स)साहित्य और भाषा विज्ञान– साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता।
2. ध्वनि विज्ञान (स्वन–प्रक्रिया) –ध्वनि विज्ञान का स्वरूप, वाक् अवयव एवं उनके कार्य,
   ध्वनि का वर्गीकरण – स्थान, प्रयत्न, करण।
   ध्वनि के भेद – स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनो का वर्गीकरण।
   ध्वनि परिवर्तन (विकार) – ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ, ध्वनि परिवर्तन के कारण।
   स्वनिम सिद्धांत(ध्वनि ग्राम) – अवधारणा, ध्वनि ग्राम के भेद–खण्ड्य और खण्ड्येतर।
3. पद विज्ञान (रूप विज्ञान) – पद का स्वरूप और शाखाएं।
   रूप ग्राम (रूपिम)– रूपिम की अवधारणा।
   रूप ग्राम के भेद– 1. प्रयोग के आधार पर– मुक्त, बद्ध, मुक्त–बद्ध 2. रचना के आधार पर – संयुक्त, मिश्रित 3. अर्थतत्व प्रदर्शक एवं संबंधतत्व–प्रदर्शक
   4. खण्डीकरण –खण्डात्मक, अखण्डात्मक।
4. वाक्य विज्ञान : वाक्य विज्ञान का स्वरूप एवं लक्षण।
   वाक्य संबंधी सिद्धांत – स्फोटवाद, अंतिम वर्णवाद, वर्णसमूहवाद, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद।
   वाक्य के भेद– रचना, आकृति, अर्थ, क्रिया एवं शैली के आधार पर।
5. अर्थविज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता,
   अर्थ–परिवर्तन : – अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण ।

———00———

अंक विभाजन : कुल अंक 80

03 आलोचनात्मक प्रश्न –3 × 10 = 60 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

03 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन– 3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

05 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न– 5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –

2. डॉ. फूलदास महंत –

3डॉ. बिहारी लाल साहू

4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –

5 डॉ. उषा वैरागकर आठले –

6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –

7 श्री रामकुमार बंजारे –

8 श्री नवनीत जगतरामका –

9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान	: राजमल वोरा
2. हिंदी शब्दानुशासन	: पं. किशोरीदास बाजपेयी
3. भाषा विज्ञान	: भोलानाथ तिवारी
4. भारतीय भाषाओं का भाषावैज्ञानिक अध्ययन	: डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा
5. भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन	: रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
6. भाषाविज्ञान की भूमिका	: देवेन्द्रनाथ शर्मा
7. भाषा एवं भाषा विज्ञान	: महावीर सरन जैन
8. आधुनिक भाषा विज्ञान	: डॉ. राजमणी शर्मा
9. भाषा विज्ञान की रूपरेखा	: डॉ. रविदत्त कौशिक
10. भारतीय भाषा विज्ञान	: पं. किशोरीदास बाजपेयी
11. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत	:डॉ. रामकिशोर शर्मा

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवानिवृत्त प्राचार्य, 17 किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,
   प्रधान संपादक– इस्पात टाइम्स,रायगढ़ : सदस्य –

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2013–14) :

1. श्री राजीव गुप्ता
   धनुवारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–18
एम.ए.हिंदी :सेमेस्टर प्रथम
अनिवार्य प्रश्नपत्र चतुर्थ
आधुनिक गद्य साहित्य : हिंदी नाटक एवं निबंध code 904

प्रस्तावना :

नाटक साहित्य की महत्वपूर्ण विधा है। यह श्रव्य एवं दृश्य दोनों रूपों को समेटे हुए है। नाटक प्रत्यक्ष कल्पना एवं अध्यवसाय का विषय बन सत्य तथा कल्पना से समन्वित विलक्षण रूप धारण करके द्रष्टा एवं पाठक दोनों को मनोरंजन के साथ–साथ समाज–निर्माण एवं परिवर्तन की चेतना प्रदान करते हुए अपने साध्य में दृश्य होने के कारण सीधे रंगमंच से जुड़ा हुआ है, जिसे विविध काव्य के अतिरिक्त ललित कलाएँ तथा कलाकार मिलकर आकार देते हैं। इसीतरह निबंध गद्य का प्रौढ़ तथा शक्तिशाली प्रतिरूप है, जो किसी भी निबंधकार की वैयक्तिक एवं स्वातंत्र्य–चेतना का विश्वसनीय प्रतिनिधि है।

इसे प्रश्न पत्र में समादृत दोंनों नाटकों/निबंधों से आंतरिक विकल्प युक्त तीन व्याख्यात्मक प्रश्न किये जायेंगे। दोंनो नाटकों/निबंधों से आंतरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे । द्रुत पाठ से विकल्प युक्त लघूत्तरी /टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जाएंगे। समूचे पाठ्य–विषय से विकल्प युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जा सकेंगे।

पाठ्य विषय :

नाटक :
1. जयशंकर प्रसाद : चंद्रगुप्त
2. मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन

निबंध :
1. रामचंद्र शुक्ल : कविता क्या है?
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी : शिरीष के फूल
3. नंददुलारे वाजपेयी : निराला
4. हरिशंकर परसाई : विकलांग श्रद्धा का दौर

द्रुत पाठ के नाटककार :

भारतेन्दु हरिश्चंद्र, धर्मवीर भारती, विष्णु प्रभाकर।

द्रुत पाठ के निबंधकार :

आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी, लोचनप्रसाद पाण्डेय, कुबेरनाथ राय

——— 00 ———

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

3 व्याख्यात्मक प्रश्न –3 × 10 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित दोनों नाटकों एवं निबंधों से)
2 आलोचनात्मक प्रश्न –2× 15 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित दोनों नाटकों एवं निबंधों से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन–3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
5 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न–5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3डॉ. बिहारी लाल साहू –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6 डॉ. वेठियार सिंह साहू –
7 श्री रामकुमार बंजोर –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी निबंध की विभिन्न शैलियाँ : डॉ. मोहन अवस्थी
2. लोचनप्रसाद पाण्डेय के निबंध : देवीप्रसाद वर्मा
3. पं. लोचनप्रसाद पाण्डेय चयनिका : ईश्वरशरण पाण्डेय
4. साहित्य वाचस्पति लोचनप्रसाद पाण्डेय : शिखा बेहरा
5. हिंदी निबंधकार : जयनाथ नलिन
6. प्रसाद के नाटकों में नियतिवाद : पद्माकर भार्मा
7. हिंदी नाटकों का रूपविधान और वस्तु–विकास : डॉ. चंदूलाल दुबे
8. प्रसाद : भारतीयता के प्रतिमान : सत्यपाल चुंग
9. हिंदी नाटकों का विकासात्मक अध्ययन : डॉ. शांतिगोपाल पुरोहित
10. हिंदी के ऐतिहासिक नाटकों में इतिहास–तत्व : डॉ. धनंजय
11. मोहन राकेश की रंगसृष्टि : जगदीश शर्मा
12. मोहन राकेश : साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि : संकलित
13. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी
14. हिंदी नाटक : कल और आज : केदार सिंह
15. मोहन राकेश के साहित्य में सामाजिक चित्रण : अर्जुन के. तड़वी
16. कुबेरनाथ राय : डॉ. सुरेश माहेश्वरी
17. निबंधालोक : विद्यानिवास मिश्र : डॉ. दिलीप देशमुख
18. हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन : डॉ. बाबूराम
19. व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई : डॉ. भरत पटेल
20. हिंदी नाटक : डॉ. बच्चन सिंह
21. हिंदी व्यंग्यकर्म एवं समकालीन परिदृश्य : संपादक – डॉ. विनय कुमार पाठक
22. नाटककार जयशंकर प्रसाद : संपादक – सत्येन्द्रकुमार तनेजा
23. मोहन राकेश के नाटकों में नारी : डॉ. प्रतिमा येरेकर

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,**
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. **डॉ. फूलदास महंत,**
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला – जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवानिवृत्त प्राचार्य, 17 किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य
   प्रधान संपादक– इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2013–14) :

1. श्री राजीव गुप्ता : सदस्य
   धनुवारडेरा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018
एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर प्रथम
परियोजना–कार्य Code 917

प्रस्तावना :–

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को विभाग द्वारा आवंटित पाठ्यक्रमेतर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का मौलिक रूप से शोध आलेख प्रस्तुत करना होगा। शोधार्थी को शोध–निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र–कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की स्वच्छ/स्व–हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निर्धारित विषय

1.मुक्तिबोध का गद्य साहित्य
2.शरद जोशी का व्यंग्य साहित्य
3.महादेवी वर्मा का गद्य साहित्य
4.लोचनप्रसाद पाण्डेय का गद्य साहित्य
5.माधवराव सप्रे का गद्यसाहित्य
6.हबीब तनवीर के नाटक
7.छत्तीसगढ़ी भाषा–साहित्य के विविध व्याकरणिक रूपों का विवेचन
8.किसी एक पाठ्यक्रमेतर नाटक का तात्विक अथवा रंगमंचीय विवेचन
9.पाठ्यक्रमेतर निबंधों का विवेचन
10.जीवनी/चरितात्मक कृति का अध्ययन
11.अन्य विषय : संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक (विभागीय संस्तुति से)

—0—

अंक विभाजन : कुल अंक – 50
शोध आलेखः 30 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 10)
मौखिकी : 20 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 08)

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर : अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला – जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
सेवानिवृत्त प्राचार्य, 17 किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
प्रधान संपादक– इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2013–14) :
श्री राजीव गुप्ता, धनुवारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2018–2019 एवं 2019–2020

एम. ए. हिंदी

सेमेस्टर द्वितीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र प्रथम

हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 1857 से आज तक) code 905

प्रस्तावना : सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के साथ समूचे भारतीय समाज में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवर्तन होने लगे थे। इसका प्रभाव हिंदी भाषा और साहित्य पर भी दृष्टिगोचर होता है। एक ओर विभिन्न बोलियों का स्थान खड़ी बोली हिंदी ले रही थी, वहीं दूसरी ओर साहित्य के विषयों में भी स्वाधीनता आंदोलन एवं स्वतंत्रता के स्वर मिलने लगे। स्वतंत्रता के पहले और बाद अनेक प्रकार की विचारधाराएँ और भौलियाँ विकसित हुई, जिनके विकास का क्रमबद्ध अध्ययन इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य है।

पाठ्य विषय :

1. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राजक्रांति और पुनर्जागरण।
2. भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
3. द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
4. छायावादी युग : हिंदी स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम विकास : छायावादी काव्य –प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
5. उत्तर छायावाद : विविध प्रवृत्तियाँ : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता, उत्तरआधुनिकतावादी कविता, नारी विमर्श, दलित विमर्श,विकलांग विमर्श : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
6. हिंदी गद्य की प्रमुख विधाओं (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, हिन्दी आलोचना,रिपोर्ताज़) का विकास।
7. उर्दू साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।
8. उड़िया साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।

अंक विभाजन : कुल अंक 80

3 आलोचनात्मक प्रश्न	3×20 = 60 (इस प्रश्न पत्र केसंपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघूत्तरीय प्रश्न	3 ×5 = 15 (इस प्रश्न पत्र केसंपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	5 ×1 = 05 (इस प्रश्न पत्र केसंपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. राजेश दुबे –
2. डॉ. चित्तरंजन कर
3डॉ. विनय कुमार पाठक –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान
5 डॉ.(श्रीमती)रवीन्द्र चौबे –
6 सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे –
7 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह
2. दूसरी परम्परा की खोज : नामवर सिंह

3. छायावाद एवं अन्य निबंध	: संपादक – सतीश चतुर्वेदी
4. आधुनिक हिंदी साहित्य की भूमिका	: लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
5. आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकाल	: श्रीनारायण चतुर्वेदी
6. आधुनिक हिंदी गद्य और गद्यकार	: डॉ. जेकब पी. जॉर्ज
7. छायावादोत्तर हिंदी काव्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि	: डॉ. कमलाप्रसाद
8. उत्तरआधुनिक साहित्यिक विमर्श	: सुधीश पचौरी
9. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	: प्रो. सैयद ऐहतेशाम हुसैन
10. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास	: डॉ. बापूराव देसाई
11. प्रगतिवादी काव्य में राजनीतिक एवं सामाजिक चेतना	: डॉ. विद्या प्रधान
12. देरिदां : विखंडन की सैद्धांतिकी	: सुधीश पचौरी
13. हिंदी आलोचना का विकास	: नंदकिशोर नवल
14. हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत	: योगेन्द्र प्रताप सिंह
15. ओडिया साहित्य का इतिहास	: डॉ. पूर्णिमा केडिया
16. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र	: ओमप्रकाश वाल्मीकि
17. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास	: डॉ. बच्चन सिंह
18. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ	: नामवर सिंह
19. हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी	: आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
20. आधुनिक साहित्य और प्रयोगवाद	: डॉ. भास्कर भैया
21. स्त्रीत्ववादी विमर्श : समाज और साहित्य	: क्षमा शर्मा
22. स्त्री विमर्श : साहित्यिक और व्यावहारिक संदर्भ	: डॉ. करूणा उमरे
23. दलित साहित्य : प्रकृति और संदर्भ	: डॉ. संजय नवले
24. दलित साहित्य : विविध आयाम	: डॉ. सुनीता साखरे
25. नारी विमर्श की नई दिशाएँ	: डॉ. रेणुका मोरे
26. विकलांग विमर्श	: डॉ. विनय कुमार पाठक
27. विकलांग विमर्श का वैश्विक परिदृश्य	: डॉ. सुरेश माहेश्वरी

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. राजेश दुबे,**
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.) –

2. **डॉ. चित्तरंजन कर,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. विनय कुमार पाठक,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर –

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य – 21/8/18
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2018–2019 एवं 2019–2020
एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–द्वितीय
अनिवार्य प्रश्नपत्र द्वितीय
प्रेमाख्यानक काव्य और रीतिकाव्य Code 906

प्रस्तावना : पूर्वमध्यकाल में सूफी काव्य की एक सशक्त धारा दिखाई देती है, जिसमें हिंदू और इस्लामी संस्कृति का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। उत्तरमध्यकालीन काव्य (रीतिकाव्य) अपनी कलात्मक अभिव्यंजना में बेजोड़ है। इनका अध्ययन समाज, संस्कृति और युग की धड़कनों को समग्रता में समझने के लिए अनिवार्य है। आलोचनात्मक प्रश्न प्रमुख तीन कवियों पर तथा लघूत्तरी प्रश्न द्रुत पाठ पर केन्द्रित किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1.जायसी :संक्षिप्त पद्मावत,संपादक–श्यामसुंदर दास(नागमती वियोग खंड एवं पद्मावती खंड)
आलोचना–व्यक्तित्व–कृतित्व,पद्मावत में प्रेमभाव,सौंदर्य वर्णन,विरह वर्णन,रहस्यभावना एवं दर्शन,प्रकृति चित्रण,काव्यकला, भाषा, अलंकार योजना।

2. घनानंद : घनानंद चयनिका, संपादक – डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा (प्रारम्भिक 25 छंद)
आलोचना– व्यक्तित्व–कृतित्व, विरह वर्णन, प्रेम वर्णन, काव्यकला।

3. बिहारी : बिहारी सार्द्धशती, संपादक – ओमप्रकाश (प्रारम्भिक 100 दोहे)
आलोचना–व्यक्तित्व–कृतित्व,संयोग–वियोग निरुपण,सौंदर्य चित्रण, बहुज्ञता, काव्य सौंदर्य,भाषा शैली, काव्य कला, अलंकार योजना।

द्रुत पाठ के कवि : केशव, देव, भूषण, सेनापति, पद्माकर
(द्रुत पाठ से वैकल्पिक लघूत्तरी प्रश्नों में से कोई तीन उत्तर लिखने होंगे)

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

03 व्याख्या –3 × 10 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)
02 आलोचनात्मक प्रश्न –2× 15 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)
03 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन –3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न/अतिलघूत्तरी प्रश्न–5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. राजेश दुबे –
2. डॉ. चित्तरंजन कर
3डॉ. विनय कुमार पाठक –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान
5 डॉ.(श्रीमती)रवीन्द्र चौबे –
6 सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे
7 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. घनानंद : काव्य और आलोचना : डॉ. किशोरीलाल
2. घनानंद का काव्य : डॉ. रामदेव शुक्ल
3. बिहारी भाष्य : डॉ. देशराजसिंह भाटी
4. बिहारी की काव्य–साधना : डॉ. देशराजसिंह भाटी
5. बिहारी : डॉ. राजकिशोर सिंह
6. बिहारी : आलोचनात्मक अध्ययन : डॉ. राजकिशोर सिंह
7. बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ. बच्चन सिंह

8. सूफी मत : डॉ. कन्हैया सिंह
9. पद्मावत का अनुशीलन : इंद्रचंद्र नारंग
10. जायसी : एक नई दृष्टि : डॉ. रघुवंश
11. रीतिकालीन कविता में भक्तितत्व : डॉ. उषा पुरी
12. हिंदी रीति साहित्य : डॉ. भगीरथ मिश्र
13. रीतिकालीन कवियों की प्रेम–व्यंजना : डॉ. बच्चन सिंह
14. रीतिकाव्य की इतिहास–दृष्टि : सुधीन्द्र कुमार
15. केशवदास : विजयपाल सिंह
16. केशव–काव्यसुधा : कृष्णदेव शर्मा
17. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी
18. हिंदी साहित्य का मध्यकाल : डॉ. ईश्वरदत्त शील
19. रीतिबद्ध काव्य में तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था का स्वरूप : डॉ. तारा श्रीवास्तव
20. बोधा के काव्य में जीवन–मूल्य : डॉ. वेदप्रकाश
21. रीतिमुक्त कवि ठाकुर और उनका काव्य : डॉ. जगदेवकुमार शर्मा
22. कवि आलम और उनकी आलमकेलि : डॉ. वेदप्रकाश
23. मध्ययुगीन रहस्यवादी प्रवृत्तियों के मूल स्रोत : डॉ. आनंदमोहन उपाध्याय
24. मध्यकालीन हिंदी काव्य : संपादक – डॉ. दिलीप मेहरा
25. भूषण का प्रशस्तिकाव्य : डॉ. रमा नवले

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. राजेश दुबे,**
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. **डॉ. चित्तरंजन कर,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. विनय कुमार पाठक,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,**
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

प्रस्तावित सत्र 2018–2019 एवं 2019–2020

एम. ए. हिंदी

सेमेस्टर–द्वितीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र तृतीय : हिंदी भाषा code 907

प्रस्तावना : भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकासक्रम, भौगोलिक विस्तार, भाषिक स्वरूप, विविधरूपता तथा हिंदी में कम्प्यूटर–सुविधाओं विषयक जानकारी एवं देवनागरी के वैशिष्ट्य, विकास और मानकीकरण का विवरण हिंदी के अध्येता के लिए अत्यंत उपयोगी है। हिंदी भाषा के विकास के आधुनिक चरण में कामकाजी हिंदी महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से आलोचनात्मक/लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ प्रश्न/अति लघूत्तरी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. **हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :**
   प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ– वैदिक तथा लौकिक संस्कृत – उनकी विशेषताएँ।
   मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ – पालि, प्राकृत – शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ।
   आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ– वर्गीकरण।
2. **हिंदी का भौगोलिक विस्तार :**
   हिंदी की उपभाषाएँ –
   पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।
3. **हिंदी का भाषिक स्वरूपः**
   हिंदी शब्द–रचना– उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास।
   हिंदी रूप–रचना– लिंग, वचन, कारक–व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप।
   हिंदी वाक्य–रचना– पदक्रम और अन्विति।
4. **हिंदी के विविध रूप**– सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यम भाषा, संचार भाषा, हिंदी की सांविधानिक स्थिति।
   कार्यालयीन हिंदी (राजभाषा) : प्रमुख प्रकार – प्रारूपण, टिप्पण, पत्र–लेखन, संक्षेपण, पल्लवन।
5. **देवनागरी लिपि** : व्युत्पत्ति, विशेषताएँ और मानकीकरण।

अंक विभाजन : **कुल अंक 80**

03 आलोचनात्मक प्रश्न	3 × 20 = 60 (संपूर्ण पाठ्य विषय से)
03 लघूत्तरी प्रश्न	3 × 5 = 15 (संपूर्ण पाठ्य विषय से)
05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5 × 1 = 05 (संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1.डॉ. राजेश दुबे –
2. डॉ. चित्तरंजन कर –
3डॉ. विनय कुमार पाठक –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ.(श्रीमती)रवीन्द्र चौबे –
6 सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे –
7 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा की संधि–संरचना	: डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. हिंदी संज्ञा–संरचना और रूपिम	: डॉ. प्रीति सोहनी
3. भारतीय आर्यभाषा और हिंदी	: सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या
4. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास	: डॉ. उदयनारायण तिवारी
5. भाषा एवं भाषाविज्ञान	: महावीरसरन जैन
6. हिंदी भाषा : इतिहास एवं स्वरूप	: डॉ. राजमणि शर्मा
7. हिंदी भाषा–संरचना के विविध आयाम	: रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
8. हिंदी भाषा का इतिहास	: डॉ. भोलानाथ तिवारी
9. भाषा : इतिहास की भाषावैज्ञानिक भूमिका	: जो. वांद्रियेज
10. भारतीय भाषाओं का भाषावैज्ञानिक अध्ययन	: डॉ. ब्रजेश्वर शर्मा
11. भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा	: द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
12. हिंदी शब्दानुशासन	: पं. किशोरीदास बाजपेयी
13. अपभ्रंश के योग	: नामवर सिंह
14. भाषा और प्रौद्योगिकी	: डॉ. विनोद प्रसाद
15. भाषा और व्यवहार	: ब्रजमोहन
16. हिंदी : विविध व्यवहारों की भाषा	: सुवास कुमार
17. हिंदी की मानक वर्तनी	: कैलाशचंद्र भाटिया
18. हिंदी भाषा : विकास और स्वरूप	: कैलाशचंद्र भाटिया
19. भाषा चिंतन के नए आयाम	: डॉ. रामकिशोर शर्मा
20. हिंदी व्याकरण मीमांसा	: काशीराम शर्मा
21. वाक्य–संरचना और विश्लेषण : नए प्रतिमान	: बदरीनाथ कपूर
22. हिंदी का वैश्विक परिदृश्य	: डॉ. पंडित बन्ने

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. राजेश दुबे,**
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. **डॉ. चित्तरंजन कर,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. विनय कुमार पाठक,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,**
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

प्रस्तावित सत्र 2018–2019 एवं 2019–2020

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–द्वितीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र चतुर्थ

आधुनिक गद्य साहित्य : हिंदी उपन्यास एवं कहानी code 908

प्रस्तावना : आज गद्य साहित्य उपन्यास एवं कथा साहित्य जैसी विधाओं के साथ वामन से विराट हो गया है। हिंदी गद्य की विधाओं में आज उपन्यास और कहानी सर्वाधिक विकसित एवं लोकप्रिय हैं क्योंकि इसमें किसी क्षेत्र के विस्तृत या सीमित फलक पर घटित होने वाली ऐतिहासिक, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक घटनाओं तथा उनके परिप्रेक्ष्य में अनेक व्यक्ति–समूहों को चित्रित किया जाता है अतः इन विधाओं का अध्ययन अपेक्षित है। इन विधाओं के क्रमिक विकास के साथ कुछ कृतियों का अध्ययन भी अपेक्षित है। प्रत्येक उपन्याससे एक–एक एवं कहानियों से एक व्याख्या/आलोचनात्मक प्रश्न किया जाएगा। द्रुत पाठ से वैकल्पिक लघूत्तरी प्रश्नों में से कोई तीन उत्तर लिखने होंगे। वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न समूचे पाठ्य–विषय से किये जा सकेंगे। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प होंगे।

पाठ्य विषय :

उपन्यास :
1. गोदान : प्रेमचंद
2. बाणभट्ट की आत्मकथा ; हजारीप्रसाद द्विवेदी

कहानी :
1. उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
2. आकाशदीप : जयशंकर प्रसाद
3. कफन : प्रेमचंद
4. परिंदे : निर्मल वर्मा
5. वापसी : उषा प्रियंवदा

द्रुत पाठ :

उपन्यासकार : जैनेन्द्रकुमार, फणीश्वरनाथ रेणु,मन्नू भंडारी।

कहानीकार : कमलेश्वर, कृष्णा सोबती, अमरकांत।

(द्रुत पाठ से वैकल्पिक लघूत्तरी प्रश्नों में से कोई तीन उत्तर लिखने होंगे)

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

03 व्याख्या – 3 × 10 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित उपन्यास/कहानियों से)

02 आलोचनात्मक प्रश्न– 2× 15 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित उपन्यास/कहानियों से)

03 लघूत्तरी प्रश्न – 3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)

05वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न–5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1.डॉ. राजेश दुबे

2. डॉ. चित्तरंजन कर

3डॉ. विनय कुमार पाठक

4 डॉ. मीनकेतन प्रधान

5 डॉ.(श्रीमती)रवीन्द्र चौबे –

6 सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे 21/8/18

7 डॉ. बेठियार सिंह साहू –

8 श्री नवनीत जगतरामका –

9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रेमचंद : एक विवेचन	: डॉ. इंद्रनाथ मदान
2. प्रेमचंद का पुनर्मूल्यांकन	: शंभूनाथ
3. प्रेमचंद और उनका युग	: रामविलास शर्मा
4. प्रेमचंद	: संपादक – सत्येन्द्र
5. प्रेमचंद के उपन्यासों में व्यंग्यबोध	: उर्मिला सिन्हा
6. आद्यबिम्ब और गोदान	: कृष्णमुरारी मिश्र
7. आलोचनात्मक यथार्थवाद और प्रेमचंद	: सत्यकाम
8. बाणभट्ट की आत्मकथा	: हजारी प्रसाद द्विवेदी
9. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की साहित्य सर्जना	: विंध्यवासिनीनंदन पाण्डेय
10. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यास : संस्कृति और इतिहास	: डॉ. अरूण कुलकर्णी
11. हिंदी उपन्यास का विकास	: मधुरेश
12. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास	: इंद्रनाथ मदान

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. राजेश दुबे,**
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. **डॉ. चित्तरंजन कर,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. विनय कुमार पाठक,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी	: अध्यक्ष	–
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी	: सदस्य	–
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी	: सदस्य	–
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी	: सदस्य	–

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2018–2019 एवं 2019–2020
एम. ए. हिंदी:सेमेस्टर–द्वितीय
परियोजना–कार्य code 918

प्रस्तावना :

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को पाठ्यक्रमेतर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का शोध आलेख तैयार करना होगा। शोधार्थी को शोध–निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र–कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की स्वच्छ हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निर्धारित विषय :

1.दलित गद्य साहित्य
2 हिंदी गद्य साहित्य में नारी–विमर्श
3. साठोत्तरी हिंदी कथा साहित्य 4.छत्तीसगढ़ का गद्य साहित्य
5.हिंदी कथा साहित्य में उत्तरआधुनिकता
6.हिंदीतर भाषा–साहित्य का अध्ययन
7.पाठ्यक्रमेतर आधुनिक हिंदी आलोचना/समीक्षा/हिन्दीत्तर प्रदेश का हिन्दी गद्य साहित्य
8.हिंदीतर प्रदेशों में हिंदी का प्रयोग
9हिंदी भाषा–शिक्षण का व्यावहारिक प्रयोग
10विदेशों में हिंदी की लोकप्रियता
11.हिंदीतर क्षेत्रों तथा देशांतर में हिंदी भाषा और साहित्य।
12.विकलांग विमर्श
13. अन्य विषय : संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक (विभागीय संस्तुति से)

अंक विभाजन : कुल अंक : 50,शोध आलेख : 30 अंक, मौखिकी : 20 अंक

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे,
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. डॉ. चितरंजन कर,
   पूर्व बिभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018
एम.ए.हिंदी सेमेस्टर–प्रथम
अनिवार्य प्रश्नपत्र प्रथम
हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 700 ई. से 1857 ई. तक) 901-code

प्रस्तावना :

किसी भी देश के जनमानस की मनोवृत्ति, दशा एवं संवेदना के विविध स्वरूपों का संचित रूप वहाँ के साहित्य में परिलक्षित होता है। सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक आदि विभिन्न परिस्थितियों के कारण चित्तवृत्तियों में परिवर्तन होता है, हिंदी क्षेत्र की परिस्थितियों से कमोबेश पूरा भारत प्रभावित होता रहा है, जिसकी गूँज हिंदी साहित्य में प्रतिध्वनित है। आठवीं–नवीं शताब्दी से लेकर आज तक के विकास परिदृश्य के साथ साहित्यिक सृजनशीलता के विविध रूपों, प्रवृत्तियों और भाषा–शैलियों का ज्ञान हिंदी साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही किया जा सकता है। अतः इसका अध्ययन सर्वथा सार्थक और समीचीन है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से प्रश्न किये जाएंगे ।

पाठ्य विषय : इतिहास–दर्शन एवं साहित्येतिहास।

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप।
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
3. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब।
4. हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।
5. हिंदी साहित्य के इतिहास–लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।
6. हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा–निर्धारण और नामकरण।
7. हिंदी साहित्य : आदिकाल की पृष्ठभूमि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।
8. पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन, विभिन्न काव्यधाराएँ तथा प्रमुख रचनाकारों का वैशिष्ट्य, भक्तिकालीन गद्य साहित्य।
9. भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य–ग्रंथ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्व।
10. उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल–सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रंथों की परम्परा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त), प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ, रीतिकालीन गद्यसाहित्य।
11. आदिकाल एवं रीतिकाल की महिला साहित्यकारों का वैशिष्ट्य।

——— 00 ———

अंक विभाजन : **कुल अंक 80**

3 आलोचनात्मक प्रश्न – 10× 3 = 60 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

3 लघूत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी – 3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न – 5× 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3 डॉ. बिहारी लाल साहू –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले – Usha
6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7 श्री रामकुमार बंजारे –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास	: आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास	: संपादक – डॉ. नगेन्द्र
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास	: डॉ. बच्चन सिंह
4. हिंदी साहित्य की भूमिका	: डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	: डॉ. रामकुमार वर्मा
6. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास	: डॉ. सुमन राजे
7. हिंदी साहित्य का इतिहास	: डॉ. चातक
8. भारतीय साहित्य	: संपादक – डॉ. नगेन्द्र
9. भारतीय साहित्य	: संपादक – डॉ. मूलचंद गौतम
10. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ	: के. सच्चिदानंद
11. भारतीय साहित्य : आशा और आस्था	: डॉ. आरसु
12. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ	: रामविलास शर्मा
13. हिंदी रीति साहित्य	: डॉ. भगीरथ मिश्र
14. हिंदी साहित्य के विकास की रूपरेखा	: रामअवध द्विवेदी
15. हिंदी साहित्य का आदिकाल	: हजारीप्रसाद द्विवेदी
16. साहित्य और इतिहास–दृष्टि	: मैनेजर पाण्डेय
17. हिंदी साहित्य का आदिकाल एवं बीसलदेव रास	: डॉ. मीनकेतन प्रधान
18. हिंदी साहित्य का इतिहास : पुनर्लेखन की समस्याएँ	: संपादक – श्याम कश्यप
19. इतिहास दर्शन और हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ	: योगेन्द्र प्रताप सिंह
20. आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका	: डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
21. साहित्येतिहास दृष्टि	: डॉ. कंचन यादव
22. भारतीय साहित्य	: डॉ. ब्रजकिशोरप्रसाद सिंह
23. साहित्येतिहासकारों की दृष्टि–मीमांसा	: डॉ. वेदप्रकाश

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,**
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. **डॉ. फूलदास महंत,**
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला– जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवानिवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक– हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता– हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता– हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य –
   प्रधान संपादक – इस्पात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2013–14) :

1. **श्री राजीव गुप्ता** : सदस्य –
   धनुवारडेरा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–18
एम.ए.हिंदी : सेमेस्टर प्रथम
अनिवार्य प्रश्नपत्र – द्वितीय
भक्ति काव्य Code 902

प्रस्तावना :

हिंदी के पूर्वमध्यकालीन काव्य या भक्तिकालीन काव्य का साहित्येतिहास में विशेष महत्व रहा है। भक्तिकाव्य लोक–जागरण और लोकमंगल का नवीन स्वर लेकर आया। इसने भारत की भावनात्मक एकता और सांस्कृतिक परम्परा को सुरक्षित रखा है।

इस प्रश्नपत्र में समादृत तीन काव्य–कृतियों से आंतरिक विकल्प युक्त व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प युक्त लघूत्तरी /टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. कबीर : संपादक – डॉ. कांति कुमार जैन (सम्पूर्ण)
2. तुलसीदास : रामचरित मानस (सुंदर काण्ड के प्रारम्भिक 50 दोहे और चौपाइयाँ)
3. सूरदास : भ्रमरगीत सार – संपादक – आचार्य रामचंद्र शुक्ल (51 से 100 तक)

द्रुत पाठ के कवि : विद्यापति, मीराबाई, दादूदयाल, रैदास, रहीम

———— 00 ————

अंक विभाजन : **कुल अंक 80**

3 व्याख्यात्मक प्रश्न	–3 × 10 = 30 (इस प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनो कृतियों से)
2 आलोचनात्मक प्रश्न	–2× 15 = 30 (इस प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन	–3 × 5 = 15 (इस प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	–5 × 1 = 05 (इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

संदर्भ ग्रंथ :

1. सूरदास – हरवंशलाल शर्मा
2. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय
3. सूर साहित्य – हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. महाकवि सूरदास – नंददुलारे वाजपेयी
5. कबीर – संपादक : विजयेन्द्र स्नातक
6. कबीर तेरे रूप अनेक – संपादक : महावीर अग्रवाल
7. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
8. कबीर की कविता – डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह
9. कबीर मीमांसा – डॉ. रामचंद्र तिवारी
10. रामभक्ति में रसिक सम्प्रदाय – डॉ. भगवतीप्रसाद सिंह
11. तुलसी – संपादक : उदयभानु सिंह
12. तुलसी मंजरी – संपादक : विद्यानिवास मिश्र

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3. डॉ. बिहारी लाल साहू –
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5. डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6. डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7. श्री रामकुमार बंजारे –
8. श्री नवनीत जगतरामका –
9. श्री राजीव गुप्ता –

13. वैष्णव भक्ति आंदोलन का अध्ययन	–डॉ. मलिक मुहम्मद
14. रामचरित मानस	– सुधाकर पाण्डेय
15. रामचरित मानस का तुलनात्मक अध्ययन	– डॉ. शिवकुमार शुक्ल
16. कबीर, सूर, तुलसी	– डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह
17. विद्यापति के गीत	– बैजनाथ सिंह
18. भक्ति काव्य–यात्रा	– डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
19. रहस्यवाद	– राममूर्ति त्रिपाठी
20. संत साहित्य और लोकमंगल	– ओमप्रकाश त्रिपाठी
21. रामचरितमानस : पाठ, लीला, चित्र	– रमण सिन्हा
22. तुलसीदास	– नंदकिशोर नवल
23. अकथ कहानी प्रेम की	– पुरुषोत्तम अग्रवाल
24. रामचरित मानस	– रमण सिन्हा
25. रामचरित मानस में चरित्र–सृष्टि	– डॉ. योगश दुबे

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,**
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. **डॉ. फूलदास महंत,**
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवानिवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य –
   प्रधान संपादक– इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2013–14) :

1. **श्री राजीव गुप्ता** : सदस्य –
   धनुवारडेरा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018
एम. ए. हिंदी–सेमेस्टर प्रथम
अनिवार्य प्रश्नपत्र – तृतीय
भाषा विज्ञान Code - 903

प्रस्तावना :

साहित्य आद्यांत एक भाषिक निर्मिति है। साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था का सुस्पष्ट एवं सर्वांगीण ज्ञान अपरिहार्य है। भाषा विज्ञान भाषा की वस्तुनिष्ठ अध्ययन प्रणाली के रूप में भाषिक ईकाइयों तथा भाषा –संरचना के विविध स्तरों पर उनके अंतरसंबंधों के विन्यास को आलोकित कर न केवल अध्येता को भाषिक अंतर्दृष्टि देता है अपितु भाषा –विषयक विवेचन के लिए एक निरूपक भाषा भी प्रदान करता है। भाषा के साहित्येतर प्रयोजन मूलक रूपों के अध्ययन में भी भाषावैज्ञानिक चिंतन का लाभ दृष्टिगोचर होता है। इस प्रश्न पत्र में समादृत सम्पूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प युक्त आलोचनात्मक/लघूत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरीय प्रश्न किये जायेंगे।

पाठ्य विषय :

1. **भाषा और भाषाविज्ञान :**
   (अ) भाषा – परिभाषा, उत्पत्ति के सिद्धांत, विशेषताएँ एवं प्रवृत्तियाँ।
   (ब) भाषा विज्ञान – भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं व्याप्ति।
   अध्ययन की दिशाएँ – वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रयोगात्मक, संरचनात्मक।
   (स)साहित्य और भाषा विज्ञान– साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता।
2. **ध्वनि विज्ञान (स्वन–प्रक्रिया)** –ध्वनि विज्ञान का स्वरूप, वाक् अवयव एवं उनके कार्य,
   ध्वनि का वर्गीकरण – स्थान, प्रयत्न, करण।
   ध्वनि के भेद – स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनो का वर्गीकरण।
   ध्वनि परिवर्तन (विकार) – ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ, ध्वनि परिवर्तन के कारण।
   स्वनिम सिद्धांत(ध्वनि ग्राम) – अवधारणा, ध्वनि ग्राम के भेद–खण्ड्य और खण्ड्येतर।
3. **पद विज्ञान (रूप विज्ञान)** – पद का स्वरूप और शाखाएं।
   रूप ग्राम (रूपिम)– रूपिम की अवधारणा।
   रूप ग्राम के भेद– 1. प्रयोग के आधार पर– मुक्त, बद्ध, मुक्त–बद्ध 2. रचना के आधार पर – संयुक्त, मिश्रित 3. अर्थतत्व प्रदर्शक एवं संबंधतत्व–प्रदर्शक
   4. खण्डीकरण –खण्डात्मक, अखण्डात्मक।
4. **वाक्य विज्ञान :** वाक्य विज्ञान का स्वरूप एवं लक्षण।
   वाक्य संबंधी सिद्धांत – स्फोटवाद, अंतिम वर्णवाद, वर्णसमूहवाद, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद।
   वाक्य के भेद– रचना, आकृति, अर्थ, क्रिया एवं शैली के आधार पर।
5. **अर्थविज्ञान :** अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता,
   अर्थ–परिवर्तन : – अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण ।

——00——

अंक विभाजन : **कुल अंक 80**

03 आलोचनात्मक प्रश्न – 3 × 20 = 60 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
03 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन– 3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
05 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न– 5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2.डॉ. फूलदास महंत –
3डॉ. बिहारी लाल साहू –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7 श्री रामकुमार बंजारे –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान	: राजमल वोरा
2. हिंदी शब्दानुशासन	: पं. किशोरीदास बाजपेयी
3. भाषा विज्ञान	: भोलानाथ तिवारी
4. भारतीय भाषाओं का भाषावैज्ञानिक अध्ययन	: डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा
5. भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन	: रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
6. भाषाविज्ञान की भूमिका	: देवेन्द्रनाथ शर्मा
7. भाषा एवं भाषा विज्ञान	: महावीर सरन जैन
8. आधुनिक भाषा विज्ञान	: डॉ. राजमणी शर्मा
9. भाषा विज्ञान की रूपरेखा	: डॉ. रविदत्त कौशिक
10. भारतीय भाषा विज्ञान	: पं. किशोरीदास बाजपेयी
11. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत	:डॉ. रामकिशोर शर्मा

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,**
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. **डॉ. फूलदास महंत,**
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवानिवृत्त प्राचार्य, 17 किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी	: अध्यक्ष	
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक हिन्दी	: सदस्य	–
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता हिन्दी	: सदस्य	–
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता हिन्दी	: सदस्य	–

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** प्रधान संपादक– इस्पात टाइम्स,रायगढ़	: सदस्य	–

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2013–14) :

1. **श्री राजीव गुप्ता** धनुवारडेरा रायगढ़	: सदस्य	–

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–18
एम.ए.हिंदी :सेमेस्टर प्रथम
अनिवार्य प्रश्नपत्र चतुर्थ
आधुनिक गद्य साहित्य : हिंदी नाटक एवं निबंध Code 904

प्रस्तावना :

नाटक साहित्य की महत्वपूर्ण विधा है। यह श्रव्य एवं दृश्य दोनों रूपों को समेटे हुए है। नाटक प्रत्यक्ष कल्पना एवं अध्यवसाय का विषय बन सत्य तथा कल्पना से समन्वित विलक्षण रूप धारण करके द्रष्टा एवं पाठक दोनों को मनोरंजन के साथ–साथ समाज–निर्माण एवं परिवर्तन की चेतना प्रदान करते हुए अपने साध्य में दृश्य होने के कारण सीधे रंगमंच से जुड़ा हुआ है, जिसे विविध काव्य के अतिरिक्त ललित कलाएँ तथा कलाकार मिलकर आकार देते हैं। इसीतरह निबंध गद्य का प्रौढ़ तथा शक्तिशाली प्रतिरूप है, जो किसी भी निबंधकार की वैयक्तिक एवं स्वातंत्र्य–चेतना का विश्वसनीय प्रतिनिधि है।

इस प्रश्न पत्र में समादृत दोंनों नाटकों/निबंधों से आंतरिक विकल्प युक्त तीन व्याख्यात्मक प्रश्न किये जायेंगे। दोंनो नाटकों/निबंधों से आंतरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे । द्रुत पाठ से विकल्प युक्त लघूत्तरी /टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जाएंगे। समूचे पाठ्य–विषय से विकल्प युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जा सकेंगे।

पाठ्य विषय :

नाटक :
1. जयशंकर प्रसाद : चंद्रगुप्त
2. मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन

निबंध :
1. रामचंद्र शुक्ल : कविता क्या है?
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी : शिरीष के फूल
3. नंददुलारे वाजपेयी : निराला
4. हरिशंकर परसाई : विकलांग श्रद्धा का दौर

द्रुत पाठ के नाटककार :

भारतेन्दु हरिश्चंद्र, धर्मवीर भारती, विष्णु प्रभाकर।

द्रुत पाठ के निबंधकार :

आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी, लोचनप्रसाद पाण्डेय, कुबेरनाथ राय

———— 00 ————

अंक विभाजन : **कुल अंक 80**

3 व्याख्यात्मक प्रश्न	–3 × 10 = 30	(प्रश्न पत्र में निर्धारित दोनों नाटकों एवं निबंधों से)
2 आलोचनात्मक प्रश्न	–2× 15 = 30	(प्रश्न पत्र में निर्धारित दोनों नाटकों एवं निबंधों से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन	–3 × 5 = 15	(प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
5 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	–5 × 1 = 05	(प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3डॉ. बिहारी लाल साहू –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7 श्री रामकुमार बंजोर –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी निबंध की विभिन्न शैलियाँ	: डॉ. मोहन अवस्थी
2. लोचनप्रसाद पाण्डेय के निबंध	: देवीप्रसाद वर्मा
3. पं. लोचनप्रसाद पाण्डेय चयनिका	: ईश्वरशरण पाण्डेय
4. साहित्य वाचस्पति लोचनप्रसाद पाण्डेय	: शिखा बेहरा
5. हिंदी निबंधकार	: जयनाथ नलिन
6. प्रसाद के नाटकों में नियतिवाद	: पद्माकर भार्मा
7. हिंदी नाटकों का रूपविधान और वस्तु–विकास	: डॉ. चंदूलाल दुबे
8. प्रसाद : भारतीयता के प्रतिमान	: सत्यपाल चुंग
9. हिंदी नाटकों का विकासात्मक अध्ययन	: डॉ. शांतिगोपाल पुरोहित
10. हिंदी के ऐतिहासिक नाटकों में इतिहास–तत्व	: डॉ. धनंजय
11. मोहन राकेश की रंगसृष्टि	: जगदीश शर्मा
12. मोहन राकेश : साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि	: संकलित
13. मोहन राकेश और उनके नाटक	: गिरीश रस्तोगी
14. हिंदी नाटक : कल और आज	: केदार सिंह
15. मोहन राकेश के साहित्य में सामाजिक चित्रण	: अर्जुन के. तड़वी
16. कुबेरनाथ राय	: डॉ. सुरेश माहेश्वरी
17. निबंधालोक : विद्यानिवास मिश्र	: डॉ. दिलीप देशमुख
18. हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन	: डॉ. बाबूराम
19. व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई	: डॉ. भरत पटेल
20. हिंदी नाटक	: डॉ. बच्चन सिंह
21. हिंदी व्यंग्यकर्म एवं समकालीन परिदृश्य	: संपादक – डॉ. विनय कुमार पाठक
22. नाटककार जयशंकर प्रसाद	: संपादक – सत्येन्द्रकुमार तनेजा
23. मोहन राकेश के नाटकों में नारी	: डॉ. प्रतिमा येरेकर

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित
हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,**
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. **डॉ. फूलदास महंत,**
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला – जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवानिवृत्त प्राचार्य, 17 किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य –
   प्रधान संपादक– इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2013–14) :

1. **श्री राजीव गुप्ता** : सदस्य –
   धनुवारडेरा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर प्रथम

परियोजना–कार्य code . 917

प्रस्तावना :–

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को विभाग द्वारा आबंटित पाठ्यक्रमेतर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का मौलिक रूप से शोध आलेख प्रस्तुत करना होगा। शोधार्थी को शोध–निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र–कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की स्वच्छ/स्व–हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निर्धारित विषय

1. मुक्तिबोध का गद्य साहित्य
2. शरद जोशी का व्यंग्य साहित्य
3. महादेवी वर्मा का गद्य साहित्य
4. लोचनप्रसाद पाण्डेय का गद्य साहित्य
5. माधवराव सप्रे का गद्यसाहित्य
6. हबीब तनवीर के नाटक
7. छत्तीसगढ़ी भाषा–साहित्य के विविध व्याकरणिक रूपों का विवेचन
8. किसी एक पाठ्यक्रमेतर नाटक का तात्विक अथवा रंगमंचीय विवेचन
9. पाठ्यक्रमेतर निबंधों का विवेचन
10. जीवनी/चरितात्मक कृति का अध्ययन
11. अन्य विषय : संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक (विभागीय संस्तुति से)

—0—

अंक विभाजन : कुल अंक – 50

शोध आलेखः 30 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 10)

मौखिकी : 20 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 08)

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर : अनुमोदित

विषय विशेषज्ञ : हस्ताक्षर

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,**
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. **डॉ. फूलदास महंत,**
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला – जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवानिवृत्त प्राचार्य, 17 किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य –
   प्रधान संपादक– इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2013–14) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुवारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

कि. शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018

पाठ्क्रम : हिंदी साहित्य

एम. ए. द्वितीय सेमेस्टर

क्र.	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम	अंक विभाजन				
			सेमेस्टर परीक्षा		आंतरिक मूल्यांकन		योग
			अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम	
1.	प्रथम	हिंदी साहित्य का इतिहास(सन् 1857 ई. से आज तक)	80	29	20	07	100
2.	द्वितीय	प्रेमाख्यानक काव्य एवं रीतिकाव्य	80	29	20	07	100
3.	तृतीय	हिंदी भाषा	80	29	20	07	100
4.	चतुर्थ	आधुनिक गद्य साहित्य : हिंदी उपन्यास एवंकहानी	80	29	20	07	100
5.		परियोजना कार्य			50	18	50
					कुल		450

बैठक दिनांक : 30.11.2016

विभागाध्यक्ष – हिन्दी

विस्तृत पाठ्यक्रम एवं संदर्भ ग्रंथ सूची संलग्न

नोट : परीक्षार्थी को प्रत्येक प्रश्नपत्र में सेमेस्टर परीक्षा एवं आंतरिक मूल्याँकन परीक्षा में अलग–अलग 36 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

अध्ययन–मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. डॉ. फूलदास महंत,
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2013–14) :

1. श्री राजीव गुप्ता : सदस्य –
   धनुवारडेरा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018

एम. ए. हिंदी

सेमेस्टर द्वितीय

अनिवार्य प्रश्न पत्र प्रथम

हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 1857 से आज तक) code- 905

प्रस्तावना :

सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के साथ समूचे भारतीय समाज में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवर्तन होने लगे थे। इसका प्रभाव हिंदी भाषा और साहित्य पर भी दृष्टिगोचर होता है। एक ओर विभिन्न बोलियों का स्थान खड़ी बोली हिंदी ले रही थी, वहीं दूसरी ओर साहित्य के विषयों में भी स्वाधीनता आंदोलन एवं स्वतंत्रता के स्वर मिलने लगे। स्वतंत्रता के पहले और बाद अनेक प्रकार की विचारधाराएँ और शैलियाँ विकसित हुईं, जिनके विकास का क्रमबद्ध अध्ययन इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से प्रश्न किये जाएंगे ।

पाठ्य विषय :

1. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राजक्रांति और पुनर्जागरण।
2. भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
3. द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
4. छायावादी युग : हिंदी स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम विकास : छायावादी काव्य –प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
5. उत्तर छायावाद : विविध प्रवृत्तियाँ : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता, उत्तरआधुनिकतावादी कविता, नारी विमर्श, दलित विमर्श : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
6. हिंदी गद्य साहित्य की प्रमुख विधाओं का विकास – कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज़ आदि ।
7. हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास।
8. उर्दू साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।
9. उड़िया साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।
10. हिंदीतर क्षेत्रों तथा देशांतर में हिंदी भाषा और साहित्य।

——00——

अंक विभाजन : **कुल अंक 80**

3 आलोचनात्मक प्रश्न	3×20 = 60	(इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघूत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी लेखन	3 ×5 = 15	(इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	5 ×1 = 05	(इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3डॉ. बिहारी लाल साहू –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6 डॉ. बेठियार सिंह साहू
7 श्री रामकुमार बंजारे –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास	: बच्चन सिंह
2. दूसरी परम्परा की खोज	: नामवर सिंह
3. छायावाद एवं अन्य निबंध	: संपादक – सतीश चतुर्वेदी
4. आधुनिक हिंदी साहित्य की भूमिका	: लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
5. आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकाल	: श्रीनारायण चतुर्वेदी
6. आधुनिक हिंदी गद्य और गद्यकार	: डॉ. जेकब पी. जॉर्ज
7. छायावादोत्तर हिंदी काव्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि	: डॉ. कमलाप्रसाद
8. उत्तरआधुनिक साहित्यिक विमर्श	: सुधीश पचौरी
9. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	: प्रो. सैयद ऐहतेशाम हुसैन
10. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास	: डॉ. बापूराव देसाई
11. प्रगतिवादी काव्य में राजनीतिक एवं सामाजिक चेतना	: डॉ. विद्या प्रधान
12. देरिदां : विखंडन की सैद्धांतिकी	: सुधीश पचौरी
13. हिंदी आलोचना का विकास	: नंदकिशोर नवल
14. हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत	: योगेन्द्र प्रताप सिंह
15. ओडिया साहित्य का इतिहास	: डॉ. पूर्णिमा केडिया
16. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र	: ओमप्रकाश वाल्मीकि
17. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास	: डॉ. बच्चन सिंह
18. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ	: नामवर सिंह
19. हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी	: आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
20. आधुनिक साहित्य और प्रयोगवाद	: डॉ. भास्कर भैया
21. स्त्रीत्ववादी विमर्श : समाज और साहित्य	: क्षमा शर्मा
22. स्त्री विमर्श : साहित्यिक और व्यावहारिक संदर्भ	: डॉ. करूणा उमरे
23. दलित साहित्य : प्रकृति और संदर्भ	: डॉ. संजय नवले
24. दलित साहित्य : विविध आयाम	: डॉ. सुनीता साखरे
25. नारी विमर्श की नई दिशाएँ	: डॉ. रेणुका मोरे

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर : अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,** –
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. **डॉ. फूलदास महंत,** –
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2013–14) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–द्वितीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र द्वितीय

प्रेमाख्यानक काव्य और रीतिकाव्य code - 906

प्रस्तावना :

पूर्वमध्यकाल में सूफी काव्य की एक सशक्त धारा दिखाई देती है, जिसमें हिंदू और इस्लामी संस्कृति का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। उत्तरमध्यकालीन काव्य (रीतिकाव्य) अपनी कलात्मक अभिव्यंजना में बेजोड़ है। इनका अध्ययन समाज, संस्कृति और युग की धड़कनों को समग्रता में समझने के लिए अनिवार्य है।

इस प्रश्नपत्र में समादृत तीनों काव्य–कृतियों से आंतरिक विकल्प–युक्त व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प–युक्त लघूत्तरी /टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प–युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. जायसी : संक्षिप्त पद्मावत – (पद्मावती खण्ड एवं नागमती वियोग खण्ड)
   सम्पादक–श्यामसुंदर दास

2. घनानंद : घनानंद चयनिका
   सम्पादक – डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा (प्रारम्भिक 25 छंद)

3. बिहारी : बिहारी सार्द्धशती
   सम्पादक – ओमप्रकाश (प्रारम्भिक 100 दोहे)

द्रुत पाठ के कवि : केशव, देव, भूषण, सेनापति, पद्माकर

———00———

अंक विभाजन : **कुल अंक 80**

3 व्याख्यात्मक प्रश्न –3 × 10 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनो कृतियों से)
2 आलोचनात्मक प्रश्न –2× 15 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन–3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न–5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –
3डॉ. बिहारी लाल साहू –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले – Usha
7 श्री रामकुमार बंजारे –
9 श्री राजीव गुप्ता –

2. डॉ. फूलदास महंत –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
8 श्री नवनीत जगतरामका –

संदर्भ ग्रंथ :

1. घनानंद : काव्य और आलोचना : डॉ. किशोरीलाल
2. घनानंद का काव्य : डॉ. रामदेव शुक्ल
3. बिहारी भाष्य : डॉ. देशराजसिंह भाटी
4. बिहारी की काव्य–साधना : डॉ. देशराजसिंह भाटी
5. बिहारी : डॉ. राजकिशोर सिंह
6. बिहारी : आलोचनात्मक अध्ययन : डॉ. राजकिशोर सिंह
7. बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ. बच्चन सिंह
8. सूफी मत : डॉ. कन्हैया सिंह
9. पद्मावत का अनुशीलन : इंद्रचंद्र नारंग
10. जायसी : एक नई दृष्टि : डॉ. रघुवंश
11. रीतिकालीन कविता में भक्तितत्व : डॉ. उषा पुरी
12. हिंदी रीति साहित्य : डॉ. भगीरथ मिश्र
13. रीतिकालीन कवियों की प्रेम–व्यंजना : डॉ. बच्चन सिंह
14. रीतिकाव्य की इतिहास–दृष्टि : सुधीन्द्र कुमार
15. केशवदास : विजयपाल सिंह
16. केशव–काव्यसुधा : कृष्णदेव शर्मा
17. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी
18. हिंदी साहित्य का मध्यकाल : डॉ. ईश्वरदत्त शील
19. रीतिबद्ध काव्य में तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था का स्वरूप : डॉ. तारा श्रीवास्तव
20. बोधा के काव्य में जीवन–मूल्य : डॉ. वेदप्रकाश
21. रीतिमुक्त कवि ठाकुर और उनका काव्य : डॉ. जगदेवकुमार शर्मा
22. कवि आलम और उनकी आलमकेलि : डॉ. वेदप्रकाश
23. मध्ययुगीन रहस्यवादी प्रवृत्तियों के मूल स्रोत : डॉ. आनंदमोहन उपाध्याय
24. मध्यकालीन हिंदी काव्य : संपादक – डॉ. दिलीप मेहरा
25. भूषण का प्रशस्तिकाव्य : डॉ. रमा नवले

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,**
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास. बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. **डॉ. फूलदास महंत,**
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

1. **श्री राजीव गुप्ता,** धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018
एम. ए. हिंदी
सेमेस्टर–द्वितीय
अनिवार्य प्रश्नपत्र तृतीय : हिंदी भाषा code-907

प्रस्तावना :

भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकासक्रम, भौगोलिक विस्तार, भाषिक स्वरूप, विविधरूपता तथा हिंदी में कम्प्यूटर–सुविधाओं विषयक जानकारी एवं देवनागरी के वैशिष्ट्य, विकास और मानकीकरण का विवरण हिंदी के अध्येता के लिए अत्यंत उपयोगी है। हिंदी भाषा के विकास के आधुनिक चरण में कामकाजी हिंदी महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य–विषय से आलोचनात्मक/लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ प्रश्न/अति लघूत्तरी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. **हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :**
   प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ –
   वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत– उनकी विशेषताएँ।
   मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ –
   पालि, प्राकृत – शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश– उनकी विशेषताएँ।
   आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ –वर्गीकरण।
2. **हिंदी का भौगोलिक विस्तार :**
   हिंदी की उपभाषाएँ –
   पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ।
   खड़ी बोली, ब्रज, अवधी– उनकी विशेषताएँ।
3. **हिंदी का भाषिक स्वरूपः**
   हिंदी शब्द–रचना –
   उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास।
   हिंदी रूप–रचना –
   लिंग, वचन, कारक–व्यवस्था, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप ।
   हिंदी वाक्य–रचना –
   पदक्रम और अन्विति।
4. **हिंदी के विविध रूप–**
   सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यम भाषा, संचार भाषा ।
   हिंदी की सांविधानिक स्थिति।
   कार्यालयीन हिंदी (राजभाषा) :
   प्रमुख प्रकार – प्रारूपण, टिप्पण, पत्र–लेखन, संक्षेपण, पल्लवन।
5. **देवनागरी लिपि :**
   व्युत्पत्ति, विशेषताएँ और मानकीकरण ।

——00——

अंक विभाजन : **कुल अंक 80**

03 आलोचनात्मक प्रश्न	–	3 × 20 = 60 (संपूर्ण पाठ्य विषय से)
03 लघूत्तरी प्रश्न	–	3 × 5 = 15 (संपूर्ण पाठ्य विषय से)
05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	5 × 1 = 05 (संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3. डॉ. बिहारी लाल साहू –
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5. डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6. डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7. श्री रामकुमार बंजारे –
8. श्री नवनीत जगतरामका –
9. श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा की संधि–संरचना : डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. हिंदी संज्ञा–संरचना और रूपिम : डॉ. प्रीति सोहनी
3. भारतीय आर्यभाषा ओर हिंदी : सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या
4. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास : डॉ. उदयनारायण तिवारी
5. भाषा एवं भाषाविज्ञान : महावीरसरन जैन
6. हिंदी भाषा : इतिहास एवं स्वरूप : डॉ. राजमणि शर्मा
7. हिंदी भाषा–संरचना के विविध आयाम : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
8. हिंदी भाषा का इतिहास : डॉ. भोलानाथ तिवारी
9. भाषा : इतिहास की भाषावैज्ञानिक भूमिका : जो. वांद्रियेज
10. भारतीय भाषाओं का भाषावैज्ञानिक अध्ययन: डॉ. ब्रजेश्वर शर्मा
11. भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा : द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
12. हिंदी शब्दानुशासन : पं. किशोरीदास बाजपेयी
13. अपभ्रंश के योग : नामवर सिंह
14. भाषा और प्रौद्योगिकी : डॉ. विनोद प्रसाद
15. भाषा और व्यवहार : ब्रजमोहन
16. हिंदी : विविध व्यवहारों की भाषा : सुवास कुमार
17. हिंदी की मानक वर्तनी : कैलाशचंद्र भाटिया
18. हिंदी भाषा : विकास और स्वरूप : कैलाशचंद्र भाटिया
19. भाषा चिंतन के नए आयाम : डॉ. रामकिशोर शर्मा
20. हिंदी व्याकरण मीमांसा : काशीराम शर्मा
21. वाक्य–संरचना और विश्लेषण : नए प्रतिमान: बदरीनाथ कपूर
22. हिंदी का वैश्विक परिदृश्य : डॉ. पंडित बन्ने

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,**
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास. बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. **डॉ. फूलदास महंत,**
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014–15) :

1. **श्री राजीव गुप्ता,** : सदस्य –
   धनुहारडेरा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018
एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–द्वितीय
अनिवार्य प्रश्नपत्र – चतुर्थ
आधुनिक गद्य साहित्य : हिंदी उपन्यास एवं कहानी Code - 908

प्रस्तावना :

आज गद्य साहित्य उपन्यास एवं कथा साहित्य जैसी विधाओं के साथ वामन से विराट हो गया है। हिंदी गद्य की विधाओं में आज उपन्यास और कहानी सर्वाधिक विकसित एवं लोकप्रिय हैं क्योंकि इसमें किसी क्षेत्र के विस्तृत या सीमित फलक पर घटित होने वाली ऐतिहासिक, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक घटनाओं तथा उनके परिप्रेक्ष्य में अनेक व्यक्ति–समूहों को चित्रित किया जाता है अतः इन विधाओं का अध्ययन अपेक्षित है। इन विधाओं के क्रमिक विकास के साथ कुछ कृतियों का अध्ययन भी अपेक्षित है।

इस प्रश्न पत्र में समादृत उपन्यासों/कहानियों से आंतरिक विकल्प युक्त तीन व्याख्यात्मक प्रश्न किये जायेंगे। उपन्यासों/कहानियों से आंतरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प युक्त लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जाएंगे। समूचे पाठ्य–विषय से विकल्प युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जा सकेंगे।

पाठ्य विषय :

उपन्यास :

1. गोदान : प्रेमचंद
2. पुनर्नवा : हजारीप्रसाद द्विवेदी

कहानी :

1. उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
2. आकाशदीप : जयशंकर प्रसाद
3. कफन : प्रेमचंद
4. वापसी : उषा प्रियंवदा

द्रुत पाठ :

उपन्यासकार : जैनेन्द्रकुमार, फणीश्वरनाथ रेणु , मन्नू भंडारी ।

कहानीकार : कमलेश्वर, कृष्णा सोबती, अमरकांत ।

——00——

अंक विभाजन : **कुल अंक 80**

03	व्याख्या	–	3 × 10 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित उपन्यास/कहानियों से)
02	आलोचनात्मक प्रश्न	–	2× 15 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित उपन्यास/कहानियों से)
03	लघूत्तरी प्रश्न	–	3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
05	वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	–	5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3. डॉ. बिहारी लाल साहू –
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5. डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6. डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7. श्री रामकुमार बंजारे –
8. श्री नवनीत जगतरामका –
9. श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रेमचंद : एक विवेचन	: डॉ. इंद्रनाथ मदान
2. प्रेमचंद का पुनर्मूल्यांकन	: शंभूनाथ
3. प्रेमचंद और उनका युग	: रामविलास शर्मा
4. प्रेमचंद	: संपादक – सत्येन्द्र
5. प्रेमचंद के उपन्यासों में व्यंग्यबोध	: उर्मिला सिन्हा
6. आद्यबिम्ब और गोदान	: कृष्णमुरारी मिश्र
7. आलोचनात्मक यथार्थवाद और प्रेमचंद	: सत्यकाम
8. पुनर्नवा और लोकजीवन	: सुरेन्द्रप्रताप यादव
9. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की साहित्य सर्जना	: विंध्यवासिनीनंदन पाण्डेय
10. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यास : संस्कृति और इतिहास	: डॉ. अरूण कुलकर्णी
11. हिंदी उपन्यास का विकास	: मधुरेश
12. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास	: इंद्रनाथ मदान

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर : **अनुमोदित**

विषय विशेषज्ञ : **हस्ताक्षर**

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,** –
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास. बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. **डॉ. फूलदास महंत,** –
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014–15) :

1. **श्री राजीव गुप्ता,** : सदस्य –
   धनुहारडेरा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018
एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–द्वितीय
परियोजना–कार्य code - 918

प्रस्तावना :

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को विभाग द्वारा आबंटित पाठ्यक्रमेतर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का मौलिक रूप से शोध आलेख प्रस्तुत करना होगा। शोधार्थी को शोध–निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र–कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की स्वच्छ/स्व–हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निर्धारित विषय :

1. दलित गद्य साहित्य
2. हिंदी गद्य साहित्य में नारी–विमर्श
3. साठोत्तरी हिंदी कथा साहित्य
4. छत्तीसगढ़ का गद्य साहित्य
5. हिंदी कथा साहित्य में उत्तरआधुनिकता
6. हिंदीतर भाषा–साहित्य का अध्ययन
7. पाठ्यक्रमेतर आधुनिक हिंदी आलोचना/समीक्षा
8. हिंदीतर प्रदेशों में हिंदी का प्रयोग
9. हिंदी भाषा–शिक्षण का व्यावहारिक प्रयोग
10. विदेशों में हिंदी की लोकप्रियता
11. अन्य विषय : संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक (विभागीय संस्तुति से)

——0——

अंक विभाजन : कुल अंक – 50
शोध आलेख: 30 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 10)
मौखिकी : 20 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 08)

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,** –
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास. बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. **डॉ. फूलदास महंत,** –
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2018–2019 एवं 2019–2020

एम.ए.हिंदी सेमेस्टर–प्रथम

अनिवार्य प्रश्नपत्र प्रथम

हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 700 ई. से 1857 ई. तक) Code 901

प्रस्तावना :

किसी भी देश के जनमानस की मनोवृत्ति, दशा एवं संवेदना के विविध स्वरूपों का संचित रूप वहाँ के साहित्य में परिलक्षित होता है। सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक आदि विभिन्न परिस्थितियों के कारण चित्तवृत्तियों में परिवर्तन होता है, हिंदी क्षेत्र की परिस्थितियों से कमोबेश पूरा भारत प्रभावित होता रहा है, जिसकी गूँज हिंदी साहित्य में प्रतिध्वनित है। आठवीं–नवीं शताब्दी से लेकर आज तक के विकास परिदृश्य के साथ साहित्यिक सृजनशीलता के विविध रूपों, प्रवृत्तियों और भाषा–शैलियों का ज्ञान हिंदी साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही किया जा सकता है। अतः इसका अध्ययन सर्वथा सार्थक और समीचीन है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से प्रश्न किये जाएंगे ।

पाठ्य विषय : इतिहास–दर्शन एवं साहित्येतिहास।

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप एवं अध्ययन की समस्याएँ।
2. हिंदी साहित्य के इतिहास–लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।
3. हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा–निर्धारण और नामकरण।
4. हिंदी साहित्य : आदिकाल की पृष्ठभूमि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।
5. पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन, विभिन्न काव्यधाराएँ, तथा प्रमुख रचनाकारों का वैशिष्ट्य, भक्तिकालीन गद्य साहित्य,प्रमुख सूफी कवि और काव्य।
6. उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल–सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रंथों की परम्परा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त), प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ, रीतिकालीन गद्यसाहित्य।

———— 00 ————

अंक विभाजन : **कुल अंक 80**

3 आलोचनात्मक प्रश्न	–	20× 3 = 60 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 लघूत्तरीय प्रश्न / टिप्पणी	–	3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न	–	5× 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. राजेश दुबे –
2. डॉ. चित्तरंजन कर
3डॉ. विनय कुमार पाठक –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान
5 डॉ.(श्रीमती)रवीन्द्र चौबे –
6 सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे – 21/8/18
7 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास : संपादक – डॉ. नगेन्द्र
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह
4. हिंदी साहित्य की भूमिका : डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. रामकुमार वर्मा
6. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास : डॉ. सुमन राजे
7. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. चातक
8. भारतीय साहित्य : संपादक – डॉ. नगेन्द्र
9. भारतीय साहित्य : संपादक – डॉ. मूलचंद गौतम
10. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ : के. सच्चिदानंद
11. भारतीय साहित्य : आशा और आस्था : डॉ. आरसु
12. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
13. हिंदी रीति साहित्य : डॉ. भगीरथ मिश्र
14. हिंदी साहित्य के विकास की रूपरेखा : रामअवध द्विवेदी
15. हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारीप्रसाद द्विवेदी
16. साहित्य और इतिहास–दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय
17. हिंदी साहित्य का आदिकाल एवं बीसलदेव रास : डॉ. मीनकेतन प्रधान
18. हिंदी साहित्य का इतिहास : पुनर्लेखन की समस्याएँ : संपादक – श्याम कश्यप
19. इतिहास दर्शन और हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ : योगेन्द्र प्रताप सिंह
20. आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका : डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
21. साहित्येतिहास दृष्टि : डॉ. कंचन यादव
22. भारतीय साहित्य : डॉ. ब्रजकिशोरप्रसाद सिंह
23. साहित्येतिहासकारों की दृष्टि–मीमांसा : डॉ. वेदप्रकाश

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित

विषय विशेषज्ञ : हस्ताक्षर

1. **डॉ. राजेश दुबे,**
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. **डॉ. चित्तरंजन कर,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. विनय कुमार पाठक,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक – इस्पात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

1. श्री राजीव गुप्ता : सदस्य –
   धनुहारडेरा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2018–2019 एवं 2019–2020

एम.ए.हिंदी : सेमेस्टर प्रथम

अनिवार्य प्रश्नपत्र द्वितीय

भक्ति काव्य code 902

प्रस्तावना :

हिंदी के पूर्वमध्यकालीन काव्य या भक्तिकालीन काव्य का साहित्येतिहास में विशेष महत्व रहा है। भक्तिकाव्य लोक–जागरण और लोकमंगल का नवीन स्वर लेकर आया। इसने भारत की भावनात्मक एकता और सांस्कृतिक परम्परा को सुरक्षित रखा है।

इस प्रश्नपत्र में समादृत तीन काव्य कृतियों से व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प युक्त) किये जायेंगे। द्रुत पाठ से लघूत्तरी प्रश्न (विकल्प युक्त) एवं प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से वस्तुनिष्ठ/लघूत्तरी प्रश्न (विकल्प युक्त)किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. कबीर : संपादक – श्यामसुंदर दास (प्रारंभिक 1 से 100 दोहे)
आलोचना–व्यक्तित्व–कृतित्व, धार्मिक विचार, सामाजिक विचार,प्रेमतत्व विरह भावना,रहस्यवाद दार्शनिकता, प्रासंगिकता, उंलटबासियां, प्रतीक पध्दतियां, काव्यकला और भाषा।
2. तुलसीदास : रामचरित मानस (सुंदर काण्ड संपूर्ण)
आलोचना–व्यक्तित्व–कृतित्व,भक्ति–भावना,लोकजीवन और संस्कृति,काव्यकला, लोकनायकत्व,दार्शनिकता, गीतितत्व, अलंकार योजना, भाषा–शैली,रामचरित मानस का महाकाव्यत्व।
3. सूरदासः भ्रमरगीत सार – संपादक – आचार्य रामचंद्र शुक्ल (51 से 100 तक)
आलोचना–व्यक्तित्व–कृतित्व,भक्ति–भावना,वियोग वर्णन,सूर की गोपियां,सूर के उध्दव,काव्य कला,भ्रमरगीत की दार्शनिक पृष्ठभूमि।

द्रुत पाठ के कवि : विद्यापति, मीराबाई, दादूदयाल, रैदास, रहीम

———— 00 ————

अंक विभाजन : कुल अंक 80

3 व्याख्या	–3 × 10 = 30	(प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनो कृतियों से)
2 आलोचनात्मक प्रश्न	–2× 15 = 30	(प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन	–3 × 5 = 15	(प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न/अति लघूत्तरी प्रश्न	–5 × 1 = 05	(प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. राजेश दुबे –
2. डॉ. वित्तरंजन कर –
3डॉ. विनय कुमार पाठक –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ.(श्रीमती)रवीन्द्र चौबे –
6 सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे – 22/8/18
7 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. सूरदास – हरवंशलाल शर्मा
2. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय
3. सूर साहित्य – हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. महाकवि सूरदास – नंददुलारे वाजपेयी
5. कबीर – संपादक : विजयेन्द्र स्नातक
6. कबीर तेरे रूप अनेक – संपादक : महावीर अग्रवाल
7. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
8. कबीर की कविता – डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह
9. कबीर मीमांसा – डॉ. रामचंद्र तिवारी
10. रामभक्ति में रसिक सम्प्रदाय – डॉ. भगवतीप्रसाद सिंह
11. तुलसी – संपादक : उदयभानु सिंह
12. तुलसी मंजरी – संपादक : विद्यानिवास मिश्र
13. वैष्णव भक्ति आंदोलन का अध्ययन –डॉ. मलिक मुहम्मद
14. रामचरित मानस – सुधाकर पाण्डेय
15. रामचरित मानस का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. शिवकुमार शुक्ल
16. कबीर, सूर, तुलसी – डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह
17. विद्यापति के गीत – बैजनाथ सिंह
18. भक्ति काव्य–यात्रा – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
19. रहस्यवाद – राममूर्ति त्रिपाठी
20. संत साहित्य और लोकमंगल – ओमप्रकाश त्रिपाठी
21. रामचरितमानस : पाठ, लीला, चित्र – रमण सिन्हा
22. तुलसीदास – नंदकिशोर नवल
23. अकथ कहानी प्रेम की – पुरुषोत्तम अग्रवाल
24. रामचरित मानस – रमण सिन्हा
25. रामचरित मानस में चरित्र–सृष्टि – डॉ. योगश दुबे

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. राजेश दुबे,**
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. **डॉ. चित्तरंजन कर,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. विनय कुमार पाठक,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर –

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
3. सुश्री लक्षेश्वरी बुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जग़तरामका,** : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

1. श्री राजीव गुप्ता : सदस्य –
   धनुहारडेरा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2018–2019 एवं 2019–2020

एम. ए. हिंदी–सेमेस्टर प्रथम

अनिवार्य प्रश्नपत्र तृतीयः भाषा विज्ञान code 903

प्रस्तावना : साहित्य आद्यांत एक भाषिक निर्मिति है। साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था का सुस्पष्ट एवं सर्वांगीण ज्ञान अपरिहार्य है। भाषा विज्ञान भाषा की वस्तुनिष्ठ अध्ययन प्रणाली के रूप में भाषिक ईकाइयों तथा भाषा –संरचना के विविध स्तरों पर उनके अंतरसंबंधों के विन्यास को आलोकित कर न केवल अध्येता को भाषिक अंतर्दृष्टि देता है अपितु भाषा –विषयक विवेचन के लिए एक निरूपक भाषा भी प्रदान करता है। भाषा के साहित्येतर प्रयोजन मूलक रूपों के अध्ययन में भी भाषावैज्ञानिक चिंतन का लाभ दृष्टिगोचर होता है।

पाठ्य विषय :

1. **भाषा और भाषाविज्ञान :**
   (अ) भाषा – परिभाषा, उत्पत्ति के सिद्धांत, विशेषताएं एवं प्रवृत्तियाँ।
   (ब) भाषा विज्ञान – भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं व्याप्ति।
   अध्ययन की दिशाएं – वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रयोगात्मक, संरचनात्मक।
   (स)साहित्य और भाषा विज्ञान– साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगो की उपयोगिता।
2. **ध्वनि विज्ञान (स्वन–प्रक्रिया)** –ध्वनि विज्ञान का स्वरूप, वाक् अवयव एवं उनके कार्य,
   ध्वनि का वर्गीकरण – स्थान प्रयत्न करण।
   ध्वनि के भेद – स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनो का वर्गीकरण,
   ध्वनि परिवर्तन(विकार)– ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं, ध्वनि परिवर्तन के कारण।
   स्वनिम सिद्धांत(ध्वनि ग्राम) – अवधारणा, ध्वनि ग्राम के भेद–खण्ड्य और खण्ड्येतर।
3. **पद विज्ञान (रूप विज्ञान)** – पद का स्वरूप और शाखाएं।
   रूप ग्राम (रूपिम)– रूपिम की अवधारणा
   रूप ग्राम के भेद– 1. प्रयोग के आधार पर– मुक्त, बद्ध, मुक्त–बद्ध 2. रचना के आधार पर – संयुक्त, मिश्रित 3. अर्थतत्व प्रदर्शक एवं संबंधतत्व–प्रदर्शक
   4. खंण्डीकरण–खण्डात्मक, अखण्डात्मक।
4. **वाक्य विज्ञान :** वाक्य विज्ञान का स्वरूप एवं लक्षण,
   वाक्य संबंधी सिद्धांत – स्फोटवाद, अंतिम वर्णवाद, वर्ण समूहवाद, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद।
   वाक्य के भेद– रचना, आकृति, अर्थ, क्रिया एवं शैली के आधार पर।
5. **अर्थविज्ञान :** अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता,
   अर्थ–परिवर्तन : – अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण ।

——00——

अंक विभाजन : **कुल अंक 80**

03 आलोचनात्मक प्रश्न –3 × 20 = 60 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
03 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन– 3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
05 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न–5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. राजेश दुबे –
2. डॉ. चित्तरंजन कर –
3डॉ. विनय कुमार पाठक –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ.(श्रीमती)रवीन्द्र चौबे –
6 सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे – 2/8/18
7 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान	: राजमल बोरा
2. हिंदी शब्दानुशासन	: पं. किशोरीदास बाजपेयी
3. भाषा विज्ञान	: भोलानाथ तिवारी
4. भारतीय भाषाओं का भाषावैज्ञानिक अध्ययन	: डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा
5. भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन	: रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
6. भाषाविज्ञान की भूमिका	: देवेन्द्रनाथ शर्मा
7. भाषा एवं भाषा विज्ञान	: महावीर सरन जैन
8. आधुनिक भाषा विज्ञान	: डॉ. राजमणी शर्मा
9. भाषा विज्ञान की रूपरेखा	: डॉ. रविदत्त कौशिक
10. भारतीय भाषा विज्ञान	: पं. किशोरीदास बाजपेयी
11. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत	:डॉ. रामकिशोर शर्मा

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित
हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे,
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. डॉ. चित्तरंजन कर,
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य – 21/8/18
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़ : सदस्य –

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

1. श्री राजीव गुप्ता
   धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2018–2019 एवं 2019–2020
एम.ए.हिंदी :सेमेस्टर प्रथम
अनिवार्य प्रश्नपत्र चतुर्थ
आधुनिक गद्य साहित्य : हिंदी नाटक एवं निबंध Code 904

प्रस्तावना :

नाटक साहित्य की महत्वपूर्ण विधा है। यह श्रव्य एवं दृश्य दोनों रूपों को समेटे हुए है। नाटक प्रत्यक्ष कल्पना एवं अध्यवसाय का विषय बन सत्य तथा कल्पना से समन्वित विलक्षण रूप धारण करके द्रंश्टा एवं पाठक दोनों को मनोरजन के साथ–साथ समाज–निर्माण एवं परिवर्तन की चेतना प्रदान करते हुए अपने साध्य में दृश्य होने के कारण सीधे रंगमंच से जुड़ा हुआ है, जिसे विविध काव्य के अतिरिक्त ललित कलाएँ तथा कलाकार मिलकर आकार देते हैं। इसीतरह निबंध गद्य का प्रौढ़ तथा शक्तिशाली प्रतिरूप है, जो किसी भी निबंधकार की वैयक्तिक एवं स्वातंत्र्य–चेतना का विश्वसनीय प्रतिनिधि है।

इस प्रश्न पत्र में समादृत दोंनों नाटकों/निबंधों से आंतरिक विकल्प युक्त तीन व्याख्यात्मक प्रश्न किये जायेंगे। दोंनो नाटकों/निबंधों से आंतरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प युक्त लघूत्तरी /टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जाएंगे। विकल्प युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न समूचे पाठ्य–विषय से किये जा सकेंगे।

पाठ्य विषय :

नाटक :	1. जयशंकर प्रसाद	: चंद्रगुप्त
	2. मोहन राकेश	: आषाढ़ का एक दिन
निबंध :	1. रामचंद्र शुक्ल	: कविता क्या है?
	2. हजारीप्रसाद द्विवेदी	: शिरीष के फूल
	3. नंददुलारे वाजपेयी	: निराला
	4. हरिशंकर परसाई	: विकलांग श्रद्धा का दौर

<u>द्रुत पाठः–</u>

द्रुत पाठ के नाटककार :

भारतेन्दु हरिश्चंद्र, धर्मवीर भारती, विष्णु प्रभाकर।

द्रुत पाठ के निबंधकार :

आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी, पं.लोचनप्रसाद पाण्डेय, कुबेरनाथ राय

——— 00 ———

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

3 व्याख्या –3 × 10 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित दोनों नाटकों एवं निबंधों से)
2 आलोचनात्मक प्रश्न –2× 15 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित दोनों नाटकों एवं निबंधों से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन–3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
5 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न–5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. राजेश दुबे –
2. डॉ. चित्तरंजन कर :
3डॉ. विनय कुमार पाठक –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान
5 डॉ.(श्रीमती)रवीन्द्र चौबे –
6 सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे –
7 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

21/8/18

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी निबंध की विभिन्न शैलियाँ : डॉ. मोहन अवस्थी
2. लोचनप्रसाद पाण्डेय के निबंध : देवीप्रसाद वर्मा
3. पं. लोचनप्रसाद पाण्डेय चयनिका : ईश्वरशरण पाण्डेय
4. साहित्य वाचस्पति लोचनप्रसाद पाण्डेय : शिखा बेहरा
5. हिंदी निबंधकार : जयनाथ नलिन
6. प्रसाद के नाटकों में नियतिवाद : पद्माकर भार्मा
7. हिंदी नाटकों का रूपविधान और वस्तु–विकास : डॉ. चंदूलाल दुबे
8. प्रसाद : भारतीयता के प्रतिमान : सत्यपाल चुंग
9. हिंदी नाटकों का विकासात्मक अध्ययन : डॉ. शांतिगोपाल पुरोहित
10. हिंदी के ऐतिहासिक नाटकों में इतिहास–तत्व : डॉ. धनंजय
11. मोहन राकेश की रंगसृष्टि : जगदीश शर्मा
12. मोहन राकेश : साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि : संकलित
13. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी
14. हिंदी नाटक : कल और आज : केदार सिंह
15. मोहन राकेश के साहित्य में सामाजिक चित्रण : अर्जुन के. तड़वी
16. कुबेरनाथ राय : डॉ. सुरेश माहेश्वरी
17. निबंधालोक : विद्यानिवास मिश्र : डॉ. दिलीप देशमुख
18. हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन : डॉ. बाबूराम
19. व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई : डॉ. भरत पटेल
20. हिंदी नाटक : डॉ. बच्चन सिंह
21. हिंदी व्यंग्यकर्म एवं समकालीन परिदृश्य : संपादक – डॉ. विनय कुमार पाठक
22. नाटककार जयशंकर प्रसाद : संपादक – सत्येन्द्रकुमार तनेजा

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. राजेश दुबे,**
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. **डॉ. चित्तरंजन कर,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. विनय कुमार पाठक,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,**
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

1. **श्री राजीव गुप्ता**
   धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

प्रस्तावित सत्र 2018–2019 एवं 2019–2020
एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर प्रथम
परियोजना–कार्य Code 917

प्रस्तावना :–

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को विभाग द्वारा आबंटित पाठ्यक्रमेतर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का शोध आलेख तैयार करना होगा। शोधार्थी को शोध–निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र–कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की स्वच्छ स्व–हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निर्धारित विषय

1.मुक्तिबोध का गद्य साहित्य
2.शरद जोशी का व्यंग्य साहित्य
3.महादेवी वर्मा का गद्य साहित्य
4.लोचनप्रसाद पाण्डेय का गद्य साहित्य
5.माधवराव सप्रे का गद्यसाहित्य
6.हबीब तनवीर के नाटक
7.छत्तीसगढ़ी भाषा–साहित्य के विविध व्याकरणिक रूपों का विवेचन
8.किसी एक पाठ्यक्रमेतर नाटक का तात्विक अथवा रंगमंचीय विवेचन
9.पाठ्यक्रमेतर निबंधों का विवेचन
10.जीवनी/चरितात्मक कृति का अध्ययन
11.आदिकाल एवं रीतिकाल के महिला साहित्यकारों का वैशिष्ट्य।
12. भारत में सूफी मत. का विकास। सूफी मत में लोकजीवन और लोकसंस्कृति के तत्व
13. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब और हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।
14.अन्य विषय : संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक (विभागीय संस्तुति से)

—0—

अंक विभाजन : कुल अंक : 50,शोध आलेखः 30 अंक ,मौखिकी : 20 अंक

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे, –
प्राचार्य
शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)

2. डॉ. चित्तरंजन कर,
पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
छ.ग.शासन ,रायपुर –

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य – 21/8/18
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

1. श्री राजीव गुप्ता : सदस्य –
धनुहारडेरा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018

एम. ए. हिंदी

सेमेस्टर द्वितीय

अनिवार्य प्रश्न पत्र प्रथम

हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 1857 से आज तक) code 905

प्रस्तावना :

सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के साथ समूचे भारतीय समाज में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवर्तन होने लगे थे। इसका प्रभाव हिंदी भाषा और साहित्य पर भी दृष्टिगोचर होता है। एक ओर विभिन्न बोलियों का स्थान खड़ी बोली हिंदी ले रही थी, वहीं दूसरी ओर साहित्य के विषयों में भी स्वाधीनता आंदोलन एवं स्वतंत्रता के स्वर मिलने लगे। स्वतंत्रता के पहले और बाद अनेक प्रकार की विचारधाराएँ और शैलियाँ विकसित हुईं, जिनके विकास का क्रमबद्ध अध्ययन इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य है।

इस् प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से प्रश्न किये जाएंगे ।

पाठ्य विषय :

1. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राजक्रांति और पुनर्जागरण।
2. भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
3. द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
4. छायावादी युग : हिंदी स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम विकास : छायावादी काव्य –प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
5. उत्तर छायावाद : विविध प्रवृत्तियाँ : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता, उत्तरआधुनिकतावादी कविता, नारी विमर्श, दलित विमर्श : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
6. हिंदी गद्य साहित्य की प्रमुख विधाओं का विकास – कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज़ आदि ।
7. हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास।
8. उर्दू साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।
9. उड़िया साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।
10. हिंदीतर क्षेत्रों तथा देशांतर में हिंदी भाषा और साहित्य।

----00----

अंक विभाजन : कुल अंक 80

3 आलोचनात्मक प्रश्न	3×20 = 60 (इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघूत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी लेखन	3 ×5 = 15 (इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	5 ×1 = 05 (इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3डॉ. बिहारी लाल साहू –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7 श्री रामकुमार बंजारे –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह
2. दूसरी परम्परा की खोज : नामवर सिंह
3. छायावाद एवं अन्य निबंध : संपादक – सतीश चतुर्वेदी
4. आधुनिक हिंदी साहित्य की भूमिका : लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
5. आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकाल : श्रीनारायण चतुर्वेदी
6. आधुनिक हिंदी गद्य और गद्यकार : डॉ. जेकब पी. जॉर्ज
7. छायावादोत्तर हिंदी काव्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : डॉ. कमलाप्रसाद
8. उत्तरआधुनिक साहित्यिक विमर्श : सुधीश पचौरी
9. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : प्रो. सैयद ऐहतेशाम हुसैन
10. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. बापूराव देसाई
11. प्रगतिवादी काव्य में राजनीतिक एवं सामाजिक चेतना : डॉ. विद्या प्रधान
12. देरिदां : विखंडन की सैद्धांतिकी : सुधीश पचौरी
13. हिंदी आलोचना का विकास : नंदकिशोर नवल
14. हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत : योगेन्द्र प्रताप सिंह
15. ओडिया साहित्य का इतिहास : डॉ. पूर्णिमा केडिया
16. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : ओमप्रकाश वाल्मीकि
17. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह
18. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह
19. हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी : आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
20. आधुनिक साहित्य और प्रयोगवाद : डॉ. भास्कर भैया
21. स्त्रीत्ववादी विमर्श : समाज और साहित्य : क्षमा शर्मा
22. स्त्री विमर्श : साहित्यिक और व्यावहारिक संदर्भ : डॉ. करूणा उमरे
23. दलित साहित्य : प्रकृति और संदर्भ : डॉ. संजय नवले
24. दलित साहित्य : विविध आयाम : डॉ. सुनीता साखरे
25. नारी विमर्श की नई दिशाएँ : डॉ. रेणुका मोरे

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. डॉ. फूलदास महंत,
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़ : सदस्य –

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2013–14) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

2018–2019

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018
एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–द्वितीय
अनिवार्य प्रश्नपत्र द्वितीय
प्रेमाख्यानक काव्य और रीतिकाव्य Code 906

प्रस्तावना :

पूर्वमध्यकाल में सूफी काव्य की एक सशक्त धारा दिखाई देती है, जिसमें हिंदू और इस्लामी संस्कृति का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। उत्तरमध्यकालीन काव्य (रीतिकाव्य) अपनी कलात्मक अभिव्यंजना में बेजोड़ है। इनका अध्ययन समाज, संस्कृति और युग की धड़कनों को समग्रता में समझने के लिए अनिवार्य है।

इस प्रश्नपत्र में समादृत तीनों काव्य–कृतियों से आंतरिक विकल्प–युक्त व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प–युक्त लघूत्तरी /टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प–युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. जायसी : संक्षिप्त पद्मावत – (पद्मावती खण्ड एवं नागमती वियोग खण्ड)
   सम्पादक–श्यामसुंदर दास
2. घनानंद : घनानंद चयनिका
   सम्पादक – डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा (प्रारम्भिक 25 छंद)
3. बिहारी : बिहारी सार्द्धशती
   सम्पादक – ओमप्रकाश (प्रारम्भिक 100 दोहे)

द्रुत पाठ के कवि : केशव, देव, भूषण, सेनापति, पद्माकर

——00——

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

3 व्याख्यात्मक प्रश्न –3 × 10 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनो कृतियों से)
2 आलोचनात्मक प्रश्न –2× 15 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन–3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न–5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3डॉ. बिहारी लाल साहू –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले – Ushe
6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7 श्री रामकुमार बंजारे –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. घनानंद : काव्य और आलोचना : डॉ. किशोरीलाल
2. घनानंद का काव्य : डॉ. रामदेव शुक्ल
3. बिहारी भाष्य : डॉ. देशराजसिंह भाटी
4. बिहारी की काव्य–साधना : डॉ. देशराजसिंह भाटी
5. बिहारी : डॉ. राजकिशोर सिंह
6. बिहारी : आलोचनात्मक अध्ययन : डॉ. राजकिशोर सिंह
7. बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ. बच्चन सिंह
8. सूफी मत : डॉ. कन्हैया सिंह
9. पद्मावत का अनुशीलन : इंद्रचंद्र नारंग
10. जायसी : एक नई दृष्टि : डॉ. रघुवंश
11. रीतिकालीन कविता में भक्तितत्व : डॉ. उषा पुरी
12. हिंदी रीति साहित्य : डॉ. भगीरथ मिश्र
13. रीतिकालीन कवियों की प्रेम–व्यंजना : डॉ. बच्चन सिंह
14. रीतिकाव्य की इतिहास–दृष्टि : सुधीन्द्र कुमार
15. केशवदास : विजयपाल सिंह
16. केशव–काव्यसुधा : कृष्णदेव शर्मा
17. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी
18. हिंदी साहित्य का मध्यकाल : डॉ. ईश्वरदत्त शील
19. रीतिबद्ध काव्य में तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था का स्वरूप : डॉ. तारा श्रीवास्तव
20. बोधा के काव्य में जीवन–मूल्य : डॉ. वेदप्रकाश
21. रीतिमुक्त कवि ठाकुर और उनका काव्य : डॉ. जगदेवकुमार शर्मा
22. कवि आलम और उनकी आलमकेलि : डॉ. वेदप्रकाश
23. मध्ययुगीन रहस्यवादी प्रवृत्तियों के मूल स्रोत : डॉ. आनंदमोहन उपाध्याय
24. मध्यकालीन हिंदी काव्य : संपादक – डॉ. दिलीप मेहरा
25. भूषण का प्रशस्तिकाव्य : डॉ. रमा नवले

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास. बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. डॉ. फूलदास महंत,
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़ : सदस्य –

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

1. श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़
   : सदस्य –

.. 2018–20..

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018

एम. ए. हिंदी

सेमेस्टर–द्वितीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र तृतीय : हिंदी भाषा Code 907

प्रस्तावना :

भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकासक्रम, भौगोलिक विस्तार, भाषिक स्वरूप, विविधरूपता तथा हिंदी में कम्प्यूटर–सुविधाओं विषयक जानकारी एवं देवनागरी के वैशिष्ट्य, विकास और मानकीकरण का विवरण हिंदी के अध्येता के लिए अत्यंत उपयोगी है। हिंदी भाषा के विकास के आधुनिक चरण में कामकाजी हिंदी महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य–विषय से आलोचनात्मक/लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ प्रश्न/अति लघूत्तरी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :
   प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ –
   वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत– उनकी विशेषताएँ।
   मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ –
   पालि, प्राकृत – शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश– उनकी विशेषताएँ।
   आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ –वर्गीकरण।
2. हिंदी का भौगोलिक विस्तार :
   हिंदी की उपभाषाएँ –
   पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ।
   खड़ी बोली, ब्रज, अवधी– उनकी विशेषताएँ।
3. हिंदी का भाषिक स्वरूप:
   हिंदी शब्द–रचना –
   उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास।
   हिंदी रूप–रचना –
   लिंग, वचन, कारक–व्यवस्था, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप ।
   हिंदी वाक्य–रचना –
   पदक्रम और अन्विति।
4. हिंदी के विविध रूप–
   सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यम भाषा, संचार भाषा ।
   हिंदी की सांविधानिक स्थिति।
   कार्यालयीन हिंदी (राजभाषा) :
   प्रमुख प्रकार – प्रारूपण, टिप्पण, पत्र–लेखन, संक्षेपण, पल्लवन।
5. देवनागरी लिपि :
   व्युत्पत्ति, विशेषताएँ और मानकीकरण ।

—00—

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

03 आलोचनात्मक प्रश्न	–	3 × 20 = 60 (संपूर्ण पाठ्य विषय से)
03 लघूत्तरी प्रश्न	–	3 × 5 = 15 (संपूर्ण पाठ्य विषय से)
05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	5 × 1 = 05 (संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3डॉ. बिहारी लाल साहू –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7 श्री रामकुमार बंजारे –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा की संधि–संरचना : डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. हिंदी संज्ञा–संरचना और रूपिम : डॉ. प्रीति सोहनी
3. भारतीय आर्यभाषा ओर हिंदी : सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या
4. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास : डॉ. उदयनारायण तिवारी
5. भाषा एवं भाषाविज्ञान : महावीरसरन जैन
6. हिंदी भाषा : इतिहास एवं स्वरूप : डॉ. राजमणि शर्मा
7. हिंदी भाषा–संरचना के विविध आयाम : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
8. हिंदी भाषा का इतिहास : डॉ. भोलानाथ तिवारी
9. भाषा : इतिहास की भाषावैज्ञानिक भूमिका : जो. वांद्रियेज
10. भारतीय भाषाओं का भाषावैज्ञानिक अध्ययनः डॉ. ब्रजेश्वर शर्मा
11. भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा : द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
12. हिंदी शब्दानुशासन : पं. किशोरीदास बाजपेयी
13. अपभ्रंश के योग : नामवर सिंह
14. भाषा और प्रौद्योगिकी : डॉ. विनोद प्रसाद
15. भाषा और व्यवहार : ब्रजमोहन
16. हिंदी : विविध व्यवहारों की भाषा : सुवास कुमार
17. हिंदी की मानक वर्तनी : कैलाशचंद्र भाटिया
18. हिंदी भाषा : विकास और स्वरूप : कैलाशचंद्र भाटिया
19. भाषा चिंतन के नए आयाम : डॉ. रामकिशोर शर्मा
20. हिंदी व्याकरण मीमांसा : काशीराम शर्मा
21. वाक्य–संरचना और विश्लेषण : नए प्रतिमानः बदरीनाथ कपूर
22. हिंदी का वैश्विक परिदृश्य : डॉ. पंडित बन्ने

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर, –
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास. बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत, –
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014–15) :

1. श्री राजीव गुप्ता, : सदस्य –
   धनुहारडेरा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018
एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–द्वितीय
अनिवार्य प्रश्नपत्र – चतुर्थ
आधुनिक गद्य साहित्य : हिंदी उपन्यास एवं कहानी Code 908

प्रस्तावना :

आज गद्य साहित्य उपन्यास एवं कथा साहित्य जैसी विधाओं के साथ वामन से विराट हो गया है। हिंदी गद्य की विधाओं में आज उपन्यास और कहानी सर्वाधिक विकसित एवं लोकप्रिय हैं क्योंकि इसमें किसी क्षेत्र के विस्तृत या सीमित फलक पर घटित होने वाली ऐतिहासिक, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक घटनाओं तथा उनके परिप्रेक्ष्य में अनेक व्यक्ति–समूहों को चित्रित किया जाता है अतः इन विधाओं का अध्ययन अपेक्षित है। इन विधाओं के क्रमिक विकास के साथ कुछ कृतियों का अध्ययन भी अपेक्षित है।

इस प्रश्न पत्र में समादृत उपन्यासों/कहानियों से आंतरिक विकल्प युक्त तीन व्याख्यात्मक प्रश्न किये जायेंगे। उपन्यासों/कहानियों से आंतरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प युक्त लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जाएंगे। समूचे पाठ्य–विषय से विकल्प युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जा सकेंगे।

पाठ्य विषय :

उपन्यास :
1. गोदान : प्रेमचंद
2. पुनर्नवा : हजारीप्रसाद द्विवेदी

कहानी :
1. उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
2. आकाशदीप : जयशंकर प्रसाद
3. कफन : प्रेमचंद
4. वापसी : उषा प्रियंवदा

द्रुत पाठ :

उपन्यासकार : जैनेन्द्रकुमार, फणीश्वरनाथ रेणु , मन्नू भंडारी ।
कहानीकार : कमलेश्वर, कृष्णा सोबती, अमरकांत ।

——00——

अंक विभाजन : कुल अंक 80

03 व्याख्या – 3 × 10 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित उपन्यास/कहानियों से)
02 आलोचनात्मक प्रश्न – 2× 15 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित उपन्यास/कहानियों से)
03 लघूत्तरी प्रश्न – 3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
05 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न–5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3डॉ. बिहारी लाल साहू –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7 श्री रामकुमार बंजारे –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रेमचंद : एक विवेचन : डॉ. इंद्रनाथ मदान
2. प्रेमचंद का पुनर्मूल्यांकन : शंभूनाथ
3. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा
4. प्रेमचंद : संपादक – सत्येन्द्र
5. प्रेमचंद के उपन्यासों में व्यंग्यबोध : उर्मिला सिन्हा
6. आद्यबिम्ब और गोदान : कृष्णमुरारी मिश्र
7. आलोचनात्मक यथार्थवाद और प्रेमचंद : सत्यकाम
8. पुनर्नवा और लोकजीवन : सुरेन्द्रप्रताप यादव
9. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की साहित्य सर्जना : विंध्यवासिनीनंदन पाण्डेय
10. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यास : संस्कृति और इतिहास : डॉ. अरूण कुलकर्णी
11. हिंदी उपन्यास का विकास : मधुरेश
12. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास : इंद्रनाथ मदान

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर : अनुमोदित

हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर, –
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास. बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत, –
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014–15) :

1. श्री राजीव गुप्ता, : सदस्य –
   धनुहारडेरा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018
एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–द्वितीय
परियोजना–कार्य Code 918

प्रस्तावना :

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को विभाग द्वारा आबंटित पाठ्यक्रमेतर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का मौलिक रूप से शोध आलेख प्रस्तुत करना होगा। शोधार्थी को शोध–निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र–कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की स्वच्छ/स्व–हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निर्धारित विषय :

1. दलित गद्य साहित्य
2. हिंदी गद्य साहित्य में नारी–विमर्श
3. साठोत्तरी हिंदी कथा साहित्य
4. छत्तीसगढ़ का गद्य साहित्य
5. हिंदी कथा साहित्य में उत्तरआधुनिकता
6. हिंदीतर भाषा–साहित्य का अध्ययन
7. पाठ्यक्रमेतर आधुनिक हिंदी आलोचना/समीक्षा
8. हिंदीतर प्रदेशों में हिंदी का प्रयोग
9. हिंदी भाषा–शिक्षण का व्यावहारिक प्रयोग
10. विदेशों में हिंदी की लोकप्रियता
11. अन्य विषय : संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक (विभागीय संस्तुति से)

——0——

अंक विभाजन : कुल अंक – 50
शोध आलेख: 30 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 10)
मौखिकी : 20 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 08)

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास. बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. डॉ. फूलदास महंत,
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

कि. शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2017–2018 एवं 2018–2019

पाठ्यक्रम : हिंदी साहित्य

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर

क्र.	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम	अंक विभाजन				
			सेमे.परीक्षा		आंतरिक मूल्यांकन		योग
			अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम	
1.	प्रथम	आधुनिक हिंदी काव्य (छायावाद एवं राष्ट्रीय काव्य–धारा)	80	29	20	07	100
2.	द्वितीय	भारतीय काव्यशास्त्र	80	29	20	07	100
3.	तृतीय	पत्रकारिता प्रशिक्षण	80	29	20	07	100
4.	चतुर्थ	लोकसाहित्य	80	29	20	07	100
5.		परियोजना कार्य			50	18	50
			कुल				450

बैठक दिनांक : 30.11.2016

विभागाध्यक्ष – हिन्दी

विस्तृत पाठ्यक्रम एवं संदर्भ ग्रंथ सूची संलग्न

नोट : परीक्षार्थी को प्रत्येक प्रश्नपत्र में सेमेस्टर परीक्षा एवं आंतरिक मूल्याँकन परीक्षा में अलग–अलग 36 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

अध्ययन–मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर, –
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत, –
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

1. श्री राजीव गुप्ता : सदस्य –
   धनुहारडेरा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2017–2018 एवं 2018–2019

एम. ए. हिंदी:सेमेस्टर–तृतीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र–प्रथम

आधुनिक हिंदी काव्य–छायावाद एवं राष्ट्रीय काव्य धारा Code - 909

प्रस्तावना :

हिंदी की विशाल साहित्यिक परम्परा में भक्तिकाल के लोकजागरण के बाद नवोन्मेष का विकास छायावाद में ही दिखाई दिया। छायावाद परम्परा की समस्त विकास–प्रक्रिया को समेटते हुए नई–नई भावभूमि और नए–नए रूप विन्यास प्रस्तुत करने में मील का पत्थर साबित हुआ। उसने अपनी साहित्यिक यात्रा पग–पग न चलकर छलांग के द्वारा तय की। स्थूलता, इतिवृत्तात्मकता की जगह सूक्ष्मता, तथ्य की जगह विराट कल्पना, सामाजिक बोध की जगह व्यक्तित्व की स्वाधीनता, प्रकृति साहचर्य, मानव–प्रेम, वैयक्तिक प्रेम, उच्च नैतिक आदर्श, देश–भक्ति, राष्ट्रीय स्वाधीनता एवं सास्कृतिक जागरण का नया स्वर छायावाद में मुखरित हुआ। छायावाद नूतन और मौलिक शक्ति का काव्य है। इसमें 'स्व' की आभ्यंतरिक शक्ति अभिव्यंजित हुई है, जिसमें आत्मीयता, जीवन की लालसा, उच्चतर जीवन की आकांक्षा, त्याग, प्रेम का संदेश निहित है। इसीतरह दूसरी ओर राष्ट्रीय काव्यधारा में नवीन भावभूमि एवं वैचारिक गतिशीलता अवतरित हुई। आधुनिकता, इहलौकिकता, विश्वजनीनता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं।

इस प्रश्नपत्र में समादृत रचनाओं से आंतरिक विकल्प–युक्त व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प–युक्त लघूत्तरी /टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प–युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जाएगे।

पाठ्य–विषय :

1. मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम सर्ग)
2. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता, श्रद्धा एवं इड़ा सर्ग)
3. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति, कुकुरमुत्ता

द्रुत पठन : सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', हरिवंशराय बच्चन, मुकुटधर पाण्डेय।

—0—

अंक विभाजन : कुल अंक 80

3 व्याख्यात्मक प्रश्न –3 × 10 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित रचनाओं से)
2 आलोचनात्मक प्रश्न –2× 15 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित रचनाओं से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन–3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न–5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1 डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3 डॉ. बिहारी लाल साहू –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7 श्री रामकुमार बंजारे –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. छायावाद : नामवर सिंह
2. कामायनी : एक पुनर्विचार : ग.मा.मुक्तिबोध
3. छायावाद का सौंदर्यशास्त्रीय अध्ययन : कुमार विमल
4. हिंदी स्वच्छंदतावादी काव्य : प्रेमशंकर
5. कल्पना और छायावाद : केदारनाथ सिंह
6. निराला : रामविलास शर्मा
7. महादेवी : इंद्रनाथ मदान
8. निराला और मुक्तिबोध : चार लम्बी कविताएँ : नंदकिशोर नवल
9. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर
10. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
11. प्रसाद–निराला–अज्ञेय : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
12. जयशंकर प्रसाद : नंददुलारे वाजपेयी
13. कवि निराला : नंददुलारे वाजपेयी
14. कामायनी की टीका : विश्वम्भर 'मानव'
15. सुमित्रानंदन पंत की भाषा : उषा दीक्षित
16. मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन : डॉ. नगेन्द्र
17. छायावादी काव्य : डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा
18. निराला की काव्य–दृष्टि : डॉ. रामकृष्ण कौशिक
19. साकेत : समीक्षा : ऋचा मिश्रा
20. कामायनी–लोचन – खण्ड एक एवं दो : डॉ. उदयभानु सिंह
21. छायावाद और निराला : डॉ. वीणा दाढ़े
22. छायावाद की सही परख–पहचान : डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित

अध्ययन–मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,** –
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. **डॉ. फूलदास महंत,** –
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

1. श्री राजीव गुप्ता : सदस्य –
   धनुहारडेरा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2017–2018 एवं 2018–2019

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–तृतीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र–द्वितीय : भारतीय काव्यशास्त्र code - 910

प्रस्तावना :

रचना के वैशिष्ट्य और मूल्यबोध के उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। इससे साहित्यिक समझ विकसित होती है तथा वह दृष्टि मिलती है जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख की जा सके। हमारे सामाजिक–सांस्कृतिक परिवेश के साथ रचना का आस्वाद प्राप्त करने, रचना को उसकी समग्रता में समझने और विश्लेषण के लिए भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांत और साहित्यालोचन की विविध शैलियों का अध्ययन आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में खण्ड (क) से 02, खण्ड (ख) से 01 आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे जिनमें आंतरिक विकल्प रहेगा। लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन/ वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्नों मे आंतरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय :

(क)संस्कृत काव्यशास्त्र : काव्य–लक्षण, काव्य हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य के प्रकार।

1.रस सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

2. अलंकार सिद्धांतः मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

3. रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा,काव्य–गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

4. वक्रोक्ति सिद्धांतः वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद

5. ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत–व्यंग्य, चित्र–काव्य।

6. औचित्य सिद्धांतः प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

(ख) आधुनिक हिंदी समीक्षा :

(1)आधुनिक हिंदी के प्रमुख समीक्षक एवं उनकी समीक्षा शैलियाँ :
आचार्य रामचद्र शुक्ल, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ.नगेन्द्र, डॉ.रामविलास शर्मा।

(2) हिंदी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ :
शास्त्रीय,व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक,तुलनात्मक,प्रभाववादी,मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय, शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय।

—0—

अंक विभाजन : **कुल अंक 80**

3 आलोचनात्मक प्रश्न 3 × 20 = 60 (खण्ड क से 02, खण्ड ख से 01)

3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी 3 × 05 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न 5 × 01 = 5 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3डॉ. बिहारी लाल साहू –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7 श्री रामकुमार बंजारे –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : मूलजी भाई वी. पटेल
2. भारतीय काव्यसिद्धांत : डॉ. राजकिशोर सिंह
3. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा : डॉ. नगेन्द्र
4. ध्वनि सिद्धांत और व्यंजना–वृत्ति–विवेचन : डॉ. गयाप्रसाद
5. रस सिद्धांत का पुनर्विवेचन : डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
6. रस सिद्धांत : डॉ. नगेन्द्र
7. भारतीय काव्यशास्त्र : सिद्धांत और समस्याएँ : डॉ. सुधांशु कूमार शुक्ल
8. वस्तुनिष्ठ काव्यशास्त्र : बालेन्दु शेखर तिवारी
9. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा : रामचंद्र तिवारी
10. हिंदी आलोचना का विकास : नंदकिशोर नवल
11. व्यावहारिक समीक्षा : पूर्णमासी राय
12. हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत : योगेन्द्र प्रताप सिंह
13. हिंदी साहित्यशास्त्र : नंदकिशोर नवल
14. मार्क्सवादी, समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना : पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु
15. इतिहास और आलोचना के वस्तुवादी सरोकार : निर्मला जैन
16. हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी : निर्मला जैन
17. हिंदी आलोचना के आधारस्तम्भ : रामेश्वर खंडेलवाल, सुरेशचंद्र गुप्त
18. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी समीक्षा सिद्धांत : डॉ. ब्रम्हदेव मिश्र
19. हिंदी आलोचना की परम्परा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल : डॉ. शिवकुमार मिश्र
20. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. विश्वम्भरनाथ उपाध्याय
21. भारतीय काव्य विमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी
22. सौंदर्यशास्त्रीय समीक्षा : एस.टी.नरसिंहाधिकारी
23. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. उमेश कुमार सिंह

अध्ययन–मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर : अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. डॉ. फूलदास महंत,
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :
श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2017–2018 एवं 2018–2019
एम. ए. हिंदी :सेमेस्टर–तृतीय
अनिवार्य प्रश्नपत्र–तृतीय
पत्रकारिता प्रशिक्षण Code 911

प्रस्तावना :

पत्रकारिता आज जनजीवन की धड़कन बन गई है, सिमटते विश्व में स्नायु–तंतुओं की तरह काम कर रही है। दैनिक समाचार पत्र से लेकर साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक, त्रैमासिक, वार्षिक पत्रिकाओं, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट आदि में इसका विकसित रूप देखा जा सकता है। इसके बिना आज आदमी का रहना कठिन है। अतः पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक विवेचन रोजगारपरकता की दिशा में एक कदम है।

इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य–विषय से आंतरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न/लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य–विषय :

1. पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार।
2. विश्व पत्रकारिता का उदय।
3. हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।
4. समाचार–पत्रकारिता के मूल तत्व : समाचार–संकलन एवं लेखन के मूल आयाम।
5. सम्पादन–कला के सामान्य सिद्धांत : शीर्षकीकरण, पृष्ठ–विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति–प्रक्रिया।
6. समाचार पत्रों के विभिन्न स्तम्भों की योजना।
7. दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।
8. समाचार के विभिन्न स्रोत।
9. संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्य–पद्धति।
10. सम्पादकीय लेखन, साक्षात्कार, पत्रकार–वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन।
11. प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता।
12. प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

—0—

कुल अंक 80

अंक विभाजन :

3 आलोचनात्मक प्रश्न	3 × 20	= 60 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी	3 × 05	= 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	5 × 01	= 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3. डॉ. बिहारी लाल साहू –
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5. डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6. डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7. श्री रामकुमार बंजारे –
8. श्री नवनीत जगतरामका –
9. श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. पत्रकारिता एवं जनसम्पर्क : टी.डी.एस.आलोक
2. हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार : डॉ. ठाकुरदत्त शर्मा 'आलोक'
3. पत्रकारिता एवं राष्ट्रीय चेतना का विकास : डॉ. अर्जुन तिवारी
4. हिंदी पत्रकारिता : कृष्णबिहारी मिश्र
5. पत्रकारिता : विविध विधाएँ : डॉ. राजकुमारी रानी
6. आधुनिक समाचार पत्र प्रबंधन : अनिल किशोर पुरोहित
7. हिंदी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास : डॉ. अर्जुन तिवारी
8. पत्रकारिता : मिशन से मीडिया तक : अखिलेश मिश्र
9. प्रेस विधि : डॉ. नंदकिशोर त्रिखा
10. समाचार और संवाददाता : काशीनाथ गोविंद जोगलेकर
11. पत्रकारिता की चुनौतियाँ : गणेश मंत्री
12. हिंदी पत्रकारिता : कल, आज और कल : सुरेश गौतम
13. समाचार सम्पादन : कमल दीक्षित, महेश दर्पण
14. भेंटवार्ता और प्रेस कान्फ्रेन्स : प्रो. नंदकिशोर त्रिखा
15. समाचार पत्र प्रबंधन : डॉ. गुलाब कोठारी
16. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ : विनोद गोदरे
17. पत्रकारिता के नये परिप्रेक्ष्य : राजकिशोर
18. कॉपीराइट : कमलेश जैन
19. सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र : रवीन्द्र शुक्ला
20. पत्रकारिता के नए आयाम : एस.के.दुबे

अध्ययन–मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,**
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर – 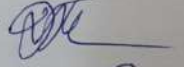
2. **डॉ. फूलदास महंत,**
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़ 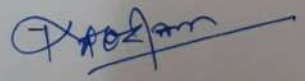

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य – 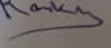

औद्योगिक / निगम क्षेत्र : : सदस्य –

1. **श्री नवनीत जगतरामका,**
   प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) : : सदस्य –
श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ 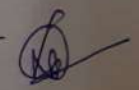

प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

एम. ए. हिंदी :सेमेस्टर–तृतीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र–चतुर्थ

लोक साहित्य Code - 912

प्रस्तावना :

हिंदी जगत की बोलियों या विभाषाओं में अमूल्य लोकसाहित्य–संपदा विद्यमान है। इसके संकलन, संपादन, सर्वेक्षण, प्रकाशन द्वारा ही अपनी मूल राष्ट्रीय संस्कृति को संरक्षित किया जा सकता है और हिंदी का जनाधार बढ़ाया जा सकता है। अस्तु, इसके अध्ययन की उपयोगिता निर्विवाद है।

इस प्रश्नपत्र में समादृत पाठ्य–विषय से आंतरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न/लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. लोक की अवधारणा :
   'लोक' शब्द की व्युत्पत्ति।
2. लोक साहित्य का स्वरूप :
   परिभाषा एवं विशेषताएँ, लोकसाहित्य एवं शिष्ट साहित्य में साम्य–भेद।
3. लोक संस्कृति की अवधारणा :
   लोकवार्त्ता और लोकसंस्कृति, लोकसंस्कृति और साहित्य।
4. लोक साहित्य के परिप्रेक्ष्य:
   सामाजिक, आर्थिक, नैतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय तथा भाषाशास्त्रीय
5. लोक साहित्य के विविध रूप :
   लोक–गीत, लोक–नाट्य, लोक–कथा, लोक–गाथा, लोक–नृत्य, लोक–संगीत, लोक–सुभाषित, मुहावरें, कहावतें, पहेलियाँ।
6. लोक साहित्य का भाव एवं शिल्प सौन्दर्य:
   विषय, भाव–व्यंजना, रस–परिपाक, भाषा, अलंकार–योजना, छंद–विधान, प्रतीकात्मकता।
7. लोक साहित्य की उपयोगिता, महत्व एवं चुनौतियाँ।

----0----

अंक विभाजन : कुल अंक 80

3 आलोचनात्मक प्रश्न	3 × 20	= 60 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी	3 × 05	= 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	5 × 01	= 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3. डॉ. बिहारी लाल साहू –
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5. डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6. डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7. श्री रामकुमार बंजोर –
8. श्री नवनीत जगतरामका –
9. श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1.	लोकसाहित्य की भूमिका	: डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
2.	खड़ी बोली का लोकसाहित्य	: डॉ. सत्या गुप्त
3.	लोक : परंपरा, पहचान एवं प्रवाह	: डॉ. श्यामसुंदर दुबे
4.	भारत में लोकसाहित्य	: डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
5.	लोकसाहित्य समग्र	: डॉ. रामनारायण उपाध्याय
6.	लोकसाहित्य और संस्कृति	: डॉ. दिनेश्वर प्रसाद
7.	मानव और संस्कृति	: डॉ. श्यामाचरण दुबे
8.	लोकसाहित्य : अर्थ और व्याप्ति	: डॉ. सुरेश गौतम
9.	लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति	: डॉ. उषा सक्सेना
10.	लोकसाहित्य शास्त्र	: डॉ. बापूराव देसाई
11.	लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति	: डॉ. रामनिवास शर्मा
12.	लोकसाहित्य	: डॉ. शशिकांत सोनवणे
13.	लोकसाहित्य : विविध आयाम	: डॉ. जयश्री गावित
14.	हिंदी लोकसाहित्यशास्त्र	: डॉ. अनसुइया अग्रवाल
15.	लोकसंस्कृति की रूपरेखा	: डॉ. कष्णदेव उपाध्याय
16.	मध्यप्रदेश का लोकसंगीत	: शरीफ मोहम्मद
17.	भारत के लोकनृत्य	: शरीफ मोहम्मद
18.	लोकगीतों के संदर्भ और आयाम	: डॉ. शांति जैन
19.	हिंदी प्रदेश के लोकगीत	: डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
20.	भारतीय लोकसाहित्य की रूपरेखा	: दुर्गा भागवत
21.	लोकसाहित्य के स्वरूप का सैद्धांतिक विवेचन	: डॉ. नारायण चौधरी

अध्ययन–मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,**
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. **डॉ. फूलदास महंत,**
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़ –

विभागीय सदस्य :

1.	डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी	: अध्यक्ष	–
2.	डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी	: सदस्य	–
3.	डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी	: सदस्य	–
4.	श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी	: सदस्य	–

औद्योगिक/निगम क्षेत्र : : सदस्य –

1. **श्री नवनीत जगतरामका,**
   प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) : : सदस्य –

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़
: सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2017–2018 एवं 2018–2019
एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–तृतीय
परियोजना कार्य code - 919

प्रस्तावना :

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को पाठ्यक्रमेतर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का शोध आलेख तैयार करना होगा। शोधार्थी को शोध–निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र–कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की स्वच्छ हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निर्धारित विषय 1. रायगढ़ जिले का लोकसाहित्य

1. जिले के लोक–गीतों/लोक–कथाओं का संकलन
2. जिले की कहावतों एवं मुहावरों का संकलन
3. रायगढ़ जिले के किसी एक स्थानीय समाचार पत्र का तथ्यपरक विवेचन
4. हिंदी में प्रकाशित होने वाली साहित्यिक पत्रिकाएँ
5. रायगढ़ जिले के साहित्यिक/सांस्कृतिक आयोजनों का प्रतिवेदन
6. उद्घोषणा लेखन/महाविद्यालयीन–विभागीय कार्यक्रमों का शोधपरक प्रतिवेदन
7. पाठ्येतर आधुनिक कवि (हिंदी/छत्तीसगढ़ी) का प्रदेय
8. छायावाद एवं राष्ट्रीय काव्यधारा के किसी एक कवि/काव्य–कृति (हिंदी/छत्तीसगढ़ी) का वैशिष्ट्य
9. आधुनिक नाटक/लोकनाट्य/रंगमंच का सामाजिक प्रभाव
10. भारतीय काव्यशास्त्र के किसी एक सिद्धांत/आधुनिक हिंदी समीक्षक/हिंदी आलोचना की प्रवृत्ति से संबंधित समीक्षा
11. संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक अन्य विषय (विभागीय संस्तुति से)

——0——

अंक विभाजन : कुल अंक – 50
शोध आलेख: 30 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 10)
मौखिकी : 20 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 08)

अध्ययन–मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर : अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,**
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. **डॉ. फूलदास महंत,**
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष–
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य–
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य–
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य–

औद्योगिक/निगम क्षेत्र : : सदस्य–

1. **श्री नवनीत जगतरामका,**
   प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) : : सदस्य–

1. **श्री राजीव गुप्ता,**
   धनुहारडेरा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2017–2018 एवं 2018–2019
एम. ए. हिंदीःसेमेस्टर–तृतीय
अनिवार्य प्रश्नपत्र–प्रथम
आधुनिक हिंदी काव्य–छायावाद एवं राष्ट्रीय काव्य धारा code 909

प्रस्तावना :

हिंदी की विशाल साहित्यिक परम्परा में भक्तिकाल के लोकजागरण के बाद नवोन्मेष का विकास छायावाद में ही दिखाई दिया। छायावाद परम्परा की समस्त विकास–प्रक्रिया को समेटते हुए नई–नई भावभूमि और नए–नए रूप विन्यास प्रस्तुत करने में मील का पत्थर साबित हुआ। उसने अपनी साहित्यिक यात्रा पग–पग न चलकर छलांग के द्वारा तय की। स्थूलता, इतिवृत्तात्मकता की जगह सूक्ष्मता, तथ्य की जगह विराट कल्पना, सामाजिक बोध की जगह व्यक्तित्व की स्वाधीनता, प्रकृति साहचर्य, मानव–प्रेम, वैयक्तिक प्रेम, उच्च नैतिक आदर्श, देश–भक्ति, राष्ट्रीय स्वाधीनता एवं सांस्कृतिक जागरण का नया स्वर छायावाद में मुखरित हुआ। छायावाद नूतन और मौलिक शक्ति का काव्य है। इसमें 'स्व' की आभ्यंतरिक शक्ति अभिव्यंजित हुई है, जिसमें आत्मीयता, जीवन की लालसा, उच्चतर जीवन की आकांक्षा, त्याग, प्रेम का संदेश निहित है। इसीतरह दूसरी ओर राष्ट्रीय काव्यधारा में नवीन भावभूमि एवं वैचारिक गतिशीलता अवतरित हुई। आधुनिकता, इहलौकिकता, विश्वजनीनता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं।

इस प्रश्नपत्र में समादृत रचनाओं से आंतरिक विकल्प–युक्त व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प–युक्त लघूत्तरी /टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प–युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य–विषय :

1. मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम सर्ग)
2. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता, श्रद्धा एवं इड़ा सर्ग)
3. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति, कुकुरमुत्ता

द्रुत पठन : सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', हरिवंशराय बच्चन, मुकुटधर पाण्डेय।

—0—

अंक विभाजन : कुल अंक 80

3 व्याख्यात्मक प्रश्न –3 × 10 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित रचनाओं से)
2 आलोचनात्मक प्रश्न –2× 15 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित रचनाओं से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन–3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न–5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर	–	2. डॉ. फूलदास महंत	–
3डॉ. बिहारी लाल साहू	–	4 डॉ. मीनकेतन प्रधान	–
5 डॉ. उषा बैरागकर आठले	–	6 डॉ. वेदियार सिंह साहू	–
7 श्री रामकुमार बंजारे	–	8 श्री नवनीत जगतरामका	–
9 श्री राजीव गुप्ता	–		

संदर्भ ग्रंथ :

1. छायावाद : नामवर सिंह
2. कामायनी : एक पुनर्विचार : ग.मा.मुक्तिबोध
3. छायावाद का सौंदर्यशास्त्रीय अध्ययन : कुमार विमल
4. हिंदी स्वच्छंदतावादी काव्य : प्रेमशंकर
5. कल्पना और छायावाद : केदारनाथ सिंह
6. निराला : रामविलास शर्मा
7. महादेवी : इंद्रनाथ मदान
8. निराला और मुक्तिबोध : चार लम्बी कविताएँ : नंदकिशोर नवल
9. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर
10. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
11. प्रसाद–निराला–अज्ञेय : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
12. जयशंकर प्रसाद : नंददुलारे वाजपेयी
13. कवि निराला : नंददुलारे वाजपेयी
14. कामायनी की टीका : विश्वम्भर 'मानव'
15. सुमित्रानंदन पंत की भाषा : उषा दीक्षित
16. मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन : डॉ. नगेन्द्र
17. छायावादी काव्य : डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा
18. निराला की काव्य–दृष्टि : डॉ. रामकृष्ण कौशिक
19. साकेत : समीक्षा : ऋचा मिश्रा
20. कामायनी–लोचन – खण्ड एक एवं दो : डॉ. उदयभानु सिंह
21. छायावाद और निराला : डॉ. वीणा दाढ़े
22. छायावाद की सही परख–पहचान : डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित

अध्ययन–मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित

हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. डॉ. फूलदास महंत,
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहारी लाल साहू,
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़ : सदस्य –

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

1. श्री राजीव गुप्ता
   धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2017–2018 एवं 2018–2019

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–तृतीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र–द्वितीय : भारतीय काव्यशास्त्र code 910

प्रस्तावना :

रचना के वैशिष्ट्य और मूल्यबोध के उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। इससे साहित्यिक समझ विकसित होती है तथा वह दृष्टि मिलती है जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख की जा सके। हमारे सामाजिक–सांस्कृतिक परिवेश के साथ रचना का आस्वाद प्राप्त करने, रचना को उसकी समग्रता में समझने और विश्लेषण के लिए भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांत और साहित्यालोचन की विविध शैलियों का अध्ययन आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में खण्ड (क) से 02, खण्ड (ख) से 01 आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे जिनमें आंतरिक विकल्प रहेगा। लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन/ वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्नों मे आंतरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय :

(क)संस्कृत काव्यशास्त्र : काव्य–लक्षण, काव्य हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य के प्रकार।

1.रस सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

2. अलंकार सिद्धांतः मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

3. रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा,काव्य–गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

4. वक्रोक्ति सिद्धांतः वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद

5. ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत–व्यंग्य, चित्र–काव्य।

6. औचित्य सिद्धांतः प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

(ख) आधुनिक हिंदी समीक्षा :

(1)आधुनिक हिंदी के प्रमुख समीक्षक एवं उनकी समीक्षा शैलियाँ :
आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ.नगेन्द्र, डॉ.रामविलास शर्मा।

(2) हिंदी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ :
शास्त्रीय,व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक,तुलनात्मक,प्रभाववादी,मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय, शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय।

—0—

अंक विभाजन : कुल अंक 80

3 आलोचनात्मक प्रश्न 3 × 20 = 60 (खण्ड क से 02, खण्ड ख से 01)

3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी 3 × 05 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न 5 × 01 = 5 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2.डॉ. फूलदास महंत –
3डॉ. बिहारी लाल साहू –
4 डॉ. गीनकेतन प्रधान –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7 श्री रामकुमार बंजारे –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : मूलजी भाई वी. पटेल
2. भारतीय काव्यसिद्धांत : डॉ. राजकिशोर सिंह
3. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा : डॉ. नगेन्द्र
4. ध्वनि सिद्धांत और व्यंजना–वृत्ति–विवेचन : डॉ. गयाप्रसाद
5. रस सिद्धांत का पुनर्विवेचन : डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
6. रस सिद्धांत : डॉ. नगेन्द्र
7. भारतीय काव्यशास्त्र : सिद्धांत और समस्याएँ : डॉ. सुधांशु कूमार शुक्ल
8. वस्तुनिष्ठ काव्यशास्त्र : बालेन्दु शेखर तिवारी
9. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा : रामचंद्र तिवारी
10. हिंदी आलोचना का विकास : नंदकिशोर नवल
11. व्यावहारिक समीक्षा : पूर्णमासी राय
12. हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत : योगेन्द्र प्रताप सिंह
13. हिंदी साहित्यशास्त्र : नंदकिशोर नवल
14. मार्क्सवादी, समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना : पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु
15. इतिहास और आलोचना के वस्तुवादी सरोकार : निर्मला जैन
16. हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी : निर्मला जैन
17. हिंदी आलोचना के आधारस्तम्भ : रामेश्वर खंडेलवाल, सुरेशचंद्र गुप्त
18. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी समीक्षा सिद्धांत : डॉ. ब्रम्हदेव मिश्र
19. हिंदी आलोचना की परम्परा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल : डॉ. शिवकुमार मिश्र
20. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. विश्वम्भरनाथ उपाध्याय
21. भारतीय काव्य विमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी
22. सौंदर्यशास्त्रीय समीक्षा : एस.टी.नरसिंहाधिकारी
23. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. उमेश कुमार सिंह

अध्ययन–मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,**
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. **डॉ. फूलदास महंत,**
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरानका,
   प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स,रायगढ़ : सदस्य –

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2017–2018 एवं 2018–2019
एम. ए. हिंदी :सेमेस्टर–तृतीय
अनिवार्य प्रश्नपत्र–तृतीय
पत्रकारिता प्रशिक्षण code 911

प्रस्तावना :

पत्रकारिता आज जनजीवन की धड़कन बन गई है, सिमटते विश्व में स्नायु–तंतुओं की तरह काम कर रही है। दैनिक समाचार पत्र से लेकर साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक, त्रैमासिक, वार्षिक पत्रिकाओं, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट आदि में इसका विकसित रूप देखा जा सकता है। इसके बिना आज आदमी का रहना कठिन है। अतः पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक विवेचन रोजगारपरकता की दिशा में एक कदम है।

इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य–विषय से आंतरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न/लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य–विषय :

1. पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार।
2. विश्व पत्रकारिता का उदय।
3. हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।
4. समाचार–पत्रकारिता के मूल तत्व : समाचार–संकलन एवं लेखन के मूल आयाम।
5. सम्पादन–कला के सामान्य सिद्धांत : शीर्षकीकरण, पृष्ठ–विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति–प्रक्रिया।
6. समाचार पत्रों के विभिन्न स्तम्भों की योजना।
7. दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।
8. समाचार के विभिन्न स्रोत।
9. संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्य–पद्धति।
10. सम्पादकीय लेखन, साक्षात्कार, पत्रकार–वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन।
11. प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता।
12. प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ रतम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

—0—

अंक विभाजन : कुल अंक 80

3 आलोचनात्मक प्रश्न	3 × 20	= 60 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी	3 × 05	= 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	5 × 01	= 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3. डॉ. बिहारी लाल साहू –
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5. डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6. डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7. श्री रामकुमार बंजारे –
8. श्री नवनीत जगतरामका –
9. श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. पत्रकारिता एवं जनसम्पर्क : टी.डी.एस.आलोक
2. हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार : डॉ. ठाकुरदत्त शर्मा 'आलोक'
3. पत्रकारिता एवं राष्ट्रीय चेतना का विकास : डॉ. अर्जुन तिवारी
4. हिंदी पत्रकारिता : कृष्णबिहारी मिश्र
5. पत्रकारिता : विविध विधाएँ : डॉ. राजकुमारी रानी
6. आधुनिक समाचार पत्र प्रबंधन : अनिल किशोर पुरोहित
7. हिंदी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास : डॉ. अर्जुन तिवारी
8. पत्रकारिता : मिशन से मीडिया तक : अखिलेश मिश्र
9. प्रेस विधि : डॉ. नंदकिशोर त्रिखा
10. समाचार और संवाददाता : काशीनाथ गोविंद जोगलेकर
11. पत्रकारिता की चुनौतियाँ : गणेश मंत्री
12. हिंदी पत्रकारिता : कल, आज और कल : सुरेश गौतम
13. समाचार सम्पादन : कमल दीक्षित, महेश दर्पण
14. भेंटवार्ता और प्रेस कान्फ्रेन्स : प्रो. नंदकिशोर त्रिखा
15. समाचार पत्र प्रबंधन : डॉ. गुलाब कोठारी
16. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ : विनोद गोदरे
17. पत्रकारिता के नये परिप्रेक्ष्य : राजकिशोर
18. कॉपीराइट : कमलेश जैन
19. सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र : रवीन्द्र शुक्ला
20. पत्रकारिता के नए आयाम : एस.के.दुबे

अध्ययन–मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,**
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर –
2. **डॉ. फूलदास महंत,**
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. वेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार वंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,**
   प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स,रायगढ़ : सदस्य –

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

एम. ए. हिंदी :सेमेस्टर–तृतीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र–चतुर्थ

लोक साहित्य code 912

प्रस्तावना :

हिंदी जगत की बोलियों या विभाषाओं में अमूल्य लोकसाहित्य–संपदा विद्यमान है। इसके संकलन, संपादन, सर्वेक्षण, प्रकाशन द्वारा ही अपनी मूल राष्ट्रीय संस्कृति को संरक्षित किया जा सकता है और हिंदी का जनाधार बढ़ाया जा सकता है। अस्तु, इसके अध्ययन की उपयोगिता निर्विवाद है।

इस प्रश्नपत्र में समादृत पाठ्य–विषय से आंतरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न/लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. लोक की अवधारणा :
   'लोक' शब्द की व्युत्पत्ति।
2. लोक साहित्य का स्वरूप :
   परिभाषा एवं विशेषताएँ, लोकसाहित्य एवं शिष्ट साहित्य में साम्य–भेद।
3. लोक संस्कृति की अवधारणा :
   लोकवार्त्ता और लोकसंस्कृति, लोकसंस्कृति और साहित्य।
4. लोक साहित्य के परिप्रेक्ष्य:
   सामाजिक, आर्थिक, नैतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय तथा भाषाशास्त्रीय
5. लोक साहित्य के विविध रूप :
   लोक–गीत, लोक–नाट्य, लोक–कथा, लोक–गाथा, लोक–नृत्य, लोक–संगीत, लोक–सुभाषित, मुहावरें, कहावतें, पहेलियाँ।
6. लोक साहित्य का भाव एवं शिल्प सौन्दर्य:
   विषय, भाव–व्यंजना, रस–परिपाक, भाषा, अलंकार–योजना, छंद–विधान, प्रतीकात्मकता।
7. लोक साहित्य की उपयोगिता, महत्व एवं चुनौतियाँ।

—0—

अंक विभाजन : फुल अंक 80

3 आलोचनात्मक प्रश्न	3 × 20 = 60	(प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी	3 × 05 = 15	(प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	5 × 01 = 05	(प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3 डॉ. बिहारी लाल साहू –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ. उपा वैरागकर आठले –
6 डॉ. वेठियार सिंह साहू –
7 श्री रामकुमार बंजोर –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. लोकसाहित्य की भूमिका : डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
2. खड़ी बोली का लोकसाहित्य : डॉ. सत्या गुप्त
3. लोक : परंपरा, पहचान एवं प्रवाह : डॉ. श्यामसुंदर दुबे
4. भारत में लोकसाहित्य : डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
5. लोकसाहित्य समग्र : डॉ. रामनारायण उपाध्याय
6. लोकसाहित्य और संस्कृति : डॉ. दिनेश्वर प्रसाद
7. मानव और संस्कृति : डॉ. श्यामाचरण दुबे
8. लोकसाहित्य : अर्थ और व्याप्ति : डॉ. सुरेश गौतम
9. लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति : डॉ. उषा सक्सेना
10. लोकसाहित्य शास्त्र : डॉ. बापूराव देसाई
11. लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति : डॉ. रामनिवास शर्मा
12. लोकसाहित्य : डॉ. शशिकांत सोनवणे
13. लोकसाहित्य : विविध आयाम : डॉ. जयश्री गावित
14. हिंदी लोकसाहित्यशास्त्र : डॉ. अनसुइया अग्रवाल
15. लोकसंस्कृति की रूपरेखा : डॉ. कष्णदेव उपाध्याय
16. मध्यप्रदेश का लोकसंगीत : शरीफ मोहम्मद
17. भारत के लोकनृत्य : शरीफ मोहम्मद
18. लोकगीतों के संदर्भ और आयाम : डॉ. शांति जैन
19. हिंदी प्रदेश के लोकगीत : डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
20. भारतीय लोकसाहित्य की रूपरेखा : दुर्गा भागवत
21. लोकसाहित्य के स्वरूप का सैद्धांतिक विवेचन : डॉ. नारायण चौधरी

अध्ययन–मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. डॉ. फूलदास महंत,
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2017–2018 एवं 2018–2019
एम. ए. हिंदी : रोगेस्टर–तृतीय
परियोजना कार्य Code 919

प्रस्तावना :

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को पाठ्यक्रमेतर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का शोध आलेख तैयार करना होगा। शोधार्थी को शोध–निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र–कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की स्वच्छ हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निर्धारित विषय 1. रायगढ़ जिले का लोकसाहित्य

1. जिले के लोक–गीतों/लोक–कथाओं का संकलन
2. जिले की कहावतों एवं मुहावरों का संकलन
3. रायगढ़ जिले के किसी एक स्थानीय समाचार पत्र का तथ्यपरक विवेचन
4. हिंदी में प्रकाशित होने वाली साहित्यिक पत्रिकाएँ
5. रायगढ़ जिले के साहित्यिक/सांस्कृतिक आयोजनों का प्रतिवेदन
6. उद्घोषणा लेखन/महाविद्यालयीन–विभागीय कार्यक्रमों का शोधपरक प्रतिवेदन
7. पाठ्येतर आधुनिक कवि (हिंदी/छत्तीसगढ़ी) का प्रदेय
8. छायावाद एवं राष्ट्रीय काव्यधारा के किसी एक कवि/काव्य–कृति (हिंदी/छत्तीसगढ़ी) का वैशिष्ट्य
9. आधुनिक नाटक/लोकनाट्य/रंगमंच का सामाजिक प्रभाव
10. भारतीय काव्यशास्त्र के किसी एक सिद्धांत/आधुनिक हिंदी समीक्षक/हिंदी आलोचना की प्रवृत्ति से संबंधित समीक्षा
11. संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक अन्य विषय (विभागीय संस्तुति से)

——0——

अंक विभाजन : कुल अंक – 50
शोध आलेख: 30 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 10)
मौखिकी : 20 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 08)

अध्ययन–मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर : अनुमोदित हस्ताक्षर–

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. डॉ. फूलदास महंत,
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. गीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष–
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य–
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य–
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य–

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य–
   प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

1. श्री राजीव गुप्ता, : सदस्य–
   धनुहारडेरा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2019–2020 एवं 2020–2021
एम. ए. हिंदी:सेमेस्टर–तृतीय
अनिवार्य प्रश्नपत्र–प्रथम
आधुनिक हिंदी काव्य–छायावाद एवं राष्ट्रीय काव्य धारा code 9

प्रस्तावना :

हिंदी की विशाल साहित्यिक परम्परा में भक्तिकाल के लोकजागरण के बाद नवोन्मेष का विकास छायावाद में ही दिखाई दिया। छायावाद परम्परा की समस्त विकास–प्रक्रिया को समेटते हुए नई–नई भावभूमि और नए–नए रूप विन्यास प्रस्तुत करने में मील का पत्थर साबित हुआ। उसने अपनी साहित्यिक यात्रा पग–पग न चलकर छलांग के द्वारा तय की। स्थूलता, इतिवृत्तात्मकता की जगह सूक्ष्मता, तथ्य की जगह विराट कल्पना, सामाजिक बोध की जगह व्यक्तित्व की स्वाधीनता, प्रकृति साहचर्य, मानव–प्रेम, वैयक्तिक प्रेम, उच्च नैतिक आदर्श, देश–भक्ति, राष्ट्रीय स्वाधीनता एवं सांस्कृतिक जागरण का नया स्वर छायावाद में मुखरित हुआ। छायावाद नूतन और मौलिक भावित का काव्य है। इसमें 'स्व' की आभ्यंतरिक भावित अभिव्यंजित हुई है, जिसमें आत्मीयता, जीवन की लालसा, उच्चतर जीवन की आकांक्षा, त्याग, प्रेम का संदेश निहित है। इसीतरह दूसरी ओर राष्ट्रीय काव्यधारा में नवीन भावभूमि एवं वैचारिक गतिशीलता अवतरित हुई। आधुनिकता, इहलौकिकता, विश्वजनीनता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं।

इस प्रश्न पत्र में समादृत काव्य कृतियों से 03 व्याख्यात्मक ,03 आलोचनात्मक प्रश्न एवं द्रुत पाठ से लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्न किए जाएंगे,जिनमें आंतरिक विकल्प होगा। संपूर्ण पाठ्य–विषय से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य–विषय :

1. मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम सर्ग)
2. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता, श्रद्धा ईड़ा सर्ग)
3. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति, कुकुरमुत्ता

द्रुत पठन : सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', हरिवंशराय बच्चन, मुकुटधर पाण्डेय।

—0—

अंक विभाजन : **कुल अंक 80**

03 व्याख्या – 3 × 10 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित रचनाओं से)
02 आलोचनात्मक प्रश्न –2 × 15 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित रचनाओं से)
03 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी –3 × 05 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
05 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न–5 × 01 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. राजेश दुबे –
2. डॉ. चित्तरंजन कर –
3डॉ. विनय कुमार पाठक –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान
5 डॉ.(श्रीमती)रवीन्द्र चौबे –
6 सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे –
7 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. छायावाद : नामवर सिंह
2. कामायनी : एक पुनर्विचार : ग.मा.मुक्तिबोध
3. छायावाद का सौंदर्यशास्त्रीय अध्ययन : कुमार विमल
4. हिंदी स्वच्छंदतावादी काव्य : प्रेमशंकर
5. कल्पना और छायावाद : केदारनाथ सिंह
6. निराला : रामविलास शर्मा
7. महादेवी : इंद्रनाथ मदान
8. निराला और मुक्तिबोध : चार लम्बी कविताएँ : नंदकिशोर नवल
9. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर
10. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
11. प्रसाद–निराला–अज्ञेय : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
12. जयशंकर प्रसाद : नंददुलारे वाजपेयी
13. कवि निराला : नंददुलारे वाजपेयी
14. कामायनी की टीका : विश्वम्भर 'मानव'
15. सुमित्रानंदन पंत की भाषा : उषा दीक्षित
16. मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्याकन : डॉ. नगेन्द्र
17. छायावादी काव्य : डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा
18. निराला की काव्य–दृष्टि : डॉ. रामकृष्ण कौशिक
19. साकेत : समीक्षा : ऋचा मिश्रा
20. कामायनी–लोचन – खण्ड एक एवं दो : डॉ. उदयभानु सिंह
21. छायावाद और निराला : डॉ. वीणा दाढ़े
22. छायावाद की सही परख–पहचान : डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे,
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.) –
2. डॉ. चित्तरंजन कर,
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.) –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर –

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य – 2.8.18
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2019–2020 एवं 2020–2021

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–तृतीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र–द्वितीय : भारतीय काव्यशास्त्र Code 910

प्रस्तावना :

रचना के वैशिष्ट्य और मूल्यबोध के उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। इससे साहित्यिक समझ विकसित होती है तथा वह दृष्टि मिलती है जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख की जा सके। हमारे सामाजिक–सांस्कृतिक परिवेश के साथ रचना का आस्वाद प्राप्त करने, रचना को उसकी समग्रता में समझने और विश्लेषण के लिए भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांत और साहित्यालोचन की विविध शैलियों का अध्ययन आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में खण्ड (क) से 02, खण्ड (ख)से 01 आलोचनात्मक प्रश्न तथा, समस्त पाठ्य–विषय से लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन ,वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे। जिनमें आंतरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय :

(क)संस्कृत काव्यशास्त्र : काव्य–लक्षण, काव्य हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य के प्रकार।

1.रस सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

2. अलंकार सिद्धांतः मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

3. रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा,काव्य–गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

4. वक्रोक्ति सिद्धांतः वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद

5. ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत–व्यंग्य, चित्र–काव्य।

6. औचित्य सिद्धांतः प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

(ख) (1)आधुनिक हिंदी के प्रमुख समीक्षक एवं उनकी समीक्षा शैलियाँ :
आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ.नगेन्द्र,डॉ. रामविलास शर्मा।

(2) हिंदी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ :
शास्त्रीय,व्यक्तिवादी,ऐतिहासिक,तुलनात्मक,,मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय, शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय।

—0—

अंक विभाजन : कुल अंक 80

3 आलोचनात्मक प्रश्न	–3 × 20	= 60 (खण्ड क से 02, खण्ड ख से 01)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी	–3 × 05	= 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	–5 × 01	= 5 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. राजेश दुबे –
2. डॉ. चित्तरंजन कर –
3डॉ. विनय कुमार पाठक –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ.(श्रीमती)रवीन्द्र चौबे –
6 सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे – 2/3/18
7 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : मूलजी भाई वी. पटेल
2. भारतीय काव्यसिद्धांत : डॉ. राजकिशोर सिंह
3. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा : डॉ. नगेन्द्र
4. ध्वनि सिद्धांत और व्यंजना–वृत्ति–विवेचन : डॉ. गयाप्रसाद
5. रस सिद्धांत का पुनर्विवेचन : डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
6. रस सिद्धांत : डॉ. नगेन्द्र
7. भारतीय काव्यशास्त्र : सिद्धांत और समस्याएँ : डॉ. सुधांशु कुमार शुक्ल
8. वस्तुनिष्ठ काव्यशास्त्र : बालेन्दु शेखर तिवारी
9. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा : रामचंद्र तिवारी
10. हिंदी आलोचना का विकास : नंदकिशोर नवल
11. व्यावहारिक समीक्षा : पूर्णमासी राय
12. हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत : योगेन्द्र प्रताप सिंह
13. हिंदी साहित्यशास्त्र : नंदकिशोर नवल
14. मार्क्सवादी, समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना : पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु
15. इतिहास और आलोचना के वस्तुवादी सरोकार : निर्मला जैन
16. हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी : निर्मला जैन
17. हिंदी आलोचना के आधारस्तम्भ : रामेश्वर खंडेलवाल, सुरेशचंद्र गुप्त
18. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी समीक्षा सिद्धांत : डॉ. ब्रम्हदेव मिश्र
19. हिंदी आलोचना की परम्परा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल : डॉ. शिवकुमार मिश्र
20. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. विश्वम्भरनाथ उपाध्याय
21. भारतीय काव्य विमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी
22. सौंदर्यशास्त्रीय समीक्षा : एस.टी.नरसिंहाधिकारी
23. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. उमेश कुमार सिंह

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे,
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.) –
2. डॉ. चित्तरंजन कर,
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.) –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

21/8/18

प्रस्तावित सत्र 2019–2020 एवं 2020–2021
एम. ए. हिंदी :सेमेस्टर–तृतीय
अनिवार्य प्रश्नपत्र–तृतीय
पत्रकारिता प्रशिक्षण Code 911

प्रस्तावना :

पत्रकारिता आज जनजीवन की धड़कन बन गई है, सिमटते विश्व में स्नायु–तंतुओं की तरह काम कर रही है। दैनिक समाचार पत्र से लेकर साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक, त्रैमासिक, वार्षिक पत्रिकाओं, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट आदि में इसका विकसित रूप देखा जा सकता है। इसके बिना आज आदमी का रहना कठिन है। अतः पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक विवेचन रोजगारपरकता की दिशा में एक कदम है।

इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य–विषय से 03 आलोचनात्मक प्रश्न, 03 लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्नों में आंतरिक विकल्प निर्धारित है। समस्त पाठ्य–विषय से 05 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य–विषय :

1. पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार।
2. विश्व पत्रकारिता का उदय।
3. हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।
4. समाचार–पत्रकारिता के मूल तत्व : समाचार–संकलन एवं लेखन के मूल आयाम।
5. सम्पादन–कला के सामान्य सिद्धांत : शीर्षकीकरण, पृष्ठ–विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति–प्रक्रिया।
6. समाचार पत्रों के विभिन्न स्तम्भों की योजना।
7. दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।
8. समाचार के विभिन्न स्रोत।
9. संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्य–पद्धति।
10. सम्पादकीय लेखन, साक्षात्कार, पत्रकार–वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन।
11. प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता।
12. प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

—0—

अंक विभाजन : कुल अंक 80

3 आलोचनात्मक प्रश्न	–3, × 20	= 60 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी	–3 × 05	= 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	–5 × 01	= 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1. डॉ. राजेश दुबे –
3. डॉ. विनय कुमार पाठक –
5. डॉ.(श्रीमती)रवीन्द्र चौबे –
7. डॉ. बेठियार सिंह साहू –
9. श्री राजीव गुप्ता –
2. डॉ. चित्तरंजन कर –
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान 31/8/18
6. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे –
8. श्री नवनीत जगतरामका –

संदर्भ ग्रंथ :

1. पत्रकारिता एवं जनसम्पर्क	: टी.डी.एस.आलोक
2. हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार	: डॉ. ठाकुरदत्त शर्मा 'आलोक'
3. पत्रकारिता एवं राष्ट्रीय चेतना का विकास	: डॉ. अर्जुन तिवारी
4. हिंदी पत्रकारिता	: कृष्णबिहारी मिश्र
5. पत्रकारिता : विविध विधाएँ	: डॉ. राजकुमारी रानी
6. आधुनिक समाचार पत्र प्रबंधन	: अनिल किशोर पुरोहित
7. हिंदी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास	: डॉ. अर्जुन तिवारी
8. पत्रकारिता : मिशन से मीडिया तक	: अखिलेश मिश्र
9. प्रेस विधि	: डॉ. नंदकिशोर त्रिखा
10. समाचार और संवाददाता	: काशीनाथ गोविंद जोगलेकर
11. पत्रकारिता की चुनौतियाँ	: गणेश मंत्री
12. हिंदी पत्रकारिता : कल, आज और कल	: सुरेश गौतम
13. समाचार सम्पादन	: कमल दीक्षित, महेश दर्पण
14. भेंटवार्ता और प्रेस कान्फ्रेन्स	: प्रो. नंदकिशोर त्रिखा
15. समाचार पत्र प्रबंधन	: डॉ. गुलाब कोठारी
16. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ	: विनोद गोदरे
17. पत्रकारिता के नये परिप्रेक्ष्य	: राजकिशोर
18. कॉपीराइट	: कमलेश जैन
19. सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र	: रवीन्द्र शुक्ला
20. पत्रकारिता के नए आयाम	: एस.के.दुबे

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदि
हस्ताक्ष

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. राजेश दुबे,**
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. **डॉ. चित्तरंजन कर,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. विनय कुमार पाठक,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

प्रस्तावित सत्र 2019–2020 एवं 2020–2021
एम. ए. हिंदी:सेमेस्टर–तृतीय
अनिवार्य प्रश्नपत्र–चतुर्थ
लोकसाहित्य Code 912

प्रस्तावना :

हिंदी जगत की बोलियों या विभाषाओं में अमूल्य लोकसाहित्य–संपदा विद्यमान है। इसके संकलन, संपादन, सर्वेक्षण, प्रकाशन द्वारा ही अपनी मूल राष्ट्रीय संस्कृति को संरक्षित किया जा सकता है और हिंदी का जनाधार बढ़ाया जा सकता है। अस्तु, इसके अध्ययन की उपयोगिता निर्विवाद है।

इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य–विषय से 03 आलोचनात्मक प्रश्न, 03 लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्नों में आंतरिक विकल्प निर्धारित है। समस्त पाठ्य–विषय से 05 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. लोक की अवधारणा :
   'लोक' शब्द की व्युत्पत्ति।
2. लोकसाहित्य का स्वरूप :
   परिभाषा एवं विशेषताएँ, लोकसाहित्य एवं विशिष्ट साहित्य में साम्य–भेद।
3. लोकसंस्कृति की अवधारणा:
   लोकवार्त्ता और लोकसंस्कृति, लोकसंस्कृति और साहित्य।
4. लोक साहित्य के परिप्रेक्ष्य:
   लोकसाहित्य का सामाजिक, आर्थिक, नैतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय तथा भाषा शास्त्रीय दृष्टि से महत्व
5. लोकसाहित्य के विविध रूप :
   लोक–गीत, लोक–नाट्य, लोक–कथा, लोक–गाथा, लोक–नृत्य, लोक–संगीत, लोक–सुभाषित, मुहावरें, कहावतें, पहेलियाँ।
6. लोकसाहित्य का भाव एवं शिल्प सौंदर्य :
   विषय, भाव–व्यंजना, रस–परिपाक, भाषा, अलंकार–योजना, छंद–विधान, प्रतीकात्मकता।
7. लोक साहित्य की उपयोगिता , महत्व एवं चुनौतियां।

—0—

अंक विभाजन : कुल अंक 80

3 आलोचनात्मक प्रश्न	–3 × 20	= 60 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी	–3 × 05	= 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	–5 × 01	= 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. राजेश दुबे –
2.डॉ. चित्तरंजन कर
3डॉ. विनय कुमार पाठक –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान 21/8/18
5 डॉ.(श्रीमती)रवीन्द्र चौबे –
6 सुश्री लक्ष्मेश्वरी कुर्रे –
7 डॉ. बैठियार सिंह साहू –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. लोकसाहित्य की भूमिका : डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
2. खड़ी बोली का लोकसाहित्य : डॉ. सत्या गुप्त
3. लोक : परंपरा, पहचान एवं प्रवाह : डॉ. श्यामसुंदर दुबे
4. भारत में लोकसाहित्य : डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
5. लोकसाहित्य समग्र : डॉ. रामनारायण उपाध्याय
6. लोकसाहित्य और संस्कृति : डॉ. दिनेश्वर प्रसाद
7. मानव और संस्कृति : डॉ. श्यामाचरण दुबे
8. लोकसाहित्य : अर्थ और व्याप्ति : डॉ. सुरेश गौतम
9. लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति : डॉ. उषा सक्सेना
10. लोकसाहित्य शास्त्र : डॉ. बापूराव देसाई
11. लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति : डॉ. रामनिवास शर्मा
12. लोकसाहित्य : डॉ. शशिकांत सोनवणे
13. लोकसाहित्य : विविध आयाम : डॉ. जयश्री गावित
14. हिंदी लोकसाहित्यशास्त्र : डॉ. अनसुइया अग्रवाल
15. लोकसंस्कृति की रूपरेखा : डॉ. कष्णदेव उपाध्याय
16. मध्यप्रदेश का लोकसंगीत : शरीफ मोहम्मद
17. भारत के लोकनृत्य : शरीफ मोहम्मद
18. लोकगीतों के संदर्भ और आयाम : डॉ. शांति जैन
19. हिंदी प्रदेश के लोकगीत : डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
20. भारतीय लोकसाहित्य की रूपरेखा : दुर्गा भागवत
21. लोकसाहित्य के स्वरूप का सैद्धांतिक विवेचन : डॉ. नारायण चौधरी

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे,
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.) –
2. डॉ. चित्तरंजन कर,
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.) –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर –

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़ : सदस्य –

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2019–2020 एवं 2020–2021
एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–तृतीय
परियोजना कार्य Code 919

प्रस्तावना :

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को पाठ्यक्रमेतर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का शोध आलेख तैयार करना होगा। शोधार्थी को शोध–निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र–कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की स्वच्छ हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निर्धारित विषय 1. रायगढ़ जिले का लोकसाहित्य
2. जिले के लोक–गीतों/लोक–कथाओं का संकलन
3. जिले की कहावतों एवं मुहावरों का संकलन
4. रायगढ़ जिले के किसी एक स्थानीय समाचार पत्र का तथ्यपरक विवेचन
5. हिंदी में प्रकाशित होने वाली साहित्यिक पत्रिकाएँ
6. रायगढ़ जिले के साहित्यिक/सांस्कृतिक आयोजनों का प्रतिवेदन
7. उद्घोषणा लेखन
8. पाठ्येतर आधुनिक कवि (हिंदी/छत्तीसगढ़ी) का प्रदेय
9. छायावाद एवं राष्ट्रीय काव्यधारा के किसी एक कवि/काव्य–कृति (हिंदी/छत्तीसगढ़ी) का वैशिष्ट्य
10. आधुनिक नाटक/लोकनाट्य/रंगमंच का सामाजिक प्रभाव
11. पाठ्येतर आधुनिक हिंदी समीक्षक/हिंदी आलोचना की प्रवृत्ति से संबंधित समीक्षा
12. संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक अन्य विषय (विभागीय संस्तुति से)

——0——

अंक विभाजन : कुल अंक : 50, शोध आलेख : 30 अंक, मौखिकी : 20 अंक

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर : अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :
1. **डॉ. राजेश दुबे,**
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.) – [signature]
2. **डॉ. चित्तरंजन कर,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.) – [signature]

कुलपति द्वारा नामांकित :
1. **डॉ. विनय कुमार पाठक,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर – [signature]

विभागीय सदस्य :
1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष – [signature] 21/8/18
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य – [signature]
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य – [signature]
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य – [signature]

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :
1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :
श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य – [signature]

कि.शास.कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र् 2017–2018 एवं 2018–2019

पाठ्यक्रम : हिंदी साहित्य

एम. ए. चतुर्थ–सेमेस्टर

क्र.	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम	अंक विभाजन				
1.	प्रथम	छायावादोत्तर काव्य	सेमेस्टर परीक्षा		आंतरिक मूल्यांकन		योग
			अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम	
			80	29	20	07	100
2.	द्वितीय	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	80	29	20	07	100
3.	तृतीय	प्रयोजनमूलक हिंदी	80	29	20	07	100
4.	चतुर्थ	छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य अथवा लघु शोध प्रबंध	80	29	20	07	100
5.		परियोजना कार्य			50	18	50
					कुल		450

बैठक दिनांक : 30.11.2016

विभागाध्यक्ष – हिन्दी

विस्तृत पाठ्यक्रम एवं संदर्भ ग्रंथ सूची संलग्न

नोट : परीक्षार्थी को प्रत्येक प्रश्नपत्र में सेमेस्टर परीक्षा एवं आंतरिक मूल्याँकन परीक्षा में अलग–अलग 36 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

अध्ययन--मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर : अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर, –
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत, –
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान--प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक--हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

1. श्री राजीव गुप्ता : सदस्य –
   धनुहारडेरा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2017–2018 एवं 2018–19

एम. ए. हिंदी:सेमेस्टर–चतुर्थ

अनिवार्य प्रश्नपत्र–प्रथम : छायावादोत्तर काव्य Code - 913

प्रस्तावना :

छायावादी कृतित्व में यथार्थ और स्वप्न दोनों की समान संस्थिति थी। राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक जागरण की प्रवृत्ति अपनी समस्त शक्ति–सामर्थ्य तथा कतिपय नवीन प्रयोगवादिता के साथ छायावादोत्तर काव्य में विकसित होती रही। यहाँ प्रयोग और प्रगतिशीलता के स्वर जोर पकड़ते गए, जिसके बीज–बिंदु छायावाद में पड़ चुके थे। औद्योगीकरण के साथ–साथ शोषण की वृत्ति तथा अन्य सामाजिक विद्रूपताओं ने प्रगतिशील साहित्यिक आंदोलन को बढ़ावा दिया। नए मार्ग की अन्वेषी विचारधारा ने प्रयोगवादी काव्यधारा के रूप में अपने को विकसित किया। स्वतंत्रता के बाद मोहभंग की स्थिति ने जन्म लिया। स्वप्न अधूरे रहे, संकल्प टूटे। आक्रोश और विद्रोह की प्रवृत्तिव्यापक पैमाने पर परिलक्षित हुई। विज्ञान ने बौद्धिकता का विकास किया। फलस्वरूप नए–नए बिम्ब, प्रतीक एवं अभिव्यंजना–रूप विकसित हुए। अंतर्विरोधी स्थितियों ने मूल्य–विघटन, तनाव–संक्रमण, मोहभंग की स्थिति पैदा की, जिसकी अभिव्यंजना विविध रूपों में हुई। वर्तमान समस्याओं, संवेदनाओं की व्यापकता विश्वजनीन हो गई। इस वैश्विक संदर्भ की जानकारी और समझदारी के लिए छायावादोत्तर तथा समकालीन साहित्य का विशेष अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में समादृत रचनाओं से आंतरिक विकल्प–युक्त व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प–युक्त लघूत्तरी /टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प–युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय': नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, बावरा अहेरी, साँप।
2. नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, यह तुम थी, वह तो था बीमार, नईपौध,कालिदास, मैं तुम्हें अपना चुम्बन दूँगा, पैने दाँतों वाली, तो फिर क्या हुआ ?शासन की बंदूक, अकाल और उसके बाद।
3. गजानन माधव मुक्तिबोध : अंधेरे में।

द्रुत पठन :

रामेश्वर शुक्ल 'अंचल', रघुवीर सहाय, धूमिल, दुष्यंत कुमार, अरूणकमल

——0——

अंक विभाजन : कुल अंक 80

03–व्याख्यात्मक प्रश्न	3 × 10	= 30 (समादृत पाठ्य विषय की रचनाओं से)
02–आलोचनात्मक प्रश्न	2 × 15	= 30 (समादृत पाठ्य विषय की रचनाओं से)
03–लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन	3 × 05	= 15 (द्रुत पाठ से)
05–वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	5 × 01	= 05 (समादृत पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2.डॉ. फूलदास महंत –
3डॉ. बिहारी लाल साहू –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7 श्री रामकुमार बंजारे –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1.	मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य	: रामविलास शर्मा
2.	आधुनिक हिंदी कविता में दुरुहता	: डॉ.एस.वसंता
3.	आधुनिक हिंदी कविता ओर विचार	: डॉ. राजेन्द्रमोहन भटनागर
4.	नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र	: गजानन माधव मुक्तिबोध
5.	अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन	: चंद्रकांत बांदिवडेकर
6.	असाध्य वीणा और अज्ञेय	: रमेशचंद्र शाह
7.	बाबा नागार्जुन	: नरेन्द्र कोहली
8.	कविता के नए प्रतिमान	: नामवर सिंह
9.	छायावादोत्तर काव्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि	: डॉ. कमलाप्रसाद
10.	प्रगतिवादी काव्य में राजनीतिक एवं सामाजिक चेतना	: डॉ. विद्या प्रधान
11.	अज्ञेय : प्रकृति काव्य : काव्य में प्रकृति	: संजय कुमार
12.	दुष्यंत कुमार की गज़लों का समीक्षात्मक अध्ययन	: डॉ. सरदार मुजावर
13.	कवि कहानीकार अज्ञेय और मुक्तिबोध : संवेदना और दृष्टि	: डॉ. भरत सिंह
14.	नागार्जुन की कविता	: अजय तिवारी
15.	अंतस्तल का पूरा विप्लव : अंधेरे में	: संपादक – निर्मला जैन
16.	नई कविता : निराला, अज्ञेय और मुक्तिबोध	: विद्या सिन्हा
17.	रघुवीर सहाय का कविकर्म	: सुरेश शर्मा
18.	समकालीन हिंदी कविता : अज्ञेय और मुक्तिबोध के संदर्भ में	: शशि शर्मा
19.	धूमिल और उसका काव्य–संघर्ष	: डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र
20.	आधुनिक साहित्य और प्रयोगवाद	: डॉ. भास्कर मैया
21.	अज्ञेय–काव्य में प्राग्बिम्ब और मिथक	: डॉ. सी.एम.राजन
22.	धुमकेतु धूमिल और साठोत्तरी कविता	: मीनाक्षी जोशी
23.	निराला और मुक्तिबोध	: नंदकिशोर नवल
24.	रघुवीर सहाय और श्रीकांत वर्मा की कविता	: अमिय कुमार साहू
25.	गज़लकार दुष्यंतकुमार	: डॉ. अविनाश कासांडे
26.	नागार्जुन के काव्य में जनवादी चेतना	: डॉ. रमाकांत आपरे

अध्ययन–मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,** –
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. **डॉ. फूलदास महंत,** –
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,** –
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य –
   प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2017–2018 एवं 2018–2019
एम.ए.हिंदी : सेमेस्टर–चतुर्थ
अनिवार्य प्रश्नपत्र–द्वितीय
पाश्चात्य काव्यशास्त्र Code - 914

प्रस्तावना :

रचना के वैशिष्ट्य और मूल्यबोध के उद्‌घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। इससे साहित्यिक समझ विकसित होती है तथा वह दृष्टि मिलती है जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख की जा सके। पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का भी हमारी काव्य–दृष्टि पर प्रभाव पड़ा है अतः आधुनिक रचना को उसकी समग्रता में समझने और विश्लेषण के लिए पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांत और साहित्यालोचन की विविध शैलियों का अध्ययन आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में खण्ड (क) से 02, खण्ड (ख) से 01 आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे जिनमें आंतरिक विकल्प रहेगा। लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन/ वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्नों मे आंतरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्‌य विषय :

(क) पाश्चात्य काव्य सिद्धांत

1. प्लेटो : काव्य–सिद्धांत।
2. अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी विवेचन।
3. लॉजाइनस : उदात्त की अवधारणा।
4. वर्ड्सवर्थ : काव्य–भाषा का सिद्धांत।
5. कॉलरिज : कल्पना–सिद्धांत और ललित कल्पना।
6. मैथ्यू ऑर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य।
7. टी. एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।
8. आई.ए.रिचर्ड्स : रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

(ख) पाश्चात्य समीक्षा

1. सिद्धांत और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदता वाद, अभिव्यंजना वाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण वाद तथा अस्तित्व वाद।
2. आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ : संरचनावाद, विखंडन वाद, शैलीविज्ञान, उत्तर आधुनिकता वाद।

——0——

अंक विभाजन : कुल अंक 80

3 आलोचनात्मक प्रश्न	3 × 20	= 60 (खण्ड क से 02 एवं खण्ड ख से 01)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी	3 × 05	= 15 (प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्‌य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	5 × 01	= 05 (प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्‌य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2.डॉ. फूलदास महंत –
3डॉ. बिहारी लाल साहू –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7 श्री रामकुमार बंजारे –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत : डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
2. साहित्य समीक्षा के पाश्चात्य मानदंड : डॉ. राजेन्द्र वर्मा
3. पाश्चात्य साहित्य चिंतन : संपादक – निर्मला जैन
4. पाश्चात्य साहित्यालोचन के सिद्धांत : डॉ. लीलाधर गुप्त
5. उत्तरआधुनिक साहित्यिक विमर्श : सुधीश पचौरी
6. देरिदाँ विखंडन की सैद्धांतिकी : सुधीश पचौरी
7. शैलीविज्ञान और संरचनावाद : डॉ. नरेन्द्र सैनी
8. शैलीविज्ञान : डॉ. सुरेश कुमार
9. पाश्चात्य काव्य चिंतन : डॉ. करूणाशंकर उपाध्याय
10. साहित्य सिद्धांत : रेने वेलेक, ऑस्टेन वारेन
11. स्वातंत्र्योत्तरहिंदी समीक्षा सिद्धांत : डॉ. ब्रम्हदेव मिश्र
12. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ : डॉ. सत्यदेव मिश्र
13. भाषा और समीक्षा के बिन्दु : डॉ. सत्यदेव मिश्र
14. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धांत और वाद: डॉ. भगीरथ मिश्र
15. सौंदर्यबोधशास्त्र : डॉ. जगदीश सिंह मन्हास
16. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : नई प्रवृत्तियाँ : राजनाथ
17. पाश्चात्य काव्य चिंतन : करूणाशंकर उपाध्याय
18. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. उमेशकुमार सिंह

अध्ययन–मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित
हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,**
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. **डॉ. फूलदास महंत,**
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,**
   प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स,रायगढ़ : सदस्य –

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2017–2018 एवं 2018–2019

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–चतुर्थ

अनिवार्य प्रश्नपत्र – तृतीय

प्रयोजन मूलक हिंदी Code - 915

प्रस्तावना :

सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। हिंदी भाषा और साहित्य का इन माध्यमों में अधिकाधिक स्तरीय प्रयोग तभी हो सकता है, जब इन दृश्य–श्रव्य माध्यमों से संबंधित विधाओं का व्यवस्थित प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया जाए। यह पाठ्यक्रम अत्यंत रोजगारपरक है। इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य–विषय से आलोचनात्मक प्रश्न/लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे, जिनमें आन्तरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय :

(अ) मीडिया लेखन :

1 . जनसंचार : प्रौद्योगिकी और चुनौतियाँ।
2 . विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप : मुद्रण, श्रव्य, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट।
3 .श्रव्य माध्यम (रेडियो) : मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार–लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा–लेखन, विज्ञापन–लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज।
4 .दृश्य–श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलिविजन एवं वीडियो) : दृश्य माध्यमों में भाषाकी प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वॉयस ओवर), पटकथा लेखन, टेली ड्रामा, संवाद–लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपान्तर, विज्ञापन की भाषा।

(ब) हिंदी कम्प्यूटिंग :

1. कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग–क्षेत्र
2. इंटरनेट एवं वेब वर्ल्ड वाइड का परिचय।
3 इंटरनेट एक्सप्लोरर अथवा नेटस्केप।
4 लिंक, ई–मेल भेजना, प्राप्त करना, डाउनलोडिंग, अपलोडिंग।
5 हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, हिंदी की प्रमुख वेबसाइट्स, हिंदी के ब्लॉग्स, हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेजेस।
5 एम.एस.वर्ड, फोटोशॉप, कवर डिज़ाइनिंग, ग्राफिक्स, डी.टी.पी., मल्टीमीडिया, ई–कॉमर्स का सामान्य परिचय।
6 इंटरनेट : सामग्री–सृजन।

(स) अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार :

1. अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि ।
2 हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
3 मशीनी अनुवाद।

---0---

अंक विभाजन : कुल अंक 80

3 आलोचनात्मक प्रश्न	3 × 20	= 60 (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी	3 × 05	= 15 (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	5 × 01	= 05 (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3डॉ. बिहारी लाल साहू –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7 श्री रामकुमार बंजारे –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1.	पत्रकारिता और जनसंचार	: डॉ. ठाकुरदत्त शर्मा 'आलोक'
2.	जनसंचार : सिद्धांत और अनुप्रयोग	: विष्णु राजगढ़िया
3.	हिंदी पत्रकारिता एवं जनसम्पर्क	: डॉ. टी.डी.एस.आलोक
4.	प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग	: दंगल झाल्टे
5.	इंटरनेट और ई मेल	: हेमंत कुमार गोयल
6.	कम्प्लीट कम्प्यूटर कोर्स	: कपिलदेव सपड़ा
7.	मीडिया लेखन	: सुमीत मोहन
8.	प्रयोजनमूलक हिंदी	: डॉ. विनोद गोदरे
9.	मीडियाकालीन हिंदी : स्वरूप और संभावनाएँ	: डॉ. अर्जुन चव्हाण
10.	फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प	: डॉ. मनोहर प्रभाकर
11.	रेडियो नाटक की कला	: सिद्धनाथ कुमार
12.	कम्प्यूटर प्रयोग और हिंदी	: डॉ. अमरसिंह वधान
13.	कम्प्यूटर और हिंदी	: डॉ. हरिमोहन
14.	प्रयोजनमूलक हिंदी : एक	: डॉ. रामनारायण पटेल
15.	प्रयोजनमूलक हिंदी : दो	: डॉ. रामनारायण पटेल
16.	नए जनसंचार माध्यम और हिंदी	: डॉ. सुधीश पचौरी
17.	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सूचना प्रौद्योगिकी	: डॉ. यू.सी.गुप्ता
18.	दूरदर्शन का स्वरूप एवं हिंदी प्रस्तुतीकरण	: डॉ. उन्मेष मिश्र
19.	जनसम्पर्क : सिद्धांत और व्यवहार	: डॉ. अर्जुन तिवारी
20.	रेडियो का कलापक्ष	: डॉ. नीरजा माधव
21.	सम्प्रेषण और रेडियो शिल्प	: विश्वनाथ पाण्डेय
22.	1000 कम्प्यूटर–इंटरनेट प्रश्नोत्तरी	: विनयभूषण
23.	अनुवाद के भाषिक पक्ष	: विभा गुप्ता
24.	अनुवाद क्या है?	: डॉ. भ.ह.राजूरकर
25.	अनुवाद क्या है?	: राजमल व्होरा
26.	अनुवाद : प्रक्रिया और परिदृश्य	: रीतारानी पालीवाल
27.	साहित्यानुवादः संवाद और संवेदना	: डॉ. आरसु
28.	लिप्यंतरण : सिद्धांत और प्रयोग	: डॉ. रामप्रकाश सक्सेना
29.	आज की हिंदी और अनुवाद की समस्याएँ	: डॉ. रायवरपु

अध्ययन–मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर : अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,**
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. **डॉ. फूलदास महंत,**
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य –
   प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2017–2018 एवं 2018–2019
एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–चतुर्थ
अनिवार्य प्रश्नपत्र–चतुर्थ
छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य Code 916

प्रस्तावना :

हिंदी साहित्य मात्र खड़ी बोली तक सीमित नहीं है। उसकी अनेक विभाषाओं में आज भी पर्याप्त साहित्य–सृजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य की राजभाषा के रूप में छत्तीसगढ़ी प्रतिष्ठित हो चुकी है। अतः इसके पृथक् अध्ययन से इस विभाषा का उत्तरोत्तर विकास ही होगा।

इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य–विषय से आलोचनात्मक प्रश्न/लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे, जिनमें आन्तरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय :

1. छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास।
2. छत्तीसगढ़/छत्तीसगढ़ी का नामकरण।
3. छत्तीसगढ़ी का भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक परिदृश्य।
4. छत्तीसगढ़ी की उपबोलियाँ एवं उनका वर्गीकरण।
5. छत्तीसगढ़ी का शब्दकोश।
6. छत्तीसगढ़ी का मानक व्याकरण।
7. छत्तीसगढ़ी साहित्य : युग–प्रवृत्तियाँ एवं विकास के चरण।
8. छत्तीसगढ़ी गद्य–साहित्य की विविध विधाएँ।
9. छत्तीसगढ़ी पद्य–साहित्य की विविध विधाएँ।
10. छत्तीसगढ़ी साहित्य के विशिष्ट रचनाकार।

——0——

अंक विभाजन : कुल अंक 80

4 आलोचनात्मक प्रश्न	~~4 × 15~~ 3×20 = 60	(निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी	3 × 05 = 15	(निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	5 × 01 = 05	(निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3. डॉ. बिहारी लाल साहू –
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5. डॉ. उषा वैरागकर आठले – Usha
6. डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7. श्री रामकुमार बंजारे –
8. श्री नवनीत जगतरामका –
9. श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. छत्तीसगढ़ी भाषा और लोकसाहित्य : डॉ. बिहारीलाल साहू
2. छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्विकास : डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा
3. छत्तीसगढ़ी, हल्बी, भतरी भाषाओं का वैज्ञानिक अध्ययन : भालचंद्रराव तैलंग
4. छत्तीसगढ़ी : दशा एवं दिशा : नंदकिशोर तिवारी
5. छत्तीसगढ़ ज्ञानकोश : हीरालाल शुक्ल
6. छत्तीसगढ़ : इतिहास, संस्कृति एवं परम्परा : डॉ. तृषा शर्मा
7. छत्तीसगढ़ी शब्दकोश : डॉ. रमेशचंद्र महरोत्रा
8. राजभाषा छत्तीसगढ़ी : डॉ. सुधीर शर्मा
9. छत्तीसगढ़ का भूगोल : डॉ. किरण गजपाल
10. मानक छत्तीसगढ़ी व्याकरण : चंदूलाल चंद्राकर
11. छत्तीसगढ़ी साहित्य एवं रंगकर्म : डॉ. उषा वैरागकर आठले
12. बोलचाल की छत्तीसगढ़ी : डॉ. चित्तरंजन कर
13. छत्तीसगढ़ी : अभिव्यक्ति के परिप्रेक्ष्य : डॉ. बिहारीलाल साहू
14. छत्तीसगढ़ी बोली, व्याकरण और कोश : डॉ. कातिकुमार
15. छत्तीसगढ़ी जनभाषा : डॉ. व्यासनारायण दुबे
16. प्राचीन छत्तीसगढ़ : प्यारेलाल गुप्त
17. छत्तीसगढ़ी पहेलियाँ : डॉ. बिहारीलाल साहू
18. छत्तीसगढ़ी मुहावरा कोश : संपा. –रमेशचंद्र महरोत्रा एवं चित्तरंजन कर
19. प्रहेलिकाएँ और छत्तीसगढ़ी संस्कृति : डॉ. बिहारीलाल साहू
20. छत्तीसगढ़ का इतिहास एवं परम्परा : डॉ. पाले वर प्रसाद भार्मा
21. छत्तीसगढ़ी का भाषा शास्त्रीय अध्ययन : डॉ. शंकर शेष

अध्ययन–मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. डॉ. फूलदास महंत,
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2017–2018 एवं 2018–2019
एम.ए.हिंदी : सेमेस्टर–चतुर्थ
परियोजना–कार्य Code-920

प्रस्तावना :–

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को विभाग द्वारा आबंटित पाठ्यक्रमेतर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का मौलिक रूप से शोध आलेख प्रस्तुत करना होगा। शोधार्थी को शोध–निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र–कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की स्वच्छ/स्व–हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निर्धारित विषय

1. रायगढ़ जिले के साहित्यकारों से साक्षात्कार।
2. जिले के छत्तीसगढ़ी साहित्यकारों की रचनाओं पर शोधपरक लेख।
3. इंटरनेट–माध्यम से किसी एक साहित्यिक ब्लॉग का विश्लेषण।
4. किसी फिल्म/रेडियो नाटक/टी वी धारावाहिक/वृत्तचित्र के लिए पटकथा लेखन।
5. अनुवाद : छत्तीसगढ़ी/हिंदी/उड़िया का पारस्परिक अनुवाद।
6. छत्तीसगढ़ के संदर्भ में लगभग 25 विज्ञापन तैयार करना।
7. पश्चात्य काव्यशास्त्र के किसी एक विचारक/सिद्धांत/वाद की समीक्षा/तुलनात्मक अध्ययन।
8. छायावादोत्तर/इक्कीसवीं सदी के किसी एक हिंदी/छत्तीसगढ़ी/उड़िया/अन्य भाषा के कवि/काव्य–कृति का साहित्यिक मूल्यांकन।
9. आकाशवाणी रायगढ़ से प्रसारित कार्यक्रमों की समीक्षा।
10. रायगढ़ जिले के छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास।
11. संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक अन्य विषय (विभागीय संस्तुति से)

——0——

अंक विभाजन : कुल अंक – 50
शोध आलेखः 30 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 10)
मौखिकी : 20 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 08)

अध्ययन–मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर : — **अनुमोदित हस्ताक्षर**

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,**
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. **डॉ. फूलदास महंत,**
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष–
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य–
3. डॉ. बैठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य–
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य–

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य–
   प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

1. **श्री राजीद गुप्ता,** : सदस्य–
   धनुहारडेरा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2017–2018 एवं 2018–2019
एम. ए. हिंदी सेमेस्टर –चतुर्थ
वैकल्पिक प्रश्नपत्र चतुर्थ
लघु शोध–प्रबंध Code· 921

ावना –

इस प्रश्न पत्र की लिखित परीक्षा के विकल्प में लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करने की पात्रता विद्यार्थी को द्वितीय सेमेस्टर में 60 प्रतिशत अंक अर्जित कर उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। तदनुसार ाग की संस्तुति से किसी एक विषय पर शोधार्थी को शोध निर्देशक के मार्गदर्शन में मौलिक रुप लगभग 100 पृष्ठों का **लघु शोध–प्रबंध** तैयार करना होगा, जिसकी 05 मुद्रित/टंकित प्रतियाँ ुर्थ सेमेस्टर परीक्षा समाप्ति के दस दिवस तक परीक्षणार्थ विभाग में प्रस्तुत करना अनिवार्य है। ांतरिक एवं बाह्य परीक्षक द्वारा लघु शोध–प्रबंध के मूल्यांकन के प्रदत्त अंकों को पृथक्–पृथक् ोड़ा जाना प्रस्तावित है।

- लघु शोध प्रबंध के आंतरिक मूल्यांकन/सेमिनार/मौखिकी हेतु विभाग द्वारा निर्धारित तिथियों में परीक्षार्थी की उपस्थिति अनिवार्य है। लघु शोध–प्रबंध प्रस्तुति के लिए निम्नानुसार अंक निर्धारित है–

अंक विभाजन **कुल अंक–100**

आंतरिक मूल्यॉंकन परीक्षा	10
सेमिनार	10
बाह्य परीक्षक	40
आंतरिक परीक्षक	40

अनुमोदित
हस्ताक्षर

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,** –
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. **डॉ. फूलदास महंत,** –
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   17 किरोड़ीमल कालोनी रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2013–14) :
श्री राजीव गुप्ता, धनुवारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2017–2018 एवं 2018–19

एम. ए. हिंदी सेमेस्टर–चतुर्थ

अनिवार्य प्रश्नपत्र–प्रथम : छायावादोत्तर काव्य code 913

प्रस्तावना :

छायावादी कृतित्व में यथार्थ और स्वप्न दोनों की समान संस्थिति थी। राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक जागरण की प्रवृत्ति अपनी समस्त शक्ति–सामर्थ्य तथा कतिपय नवीन प्रयोगवादिता के साथ छायावादोत्तर काव्य में विकसित होती रही। यहाँ प्रयोग और प्रगतिशीलता के स्वर जोर पकड़ते गए, जिसके बीज–बिंदु छायावाद में पड़ चुके थे। औद्योगीकरण के साथ–साथ शोषण की वृत्ति तथा अन्य सामाजिक विद्रूपताओं ने प्रगतिशील साहित्यिक आंदोलन को बढ़ावा दिया। नए मार्ग की अन्वेषी विचारधारा ने प्रयोगवादी काव्यधारा के रूप में अपने को विकसित किया। स्वतंत्रता के बाद मोहभंग की स्थिति ने जन्म लिया। स्वप्न अधूरे रहे, संकल्प टूटे। आक्रोश और विद्रोह की प्रवृत्तिव्यापक पैमाने पर परिलक्षित हुई। विज्ञान ने बौद्धिकता का विकास किया। फलस्वरूप नए–नए बिम्ब, प्रतीक एवं अभिव्यंजना–रूप विकसित हुए। अंतर्विरोधी स्थितियों ने मूल्य–विघटन, तनाव–संक्रमण, मोहभंग की स्थिति पैदा की, जिसकी अभिव्यंजना विविध रूपों में हुई। वर्तमान समस्याओं, संवेदनाओं की व्यापकता विश्वजनीन हो गई। इस वैश्विक संदर्भ की जानकारी और समझदारी के लिए छायावादोत्तर तथा समकालीन साहित्य का विशेष अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में समादृत रचनाओं से आंतरिक विकल्प–युक्त व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प–युक्त लघूत्तरी /टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प–युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय': नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, बावरा अहेरी, साँप।
2. नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, यह तुम थी, वह तो था बीमार, नईपौध,कालिदास, मैं तुम्हें अपना चुम्बन दूँगा, पैने दाँतों वाली, तो फिर क्या हुआ ?शासन की बंदूक, अकाल और उसके बाद।
3. गजानन माधव मुक्तिबोध : अंधेरे में।

द्रुत पठन :

रामेश्वर शुक्ल 'अंचल', रघुवीर सहाय, धूमिल, दुष्यंत कुमार, अरूणकमल

——0——

अंक विभाजन : कुल अंक 80

03–व्याख्यात्मक प्रश्न	3 × 10	= 30 (समादृत पाठ्य विषय की रचनाओं से)
02–आलोचनात्मक प्रश्न	2 × 15	= 30 (समादृत पाठ्य विषय की रचनाओं से)
03–लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन	3 × 05	= 15 (द्रुत पाठ से)
05–वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	5 × 01	= 05 (समादृत पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3डॉ. विहारी लाल साहू –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7 श्री रामकुमार बंजारे –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य : रामविलास शर्मा
2. आधुनिक हिंदी कविता में दुरुहता : डॉ.एस.वसंता
3. आधुनिक हिंदी कविता ओर विचार : डॉ. राजेन्द्रमोहन भटनागर
4. नये साहित्य का सौदर्यशास्त्र : गजानन माधव मुक्तिबोध
5. अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन : चंद्रकांत बांदिवडेकर
6. असाध्य वीणा और अज्ञेय : रमेशचंद्र शाह
7. बाबा नागार्जुन : नरेन्द्र कोहली
8. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह
9. छायावादोत्तर काव्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : डॉ. कमलाप्रसाद
10. प्रगतिवादी काव्य में राजनीतिक एवं सामाजिक चेतना : डॉ. विद्या प्रधान
11. अज्ञेय : प्रकृति काव्य : काव्य में प्रकृति : संजय कुमार
12. दुष्यंत कुमार की गज़लों का समीक्षात्मक अध्ययन : डॉ. सरदार मुजावर
13. कवि कहानीकार अज्ञेय और मुक्तिबोध : संवेदना और दृष्टि : डॉ. भरत सिंह
14. नागार्जुन की कविता : अजय तिवारी
15. अंतस्तल का पूरा विप्लव : अंधेरे में : संपादक – निर्मला जैन
16. नई कविता : निराला, अज्ञेय और मुक्तिबोध : विद्या सिन्हा
17. रघुवीर सहाय का कविकर्म : सुरेश शर्मा
18. समकालीन हिंदी कविता : अज्ञेय और मुक्तिबोध के संदर्भ में : शशि शर्मा
19. धूमिल और उसका काव्य–संघर्ष : डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र
20. आधुनिक साहित्य और प्रयोगवाद : डॉ. भास्कर मैया
21. अज्ञेय–काव्य में प्राग्विम्ब और मिथक : डॉ. सी.एम.राजन
22. धूमकेतु धूमिल और साठोत्तरी कविता : मीनाक्षी जोशी
23. निराला और मुक्तिबोध : नंदकिशोर नवल
24. रघुवीर सहाय और श्रीकांत वर्मा की कविता : अमिय कुमार साहू
25. गज़लकार दुष्यंतकुमार : डॉ. अविनाश कासांडे
26. नागार्जुन के काव्य में जनवादी चेतना : डॉ. रमाकांत आपरे

अध्ययन–मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर – हस्ताक्षर
2. डॉ. फूलदास महंत,
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़ –

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,
   प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स,रायगढ़ : सदस्य –

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2017–2018 एवं 2018–2019

एम.ए.हिंदी : सेमेस्टर–चतुर्थ

अनिवार्य प्रश्नपत्र–द्वितीय

पाश्चात्य काव्यशास्त्र code 914

प्रस्तावना :

रचना के वैशिष्ट्य और मूल्यबोध के उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। इससे साहित्यिक समझ विकसित होती है तथा वह दृष्टि मिलती है जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख की जा सके। पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का भी हमारी काव्य–दृष्टि पर प्रभाव पड़ा है अतः आधुनिक रचना को उसकी समग्रता में समझने और विश्लेषण के लिए पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांत और साहित्यालोचन की विविध शैलियों का अध्ययन आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में खण्ड (क) से 02, खण्ड (ख) से 01 आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे जिनमें आंतरिक विकल्प रहेगा। लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन/ वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्नों मे आंतरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय :

(क) पाश्चात्य काव्य सिद्धांत

1. प्लेटो	: काव्य–सिद्धांत।
2. अरस्तू	: अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी विवेचन।
3. लॉंजाइनस	: उदात्त की अवधारणा।
4. वर्ड्सवर्थ	: काव्य–भाषा का सिद्धांत।
5. कॉलरिज	: कल्पना–सिद्धांत और ललित कल्पना।
6. मैथ्यू ऑर्नल्ड	: आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य।
7. टी. एस. इलियट	: परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।
8. आई.ए.रिचर्ड्स	: रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

(ख) पाश्चात्य समीक्षा

1. सिद्धांत और वाद	: अभिजात्यवाद, स्वच्छंदता वाद, अभिव्यंजना वाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण वाद तथा अस्तित्व वाद।
2. आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ	: संरचनावाद, विखंडन वाद, शैलीविज्ञान, उत्तर आधुनिकता वाद।

——0——

अंक विभाजन : कुल अंक 80

3 आलोचनात्मक प्रश्न	3 × 20 = 60 (खण्ड क से 02 एवं खण्ड ख से 01)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी	3 × 05 = 15 (प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	5 × 01 = 05 (प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. डी. एस. ठाकुर	–	2.डॉ. फूलदास महंत	–
3डॉ. बिहारी लाल साहू	–	4 डॉ. मीनकेतन प्रधान	–
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले	–	6 डॉ. बेठियार सिंह साहू	–
7 श्री रामकुमार बंजोरे	–	8 श्री नवनीत जगतरामका	–
9 श्री राजीव गुप्ता	–		

संदर्भ ग्रंथ :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत : डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
2. साहित्य समीक्षा के पाश्चात्य मानदंड : डॉ. राजेन्द्र वर्मा
3. पाश्चात्य साहित्य चिंतन : संपादक – निर्मला जैन
4. पाश्चात्य साहित्यालोचन के सिद्धांत : डॉ. लीलाधर गुप्त
5. उत्तरआधुनिक साहित्यिक विमर्श : सुधीश पचौरी
6. देरिदाँ विखंडन की सैद्धांतिकी : सुधीश पचौरी
7. शैलीविज्ञान और संरचनावाद : डॉ. नरेन्द्र सैनी
8. शैलीविज्ञान : डॉ. सुरेश कुमार
9. पाश्चात्य काव्य चिंतन : डॉ. करूणाशंकर उपाध्याय
10. साहित्य सिद्धांत : रेने वेलेक, ऑस्टेन वारेन
11. स्वातंत्र्योत्तरहिंदी समीक्षा सिद्धांत : डॉ. ब्रम्हदेव मिश्र
12. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ : डॉ. सत्यदेव मिश्र
13. भाषा और समीक्षा के बिन्दु : डॉ. सत्यदेव मिश्र
14. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धांत और वादः डॉ. भगीरथ मिश्र
15. सौंदर्यबोधशास्त्र : डॉ. जगदीश सिंह मन्हास
16. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : नई प्रवृत्तियाँ : राजनाथ
17. पाश्चात्य काव्य चिंतन : करूणाशंकर उपाध्याय
18. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. उमेशकुमार सिंह

अध्ययन–मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर, –
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2017–2018 एवं 2018–2019

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–चतुर्थ

अनिवार्य प्रश्नपत्र – तृतीय

प्रयोजन मूलक हिंदी code 915

प्रस्तावना :

सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। हिंदी भाषा और साहित्य का इन माध्यमों में अधिकाधिक स्तरीय प्रयोग तभी हो सकता है, जब इन दृश्य–श्रव्य माध्यमों से संबंधित विधाओं का व्यवस्थित प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया जाए। यह पाठ्यक्रम अत्यंत रोजगारपरक है। इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य–विषय से आलोचनात्मक प्रश्न/लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे, जिनमें आन्तरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय :

(अ) मीडिया लेखन :

1. जनसंचार : प्रौद्योगिकी और चुनौतियाँ।
2. विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप : मुद्रण, श्रव्य, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट।
3. श्रव्य माध्यम (रेडियो) : मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार–लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा–लेखन, विज्ञापन–लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज।
4. दृश्य–श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलिविजन एवं वीडियो) : दृश्य माध्यमों में भाषाकी प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वॉयस ओवर), पटकथा लेखन, टेली ड्रामा, संवाद–लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपान्तर, विज्ञापन की भाषा।

(ब) हिंदी कम्प्यूटिंग :

1. कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग–क्षेत्र
2. इंटरनेट एवं वेब वर्ल्ड वाइड का परिचय।
3. इंटरनेट एक्सप्लोरर अथवा नेटस्केप।
4. लिंक, ई–मेल भेजना, प्राप्त करना, डाउनलोडिंग, अपलोडिंग।
5. हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, हिंदी की प्रमुख वेबसाइट्स, हिंदी के ब्लॉग्स, हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेजेस।
5. एम.एस.वर्ड, फोटोशॉप, कवर डिज़ाइनिंग, ग्राफिक्स, डी.टी.पी., मल्टीमीडिया, ई–कॉमर्स का सामान्य परिचय।
6. इंटरनेट : सामग्री–सृजन।

(स) अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार :

1. अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि ।
2. हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
3. मशीनी अनुवाद।

——0——

अंक विभाजन :		कुल अंक 80
3 आलोचनात्मक प्रश्न	3 × 20 = 60	(निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी	3 × 05 = 15	(निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	5 × 01 = 05	(निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर –
2. डॉ. फूलदास महंत –
3. डॉ. बिहारी लाल साहू –
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5. डॉ. उषा वैरागकर आठले –
6. डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7. श्री रामकुमार बंजारे –
8. श्री नवनीत जगतरामका –
9. श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. पत्रकारिता और जनसंचार : डॉ. ठाकुरदत्त शर्मा 'आलोक'
2. जनसंचार : सिद्धांत और अनुप्रयोग : विष्णु राजगढ़िया
3. हिंदी पत्रकारिता एवं जनसम्पर्क : डॉ. टी.डी.एस.आलोक
4. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग : दंगल झाल्टे
5. इंटरनेट और ई मेल : हेमंत कुमार गोयल
6. कम्प्लीट कम्प्यूटर कोर्स : कपिलदेव सपड़ा
7. मीडिया लेखन : सुमीत मोहन
8. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. विनोद गोदरे
9. मीडियाकालीन हिंदी : स्वरूप और संभावनाएँ : डॉ. अर्जुन चव्हाण
10. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प : डॉ. मनोहर प्रभाकर
11. रेडियो नाटक की कला : सिद्धनाथ कुमार
12. कम्प्यूटर प्रयोग और हिंदी : डॉ. अमरसिंह वधान
13. कम्प्यूटर और हिंदी : डॉ. हरिमोहन
14. प्रयोजनमूलक हिंदी : एक : डॉ. रामनारायण पटेल
15. प्रयोजनमूलक हिंदी : दो : डॉ. रामनारायण पटेल
16. नए जनसंचार माध्यम और हिंदी : डॉ. सुधीश पचौरी
17. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सूचना प्रौद्योगिकी : डॉ. यू.सी.गुप्ता
18. दूरदर्शन का स्वरूप एवं हिंदी प्रस्तुतीकरण : डॉ. उन्मेष मिश्र
19. जनसम्पर्क : सिद्धांत और व्यवहार : डॉ. अर्जुन तिवारी
20. रेडियो का कलापक्ष : डॉ. नीरजा माधव
21. सम्प्रेषण और रेडियो शिल्प : विश्वनाथ पाण्डेय
22. 1000 कम्प्यूटर–इंटरनेट प्रश्नोत्तरी : विनयभूषण
23. अनुवाद के भाषिक पक्ष : विभा गुप्ता
24. अनुवाद क्या है? : डॉ. भ.ह.राजूरकर
25. अनुवाद क्या है? : राजमल व्होरा
26. अनुवाद : प्रक्रिया और परिदृश्य : रीतारानी पालीवाल
27. साहित्यानुवाद: संवाद और संवेदना : डॉ. आरसु
28. लिप्यंतरण : सिद्धांत और प्रयोग : डॉ. रामप्रकाश सक्सेना
29. आज की हिंदी और अनुवाद की समस्याएँ : डॉ. रायवरपु

अध्ययन–मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित
हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. डॉ. फूलदास महंत,
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2017–2018 एवं 2018–2019

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–चतुर्थ

अनिवार्य प्रश्नपत्र–चतुर्थ

छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य Code 916

प्रस्तावना :

हिंदी साहित्य मात्र खड़ी बोली तक सीमित नहीं है। उसकी अनेक विभाषाओं में आज भी पर्याप्त साहित्य–सृजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य की राजभाषा के रूप में छत्तीसगढ़ी प्रतिष्ठित हो चुकी है। अतः इसके पृथक् अध्ययन से इस विभाषा का उत्तरोत्तर विकास ही होगा।

इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य–विषय से आलोचनात्मक प्रश्न/लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे, जिनमें आन्तरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय :

1. छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास।
2. छत्तीसगढ़/छत्तीसगढ़ी का नामकरण।
3. छत्तीसगढ़ी का भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक परिदृश्य।
4. छत्तीसगढ़ी की उपबोलियाँ एवं उनका वर्गीकरण।
5. छत्तीसगढ़ी का शब्दकोश।
6. छत्तीसगढ़ी का मानक व्याकरण।
7. छत्तीसगढ़ी साहित्य : युग–प्रवृत्तियाँ एवं विकास के चरण।
8. छत्तीसगढ़ी गद्य–साहित्य की विविध विधाएँ।
9. छत्तीसगढ़ी पद्य–साहित्य की विविध विधाएँ।
10. छत्तीसगढ़ी साहित्य के विशिष्ट रचनाकार।

—0—

कुल अंक 80

अंक विभाजन :

4 आलोचनात्मक प्रश्न	~~4 × 15~~ 3×20 = 60	(निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी	3 × 05 = 15	(निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	5 × 01 = 05	(निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर –	2. डॉ. फूलदास महंत –
3 डॉ. बिहारी लाल साहू –	4 डॉ. मीनकेतन प्रधान –
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले – Usha	6 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
7 श्री रामकुमार बंजारे –	8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –	

संदर्भ ग्रंथ :

1. छत्तीसगढ़ी भाषा और लोकसाहित्य : डॉ. बिहारीलाल साहू
2. छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्विकास : डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा
3. छत्तीसगढ़ी, हल्बी, भतरी भाषाओं का वैज्ञानिक अध्ययन : भालचंद्रराव तैलंग
4. छत्तीसगढ़ी : दशा एवं दिशा : नंदकिशोर तिवारी
5. छत्तीसगढ़ ज्ञानकोश : हीरालाल शुक्ल
6. छत्तीसगढ़ : इतिहास, संस्कृति एवं परम्परा : डॉ. तृषा शर्मा
7. छत्तीसगढ़ी शब्दकोश : डॉ. रमेशचंद्र महरोत्रा
8. राजभाषा छत्तीसगढ़ी : डॉ. सुधीर शर्मा
9. छत्तीसगढ़ का भूगोल : डॉ. किरण गजपाल
10. मानक छत्तीसगढ़ी व्याकरण : चंदूलाल चंद्राकर
11. छत्तीसगढ़ी साहित्य एवं रंगकर्म : डॉ. उषा वैरागकर आठले
12. बोलचाल की छत्तीसगढ़ी : डॉ. चित्तरंजन कर
13. छत्तीसगढ़ी-: अभिव्यक्ति के परिप्रेक्ष्य : डॉ. बिहारीलाल साहू
14. छत्तीसगढ़ी बोली, व्याकरण और कोश : डॉ. कांतिकुमार
15. छत्तीसगढ़ी जनभाषा : डॉ. व्यासनारायण दुबे
16. प्राचीन छत्तीसगढ़ : प्यारेलाल गुप्त
17. छत्तीसगढ़ी पहेलियाँ : डॉ. बिहारीलाल साहू
18. छत्तीसगढ़ी मुहावरा कोश : संपा. –रमेशचंद्र महरोत्रा एवं चित्तरंजन कर
19. प्रहेलिकाएँ और छत्तीसगढ़ी संस्कृति : डॉ. बिहारीलाल साहू
20. छत्तीसगढ़ का इतिहास एवं परम्परा : डॉ. पाले वर प्रसाद भार्मा
21. छत्तीसगढ़ी का भाषा शास्त्रीय अध्ययन : डॉ. शंकर शेष

अध्ययन–मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
   प्रध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. डॉ. फूलदास महंत,
   सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2017–2018 एवं 2018–2019

एम.ए.हिंदी : सेमेस्टर–चतुर्थ

परियोजना–कार्य code 920

प्रस्तावना :–

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को विभाग द्वारा आबंटित पाठ्यक्रमेतर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का मौलिक रूप से शोध आलेख प्रस्तुत करना होगा। शोधार्थी को शोध–निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र–कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की स्वच्छ/स्व–हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निर्धारित विषय

1. रायगढ़ जिले के साहित्यकारों से साक्षात्कार।
2. जिले के छत्तीसगढ़ी साहित्यकारों की रचनाओं पर शोधपरक लेख।
3. इंटरनेट–माध्यम से किसी एक साहित्यिक ब्लॉग का विश्लेषण।
4. किसी फिल्म/रेडियो नाटक/टी वी धारावाहिक/वृत्तचित्र के लिए पटकथा लेखन।
5. अनुवाद : छत्तीसगढ़ी/हिंदी/उड़िया का पारस्परिक अनुवाद।
6. छत्तीसगढ़ के संदर्भ में लगभग 25 विज्ञापन तैयार करना।
7. पश्चात्य काव्यशास्त्र के किसी एक विचारक/सिद्धांत/वाद की समीक्षा/तुलनात्मक अध्ययन।
8. छायावादोत्तर/इक्कीसवीं सदी के किसी एक हिंदी/छत्तीसगढ़ी/उड़िया/अन्य भाषा के कवि/काव्य–कृति का साहित्यिक मूल्यांकन।
9. आकाशवाणी रायगढ़ से प्रसारित कार्यक्रमों की समीक्षा।
10. रायगढ़ जिले के छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास।
11. संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक अन्य विषय (विभागीय संस्तुति से)

——0——

अंक विभाजन : कुल अंक – 50

शोध आलेख: 30 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 10)

मौखिकी : 20 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 08)

अध्ययन–मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. डॉ. फूलदास महंत,
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला–जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
   सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष–
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक–हिन्दी : सदस्य–
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य–
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य–

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य–
   प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

1. श्री राजीव गुप्ता, : सदस्य–
   धनुहारडेरा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2017–2018 एवं 2018–2019
एम. ए. हिंदी सेमेस्टर –चतुर्थ
वैकल्पिक प्रश्नपत्र चतुर्थ
लघु शोध–प्रबंध Code 921

प्रस्तावना –

इस प्रश्न पत्र की लिखित परीक्षा के विकल्प में लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करने की पात्रता हेतु विद्यार्थी को द्वितीय सेमेस्टर में 60 प्रतिशत अंक अर्जित कर उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। तद्नुसार विभाग की संस्तुति से किसी एक विषय पर शोधार्थी को शोध निर्देशक के मार्गदर्शन में मौलिक रुप से लगभग 100 पृष्ठों का लघु **शोध–प्रबंध** तैयार करना होगा, जिसकी 05 मुद्रित/टंकित प्रतियाँ चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा समाप्ति के दस दिवस तक परीक्षणार्थ विभाग में प्रस्तुत करना अनिवार्य है। आंतरिक एवं बाह्य परीक्षक द्वारा लघु शोध–प्रबंध के मूल्यांकन के प्रदत्त अंकों को पृथक्–पृथक् जोड़ा जाना प्रस्तावित है।

- लघु शोध प्रबंध के आंतरिक मूल्यांकन/सेमिनार/मौखिकी हेतु विभाग द्वारा निर्धारित तिथियों में परीक्षार्थी की उपस्थिति अनिवार्य है। लघु शोध–प्रबंध प्रस्तुति के लिए निम्नानुसार अंक निर्धारित है–

अंक विभाजन — कुल अंक–100

आंतरिक मूल्याँकन परीक्षा	10
सेमिनार	10
बाह्य परीक्षक	40
आंतरिक परीक्षक	40

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर : — अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. डी. एस. ठाकुर,**
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,
   शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर –
2. **डॉ. फूलदास महंत,**
   सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
   शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जाँजगीर–चांपा –

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. बिहारी लाल साहू,**
   17 किरोड़ीमल कालोनी रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,** : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2013–14) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुवारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2019–2020 एवं 2020–2021
एम. ए. हिंदी:सेमेस्टर–चतुर्थ
अनिवार्य प्रश्नपत्र–प्रथम : छायावादोत्तर काव्य code 913

प्रस्तावना :

छायावादी कृतिव में यथार्थ और स्वप्न दोनों की समान संस्थिति थी। राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक जागरण की प्रवृत्ति अपनी समस्त शक्ति–सामर्थ्य तथा कतिपय नवीन प्रयोगवादिता के साथ छायावादोत्तर काव्य में विकसित होती रही। यहाँ प्रयोग और प्रगतिशीलता के स्वर जोर पकड़ते गए, जिसके बीज–बिंदु छायावाद में पड़ चुके थे। औद्योगीकरण के साथ–साथ शोषण की वृत्ति तथा अन्य सामाजिक विद्रूपताओं ने प्रगति ील साहित्यिक आंदोलन को बढ़ावा दिया। नए मार्ग की अन्वेषी विचारधारा ने प्रयोगवादी काव्यधारा के रूप में अपने को विकसित किया। स्वतंत्रता के बाद मोहभंग की स्थिति ने जन्म लिया। स्वप्न अधूरे रहे, संकल्प टूटे। आक्रोश और विद्रोह की प्रवृत्तिव्यापक पैमाने पर परिलक्षित हुई। विज्ञान ने बौद्धिकता का विकास किया। फलस्वरूप नए–नए बिम्ब, प्रतीक एवं अभिव्यंजना–रूप ब्रिकसित हुए। अंतर्विरोधी स्थितियों ने मूल्य–विघटन, तनाव–संक्रमण, मोहभंग की स्थिति पैदा की, जिसकी अभिव्यंजना विविध रूपों में हुई। वर्तमान समस्याओं, संवेदनाओं की व्यापकता वि वजनीन हो गई। इस वैश्विक संदर्भ की जानकारी और समझदारी के लिए छायावादोत्तर तथा समकालीन साहित्य का विशेष अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

इस प्रश्न पत्र में समादृत कवियों से 03 व्याख्यात्मक ,03 आलोचनात्मक प्रश्न एवं द्रुत पाठ से लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जाएंगे,जिनमें आंतरिक विकल्प होगा। संपूर्ण पाठ्य–विषय से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय': नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, बावरा अहेरी, साँप।
2. नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, यह तुम थी, वह तो था बीमार, नईपौध,कालिदास, मैं तुम्हें अपना चुम्बन दूँगा, पैने दाँतों वाली, तो फिर क्या हुआ ?शासन की बंदूक, अकाल और उसके बाद।
3. गजानन माधव मुक्तिबोध : अंधेरे में।

द्रुत पठन :

रामेश्वर शुक्ल 'अंचल', रघुवीर सहाय, धूमिल, दुष्यंत कुमार, अरूणकमल

——0——

कुल अंक 80

अंक विभाजन :

03–व्याख्या	–3 × 10 = 30	(समादृत पाठ्य विषय की रचनाओं से)
03–आलोचनात्मक प्रश्न	–3 × 10 = 30	(समादृत पाठ्य विषय की रचनाओं से)
03–लघूत्तरी प्रश्न	–3 × 05 = 15	(द्रुत पाठ से)
05–वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	–5 × 01 = 05	(समादृत पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1. डॉ. राजेश दुबे –
2. डॉ. चित्तरंजन कर –
3. डॉ. विनय कुमार पाठक –
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान – 31/8/18
5. डॉ.(श्रीमती)रवीन्द्र चौबे –
6. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे –
7. डॉ. बेठियार सिंह साहू –
8. श्री नवनीत जगतरामका –
9. श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य : रामविलास शर्मा
2. आधुनिक हिंदी कविता में दुरुहता : डॉ.एस.वसंता
3. आधुनिक हिंदी कविता ओर विचार : डॉ. राजेन्द्रमोहन भटनागर
4. नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : गजानन माधव मुक्तिबोध
5. अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन : चंद्रकांत बांदिवडेकर
6. असाध्य वीणा और अज्ञेय : रमेशचंद्र शाह
7. बाबा नागार्जुन : नरेन्द्र कोहली
8. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह
9. छायावादोत्तर काव्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : डॉ. कमलाप्रसाद
10. प्रगतिवादी काव्य में राजनीतिक एवं सामाजिक चेतना : डॉ. विद्या प्रधान
11. अज्ञेय : प्रकृति काव्य : काव्य में प्रकृति : संजय कुमार
12. दुष्यंत कुमार की गज़लों का समीक्षात्मक अध्ययन : डॉ. सरदार मुजावर
13. कवि कहानीकार अज्ञेय और मुक्तिबोध : संवेदना और दृष्टि : डॉ. भरत सिंह
14. नागार्जुन की कविता : अजय तिवारी
15. अंतस्तल का पूरा विप्लव : अंधेरे में : संपादक – निर्मला जैन
16. नई कविता : निराला, अज्ञेय और मुक्तिबोध : विद्या सिन्हा
17. रघुवीर सहाय का कविकर्म : सुरेश शर्मा
18. समकालीन हिंदी कविता : अज्ञेय और मुक्तिबोध के संदर्भ में : शशि शर्मा
19. धूमिल और उसका काव्य–संघर्ष : डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र
20. आधुनिक साहित्य और प्रयोगवाद : डॉ. भास्कर मैया
21. अज्ञेय–काव्य में प्राग्बिम्ब और मिथक : डॉ. सी.एम.राजन
22. धुमकेतु धूमिल और साठोत्तरी कविता : मीनाक्षी जोशी
23. निराला और मुक्तिबोध : नंदकिशोर नवल
24. रघुवीर सहाय और श्रीकांत वर्मा की कविता : अमिय कुमार साहू
25. गज़लकार दुष्यंतकुमार : डॉ. अविनाश कासांडे
26. नागार्जुन के काव्य में जनवादी चेतना : डॉ. रमाकांत आपरे

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित
हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. राजेश दुबे,**
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. **डॉ. चित्तरंजन कर,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. विनय कुमार पाठक,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. बैठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,**
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

प्रस्तावित सत्र 2019–2020 एवं 2020–2021

एम.ए.हिंदी : सेमेस्टर–चतुर्थ

अनिवार्य प्रश्नपत्र–द्वितीय

पाश्चात्य काव्यशास्त्र code 914

प्रस्तावना :

रचना के वैशिष्ट्य और मूल्यबोध के उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। इससे साहित्यिक समझ विकसित होती है तथा वह दृष्टि मिलती है जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख की जा सके। पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का भी हमारी काव्य–दृष्टि पर प्रभाव पड़ा है अतः आधुनिक रचना को उसकी समग्रता में समझने और विश्लेषण के लिए पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांत और साहित्यालोचन की विविध शैलियों का अध्ययन आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में खण्ड (क) से 02,, खण्ड (ख)से 01 आलोचनात्मक प्रश्न तथा, समस्त पाठ्य–विषय से लघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे, जिनमें आंतरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय :

(क) 1. प्लेटो :काव्य–सिद्धांत।
2. अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी विवेचन।
3. लॉंजाइनस : उदात्त की अवधारणा।
4. वर्ड्सवर्थ : काव्य–भाषा का सिद्धांत।
5. कॉलरिज : कल्पना–सिद्धांत और ललित कल्पना।
6. मैथ्यू ऑर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य।
7. टी. एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।
8. आई.ए.रिचर्ड्स : रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

(ख) (1)सिद्धांत और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद तथा अस्तित्ववाद।

(2) आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ : संरचनावाद, विखंडनवाद, शैलीविज्ञान, उत्तरआधुनिकतावाद।

——0——

अंक विभाजन : **कुल अंक 80**

3 आलोचनात्मक प्रश्न	–3 × 20	= 60 (खण्ड क से 02 एवं खण्ड ख से 01)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी	–3 × 05	= 15 (प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	–5 × 01	= 05 (प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. राजेश दुबे –
2.डॉ. चित्तरंजन कर –
3डॉ. विनय कुमार पाठक –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान 21/8/18
5 डॉ.(श्रीमती)रवीन्द्र चौबे –
6 सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे –
7 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत : डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
2. साहित्य समीक्षा के पाश्चात्य मानदंड : डॉ. राजेन्द्र वर्मा
3. पाश्चात्य साहित्य चिंतन : संपादक – निर्मला जैन
4. पाश्चात्य साहित्यालोचन के सिद्धांत : डॉ. लीलाधर गुप्त
5. उत्तरआधुनिक साहित्यिक विमर्श : सुधीश पचौरी
6. देरिदाँ विखंडन की सैद्धांतिकी : सुधीश पचौरी
7. शैलीविज्ञान और संरचनावाद : डॉ. नरेन्द्र सैनी
8. शैलीविज्ञान : डॉ. सुरेश कुमार
9. पाश्चात्य काव्य चिंतन : डॉ. करूणाशंकर उपाध्याय
10. साहित्य सिद्धांत : रेने वेलेक, ऑस्टेन वारेन
11. स्वातंत्र्योत्तरहिंदी समीक्षा सिद्धांत : डॉ. ब्रम्हदेव मिश्र
12. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ : डॉ. सत्यदेव मिश्र
13. भाषा और समीक्षा के बिन्दु : डॉ. सत्यदेव मिश्र
14. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धांत और वाद : डॉ. भगीरथ मिश्र
15. सौंदर्यबोधशास्त्र : डॉ. जगदीश सिंह मन्हास
16. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : नई प्रवृत्तियाँ : राजनाथ
17. पाश्चात्य काव्य चिंतन : करूणाशंकर उपाध्याय
18. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. उमेशकुमार सिंह

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. राजेश दुबे,**
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय धरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. **डॉ. चित्तरंजन कर,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. विनय कुमार पाठक,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य – 21/8/18
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. **श्री नवनीत जगतरामका,**
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़ : सदस्य –

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2019–2020 एवं 2020–2021

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–चतुर्थ

अनिवार्य प्रश्नपत्र तृतीय : प्रयोजन मूलक हिंदी code 915

प्रस्तावना :

सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। हिंदी भाषा और साहित्य का इन माध्यमों में अधिकाधिक स्तरीय प्रयोग तभी हो सकता है, जब इन दृश्य–श्रव्य माध्यमों से संबंधित विधाओं का व्यवस्थित प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया जाए। यह पाठ्यक्रम अत्यंत रोजगारपरक है।

इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य–विषय से 03 आलोचनात्मक प्रश्न, 03 लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्नों में आंतरिक विकल्प निर्धारित है। समस्त पाठ्य–विषय से 05 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य विषय :

(अ) मीडिया लेखन :1 . जनसंचार : प्रौद्योगिकी और चुनौतियाँ।

2 . विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप : मुद्रण, श्रव्य, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट।

3 . श्रव्य माध्यम (रेडियो) : मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार–लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा–लेखन, विज्ञापन–लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज

4 . दृश्य–श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलिविजन एवं वीडियो) : दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वॉयस ओवर), पटकथा लेखन, टेली ड्रामा, संवाद–लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपान्तर, विज्ञापन की भाषा।

(ब) हिंदी कम्प्यूटिंग : 1. कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग–क्षेत्र

2 . इंटरनेट एवं वेब वर्ल्ड वाइड का परिचय।

3 . इंटरनेट एक्सप्लोरर अथवा नेटस्केप।

4 लिंक, ई–मेल भेजना, प्राप्त करना, डाउनलोडिंग, अपलोडिंग।

5 . हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, हिंदी की प्रमुख वेबसाइट्स, हिंदी के ब्लॉग्स, हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेजेस।

6 .एम.एस.वर्ड, फोटोशॉप, कवर डिज़ाइनिंग, ग्राफिक्स, डी.टी.पी., मल्टीमीडिया, ई–कॉमर्स का सामान्य परिचय।

7 इंटरनेट : सामग्री–सृजन।

(स) अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार : 1. अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि ।

2. हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।

3. मशीनी अनुवाद।

——0——

कुल अंक 80

अंक विभाजन :

3 आलोचनात्मक प्रश्न	–3 × 20	= 60 (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी	–3 × 05	= 15 (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	–5 × 01	= 05 (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. राजेश दुबे –
2. डॉ. चित्तरंजन कर
3डॉ. विनय कुमार पाठक –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान
5 डॉ.(श्रीमती)रवीन्द्र चौबे –
6 सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे –
7 डॉ. बेठियार सिंह साहू –
8 श्री नवनीत जगतरामका –
9 श्री राजीव गुप्ता –

संदर्भ ग्रंथ :

1. पत्रकारिता और जनसंचार : डॉ. ठाकुरदत्त शर्मा 'आलोक'

2. जनसंचार : सिद्धांत और अनुप्रयोग : विष्णु राजगढ़िया
3. हिंदी पत्रकारिता एवं जनसम्पर्क : डॉ. टी.डी.एस.आलोक
4. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग : दंगल झाल्टे
5. इंटरनेट और ई मेल : हेमंत कुमार गोयल
6. कम्प्लीट कम्प्यूटर कोर्स : कपिलदेव सपड़ा
7. मीडिया लेखन : सुमीत मोहन
8. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. विनोद गोदरे
9. मीडियाकालीन हिंदी : स्वरूप और संभावनाएँ : डॉ. अर्जुन चव्हाण
10. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प : डॉ. मनोहर प्रभाकर
11. रेडियो नाटक की कला : सिद्धनाथ कुमार
12. कम्प्यूटर प्रयोग और हिंदी : डॉ. अमरसिंह वधान
13. कम्प्यूटर और हिंदी : डॉ. हरिमोहन
14. प्रयोजनमूलक हिंदी : एक : डॉ. रामनारायण पटेल
15. प्रयोजनमूलक हिंदी : दो : डॉ. रामनारायण पटेल
16. नए जनसंचार माध्यम और हिंदी' : डॉ. सुधीश पचौरी
17.इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सूचना प्रौद्योगिकी : डॉ. यू.सी.गुप्ता
18. दूरदर्शन का स्वरूप एवं हिंदी प्रस्तुतीकरण : डॉ. उन्मेष मिश्र
19. जनसम्पर्क : सिद्धांत और व्यवहार : डॉ. अर्जुन तिवारी
20. रेडियो का कलापक्ष : डॉ. नीरजा माधव
21. सम्प्रेषण और रेडियो शिल्प : विश्वनाथ पाण्डेय
22. 1000 कम्प्यूटर–इंटरनेट प्रश्नोत्तरी : विनयभूषण
23. अनुवाद के भाषिक पक्ष : विभा गुप्ता
24. अनुवाद क्या है? : डॉ. भ.ह.राजूरकर
25. अनुवाद क्या है? : राजमल व्होरा
26. अनुवाद : प्रक्रिया और परिदृश्य : रीतारानी पालीवाल
27. साहित्यानुवादः संवाद और संवेदना : डॉ. आरसु
28. लिप्यंतरण : सिद्धांत और प्रयोग : डॉ. रामप्रकाश सक्सेना
29. आज की हिंदी और अनुवाद की समस्याएँ : डॉ. रायवरपु

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. **डॉ. राजेश दुबे,**
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. **डॉ. चितरंजन कर,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. **डॉ. विनय कुमार पाठक,**
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य – 21/8/18
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2019–2020 एवं 2020–2021
एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–चतुर्थ
अनिवार्य प्रश्नपत्र–चतुर्थ
छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य code 916

प्रस्तावना :

हिंदी साहित्य मात्र खड़ी बोली तक सीमित नहीं है। उसकी अनेक विभाषाओं में आज भी पर्याप्त साहित्य–सृजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य की राजभाषा के रूप में छत्तीसगढ़ी प्रतिष्ठित हो चुकी है। अतः इसके पृथक् अध्ययन से इस विभाषा का उत्तरोत्तर विकास ही होगा।

इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य–विषय से 03 आलोचनात्मक प्रश्न, 03 लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्नों में आंतरिक विकल्प निर्धारित है। समस्त पाठ्य–विषय से 05 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य विषय :

खण्ड – अ. छत्तीसगढ़ी भाषा

1. छत्तीसगढ का नामकरण।
2. छत्तीसगढ़ी भाषा : उद्भव, विकास एवं परंपरा।
3. छत्तीसगढ़ी भाषा का भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक परिदृश्य।
4. छत्तीसगढ़ी की उपबोलियाँ एवं उनका वर्गीकरण।
5. छत्तीसगढ़ी का मानक व्याकरण एवं शब्दकोश।

खण्ड – ब. छत्तीसगढ़ी साहित्य

1. छत्तीसगढ़ी साहित्य : उद्भव, विकास एवं प्रवृत्तियाँ–
   पद्य साहित्य– मुक्तक काव्य/गीत, खण्ड काव्य, महाकाव्य, नई कविता।
   गद्य साहित्य– कहानी, उपन्यास, निबंध, नाटक, एकांकी, आलोचना, संस्मरण, यात्रासाहित्य।'
2. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य की विविध विधाएँ–
   लोकगीत, लोकनाट्य, लोककथा, लोकगाथा, लोकनृत्य, लोकसंगीत, लोक सुभाषित, हाना।

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

3 आलोचनात्मक प्रश्न	–3 × 20	= 60 (समादृत संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी	–3 × 05	= 15 (समादृत संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	–5 × 01	= 05 (समादृत संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1.डॉ. राजेश दुबे –
3डॉ. विनय कुमार पाठक –
5. डॉ.(श्रीमती)रवीन्द्र चौबे –
7.डॉ. बेठियार सिंह साहू –
9.श्री राजीव गुप्ता
2. डॉ. चित्तरंजन कर –
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान 21/8/18
6 सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे –
8 श्री नवनीत जगतरामका –

संदर्भ ग्रंथ :

1. छत्तीसगढ़ी भाषा और लोकसाहित्य : डॉ. बिहारीलाल साहू
2. छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्विकास : डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा

3. छत्तीसगढ़ी, हल्बी, भतरी भाषाओं का वैज्ञानिक अध्ययन : भालचन्द्र राव तैलंग
4. छत्तीसगढ़ी : दशा एवं दिशा : नंदकिशोर तिवारी
5. छत्तीसगढ़ ज्ञानकोश : हीरालाल शुक्ल
6. छत्तीसगढ़ : इतिहास, संस्कृति एवं परम्परा : डॉ. तृषा शर्मा
7. छत्तीसगढ़ी शब्दकोश : डॉ. रमेशचंद्र महरोत्रा
8. राजभाषा छत्तीसगढ़ी : डॉ. सुधीर शर्मा
9. छत्तीसगढ़ का भूगोल : डॉ. किरण गजपाल
10. मानक छत्तीसगढ़ी व्याकरण : चंदूलाल चंद्राकर
11. छत्तीसगढ़ी साहित्य एवं रंगकर्म : डॉ. उषा वैरागकर आठले
12. बोलचाल की छत्तीसगढ़ी : डॉ. चित्तरंजन कर
13. छत्तीसगढ़ी : अभिव्यक्ति के परिप्रेक्ष्य : डॉ. बिहारीलाल साहू
14. छत्तीसगढ़ी बोली, व्याकरण और कोश : डॉ. कांतिकुमार
15. छत्तीसगढ़ी जनभाषा : डॉ. व्यासनारायण दुबे
16. प्राचीन छत्तीसगढ़ : प्यारेलाल गुप्त
17. छत्तीसगढ़ी पहेलियाँ : डॉ. बिहारीलाल साहू
18. छत्तीसगढ़ी मुहावरा कोश : संपा. –रमेशचंद्र महरोत्रा एवं चित्तरंजन कर
19. प्रहेलिकाएँ और छत्तीसगढ़ी संस्कृति : डॉ. बिहारीलाल साहू
20. छत्तीसगढ़ का इतिहास एवं परम्परा : डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा
21. छत्तीसगढ़ी का भाषा शास्त्रीय अध्ययन : डॉ. शंकर शेष
22. छत्तीसगढ़ी साहित्य का ऐतिहासिक अध्ययन : डॉ. विमल कुमार पाठक
23. छत्तीसगढ़ी की व्याकरणिक कोटियाँ : डॉ. चित्तरंजन कर
24. छत्तीसगढ़ी साहित्य के समर्पित हस्ताक्षर : डॉ. विनय कुमार पाठक
25. बीसवीं शताब्दी का छत्तीसगढ़ी साहित्य : डॉ. मंजू शर्मा

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे, –
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. डॉ. चित्तरंजन कर, –
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्यांख्याता हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :
श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2019–2020 एवं 2020–2021

एम. ए. हिंदी सेमेस्टर –चतुर्थ

वैकल्पिक प्रश्नपत्र चतुर्थ

लघु शोध–प्रबंध code 921

प्रस्तावना –

इस प्रश्न पत्र की लिखित परीक्षा के विकल्प में लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करने की पात्रता हेतु विद्यार्थी को द्वितीय सेमेस्टर में 60 प्रतिशत अंक अर्जित कर उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। तदनुसार विभाग की संस्तुति से किसी एक विषय पर शोधार्थी को शोध निर्देशक के मार्गदर्शन में मौलिक रुप से लगभग 100 पृष्ठों का लघु शोध–प्रबंध तैयार करना होगा, जिसकी 05 मुद्रित/टंकित प्रतियाँ चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा के चतुर्थ प्रश्नपत्र के दिनाँक तक परीक्षणार्थ विभाग में प्रस्तुत करना अनिवार्य है। आंतरिक एवं बाह्य परीक्षक द्वारा लघु शोध–प्रबंध के मूल्यांकन के प्रदत्त अंको को पृथक्–पृथक् जोड़ा जाना प्रस्तावित है।

लघु शोध प्रबंध के आंतरिक मूल्यांकन/सेमिनार/मौखिकी हेतु विभाग द्वारा निर्धारित तिथियों में परीक्षार्थी की उपस्थिति अनिवार्य है। लघु शोध–प्रबंध प्रस्तुति के लिए निम्नानुसार अंक निर्धारित है–

अंक विभाजन	कुल अंक–100
आंतरिक मूल्याँकन परीक्षा	10
सेमिनार	10
बाह्य परीक्षक	40
आंतरिक परीक्षक	40

अनुमोदित
हस्ताक्षर

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे,
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. डॉ. चित्तरंजन कर,
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष –
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य – 21/8/18
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य –
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य –

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य –
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य –

प्रस्तावित सत्र 2019–2020 एवं 2020–2021

एम.ए.हिंदी : सेमेस्टर–चतुर्थ

परियोजना–कार्य Code 920

प्रस्तावना :–

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को पाठ्यक्रमेतर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का शोध आलेख तैयार करना होगा। शोधार्थी को शोध–निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र–कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की स्वच्छ हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।शोधार्थी का मौलिक दृष्टिकोण अपेक्षित है।

निर्धारित विषय

1. रायगढ़ जिले के साहित्यकारों से साक्षात्कार।
2. जिले के छत्तीसगढ़ी साहित्यकारों की रचनाओं पर शोधपरक लेख।
3. इंटरनेट–माध्यम से किसी एक साहित्यिक ब्लॉग का विश्लेषण।
4. किसी फिल्म/रेडियो नाटक/टी वी धारावाहिक/वृत्तचित्र के लिए पटकथा लेखन।
5. अनुवाद : छत्तीसगढ़ी/हिंदी/उड़िया का पारस्परिक अनुवाद।
6. छत्तीसगढ़ के संदर्भ में लगभग 25 विज्ञापन तैयार करना।
7. पश्चात्य काव्यशास्त्र के पाठ्येतर किसी एक विचारक/सिद्धांत/वाद की समीक्षा/तुलनात्मक अध्ययन।
8. छायावादोत्तर/इक्कीसवीं सदी के किसी एक हिंदी/छत्तीसगढ़ी/उड़िया/अन्य भाषा के कवि/काव्य–कृति का साहित्यिक मूल्यांकन।
9. आकाशवाणी रायगढ़ से प्रसारित कार्यक्रमों की समीक्षा।
10. रायगढ़ जिले के छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास।
11. छत्तीसगढ़ी साहित्य के विशिष्ट रचनाकार।
12. संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक अन्य विषय (विभागीय संस्तुति से)

अंक विभाजन : कुल अंक – 50,शोध आलेख –30 अंक एवं मौखिकी : 20 अंक

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित

हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे,
   प्राचार्य
   शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. डॉ. चित्तरंजन कर,
   पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
   पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
   पूर्व विभागाध्यक्ष–हिन्दी, अध्यक्ष–छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
   छ.ग.शासन ,रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे–सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू –अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य
   प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स,रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014–15) :
श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ 19.9.18 सदस्य